खण्ड-07 सत्र-05 / अंक-51

शुक्रवार 16 फरवरी, 2024 / 27 माघ, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024/27 माघ, 1945 (शक) अंक-51

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	सदन में विपक्ष के आचरण के संबंध में मुख्य सचेतक श्री दिलीप पाण्डेय द्वारा सदन का ध्यानाकर्षण एवं प्रस्ताव	4-15
3.	सदन में अव्यवस्था	16
4.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	17-41
5.	सदन पटल पर प्रस्तुत कागजात	42-43
6.	माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव एवं उस पर चर्चा	44-125
7.	विश्वास प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण	126-127

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024/27 माघ, 1945 (शक) अंक-51

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अजय दत्त
5. श्री अब्दुल रहमान
6. श्रीमती बंदना कुमारी
7. सुश्री भावना गौड
8. श्री बी. एस. जून
9. श्री दुर्गेश कुमार
10. श्री हाजी युनूस
11. श्री जय भगवान
12. श्री करतार सिंह तंवर
13. श्री कुलदीप कुमार
14. श्री महेंद्र गोयल
15. श्री मुकेश अहलावत
16. श्री नरेश यादव
17. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
18. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
19. श्री प्रकाश जारवाल
20. श्री राजेश गुप्ता

21. श्री राजेन्द्र पाल गौतम
22. श्री रोहित गुमार
23. श्री शरद कुमार चौहान
34. श्री संजीव झा
25. श्री सोमदत्त
26. श्री शिवचरण गोयल
27. श्री सोमनाथ भारती
28. श्री सही राम
29. श्री सुरेंद्र कुमार
30. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
31. श्री अभय वर्मा
32. श्री अनिल कुमार बाजपेयी
33. श्री अजय कुमार महावर
34. श्री जितेंद्र महाजन
35. श्री महेन्द्र यादव
36. श्री मदन लाल
37. श्री मोहन सिंह बिष्ट
38. श्री ओमप्रकाश शर्मा
39. श्री पवन शर्मा
40. श्री प्रलाद सिंह साहनी
41. श्री राजेश ऋषि
42. श्री एस. के. बग्गा
43. श्री विजेंद्र गुप्ता
44. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र–5 शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024/27 माघ, 1945 (शक) अंक–51

दिल्ली विधान सभा

सदन पूर्वाह्न 11.10 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण बधाई संदेश है। हमारे माननीय सदस्य संजीव झा के यहां 10 फरवरी, 2024 को बेटी का जन्म हुआ है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से श्री संजीव झा जी को बहुत–बहुत बधाई देता हूं और बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। माननीय सदस्यगण भारत की केंद्र सरकार के प्रयासों से कतर की जेल में बंद 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों में से 7 सकुशल भारत वापस आ गए हैं, जिन्हें कतर की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। इन पूर्व सैनिकों में कैप्टन अवतेज सिंह गिल, कैप्टन विरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ट, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर सुगनांकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और सैलल रागेस शामिल थे। यह देश के लिए खुशी और गौरव का अवसर है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से इस दिशा में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की

सराहना करता हूं और आठवें पूर्व सैनिक कमांडर पूरवेंद्र तिवारी के सकुशल स्वदेश वापसी की प्रभू से प्रार्थना करता हूं।

विशेष उल्लेख-280 श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री दिलीप पाण्डे (मुख्य सचेतक): माननीय सर मेरा एक पूवाइंट ऑफ ऑर्डर है आपकी अनुमति से मैं रखना चाहूंगा।

माननीय अध्यक्षः 280 है।

श्री दिलीप पाण्डे (मुख्य सचेतक): नहीं सर एक बहुत जरूरी विषय है, ये विषय इतना जरूरी है कि 280 तो होता रहेगा सर, लेकिन विषय पर अगर एक छोटी सी चर्चा हो जाए, सर आपकी अनुमति हो तो इस बात को रख लिया जाए।

माननीय अध्यक्षः क्या है पूवाइंट ऑफ ओर्डर, क्या है बताइये।

श्री दिलीप पाण्डे (मुख्य सचेतक): और मुझे लगता है कि पूवाइंट ऑफ ओर्डर मेरा अधिकार है और आप मुझे अनुमति देंगे इस बात को रखने की। कल की घटना इस सदन के सभी सम्मानित सदस्यों ने देखी। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की विधान सभा की ओर से, सिर्फ दिल्ली नहीं पूरे देश के लोग बड़ी उम्मीद से देखते हैं, सदन को चलाने की क्या मर्यादा होती है, सदन के संचालन में किस तरह की गरीमा को व्यवहार में लाना चाहिए, रखना चाहिए। ये सबकुछ देखते सीखते जानते रहते हैं लोग। लेकिन कल माननीय उप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के दौरान एक बार नहीं, बार-बार लगातार सुनियोजित तरीके

से पूर्वनियोजित तरीके से जिस तरह से उनके अभिभाषण को डिस्टर्ब किया गया, बोलने से रोका गया, बयानबाजियॉं की गई, शोरशराबा किया गया, मुझे नहीं लगता कि इस सदन ने इस तरह की घटना अतीत में कभी देखी होगी। अभूतपूर्व घटना थी, दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मुझे बहुत अफसोस के साथ इस सदन के पटल पर ये कहना पड़ रहा है कि यह घटना पहली बार नहीं हुई, बिल्कुल। पहले भी माननीय उप राज्यपाल महोदय ने दिल्ली की सरकार की जानिब से, दिल्ली की सरकार के काम का, दिल्ली की सरकार की योजनाओं का, दिल्ली की सरकार की योजनाओं का जो लाभ मिल रहा है दिल्ली की जनता को इस पर दिल्ली की सरकार की तरफ से अपनी बात जब रख रहे थे, दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां विपक्ष की भूमिका रचनात्मक होनी चाहिए, विपक्ष ने उस भूमिका को दरकिनार करके पिछली बार भी एल जी साहब के भाषण को डिस्टर्ब किया और इस बार तो उद्दंडता को एक नई ऊँचाई पर ले गए। मुझे अफसोस है कि विपक्ष के साथी अपने, उन्हें ही पता होगा हमें नहीं पता कौन से राजनैतिक स्वार्थों की सिद्धि के लिए इस सदन की गरीमा की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा अध्यक्ष महोदय, यही सदन, यही सारे विधायक साथी और विपक्ष के नेताओं ने, मैं पिछली बार की घटना आपको याद दिलाता हूं ठंड में मरने वाले लोगों की मौत का आंकड़ा इन्होंने गलत प्रस्तुत किया इस सदन के अंदर। दिल्ली पुलिस का जो ओवरऑल डैथ का डेटा है उसी को कोट करके सदन को गुमराह करके और इस सरकार की छवि को तो धूमिल करने का प्रयास तो किया ही, इस सदन की गरीमा की भी

धज्जियॉं उड़ाई, ये पहली घटना नहीं है। ये पहली घटना नहीं है साथियो। अध्यक्ष महोदय इसके पहले भी इसी सदन के अंदर दिल्ली की सरकार अधीनस्थ जो दिल्ली का जल बोर्ड है वो खराब पानी की सप्लाई कर रहा है इसका गलत प्रमाण इन्होंने क्रिएट किया, फेक एविडेंस क्रिएट किया। प्रिंटर के इंक का पानी बोतल में भरके सदन में यह कहते हुए रखा कि ये जल बोर्ड सप्लाई करता है, जांच में वो भी झूठ इनका सामने आ गया अध्यक्ष महोदय। ये घटना है।

...व्यवघान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, नहीं बैठ जाइये। बिधूड़ी जी बैठ जाइये, मैं बहुत प्रताड़ित हूं, मैं बहुत प्रताड़ित हूं। इनको रखने दीजिए अपनी बात।

श्री रामवीर सिंह बिधूडी (नेता प्रतिपक्ष): चर्चा कराएं इसपर।

माननीय अध्यक्षः हाँ चर्चा कराएंगे, कराएंगे चर्चा कराएंगे चिंता मत करिए। चर्चा तो कल कर ली आपने, आपने सारी चर्चा कर ली, सब साथियों ने चर्चा की वैल में। किसने छोड़ा है सब साथियों ने चर्चा की है, बैठिए। चलिए अब डिस्टर्ब मत करिए। बोलिए।

श्री दिलीप पाण्डेः और इस बार भी अध्यक्ष महोदय, पिछली वर्ष की तरह इस बार भी इन्होंने एल जी साहब का।

माननीय अध्यक्षः आप पढ़ते रहिए, आप पढ़िए।

श्री दिलीप पाण्डेः मैं आपको दुरूस्त करता हूं, जो प्रिंटर वाला इंक डालकर लाए इन्होंने कहा यमुना का पानी है, कैमिकल टैस्ट किया गया लैब के अंदर तो पता चला की उसमें प्रिंटर की स्याही डाल रखी है। इस स्तर पर हमारे विपक्ष के साथी गिर रहे हैं नीचे, ये अपने राजनैतिक स्वार्थ की सिद्धि के लिए वो प्रिंटर की इंक लेकर आते हैं सदन में रखते हैं और कहते हैं यमुना का पानी है ये देखिये। ये स्तर है इनका। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने बताना चाहता हं, जब-जब इन्होंने सदन की गरीमा की धज्जियॉं उड़ाई, जब-जब इन्होंने कार्रवाई को डिस्टर्ब किया, एक बार भी, कल की बात अगर मैं करूं अगर, नहीं-नहीं तो आठ बार एल जी साहब की स्पीच को डिस्टर्ब किया और एक बार भी इन लोगों ने माफी नहीं मांगी। एक बार भी इन्होंने गलती नहीं मानी। इस सदन का मजाक उड़ाने के बाद ये सभी साथी एक-एक करके बाहर गए जब इन्हें मार्शल आउट किया गया, आप समझिये इनकी योजना क्या है। ये डिस्टर्ब करते हैं, दुनिया के सामने दिखाते हैं कि हमें मार्शल आउट किया जा रहा है, यह सदन समावेशी नहीं है। ये विक्टीम कार्ड प्ले करते हैं और बाहर जाकर मीडिया के सामने सदन की छवि को धूमिल करने के लिए, सरकार की इमेज को खराब करने के लिए गलत बयान-बाजियाँ करते हैं। ये इनका लगातार रवैया बना हुआ है अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, कल भी इन्होंने यही किया। जब मार्शल आउट हुए, मार्शल आउट होने के बाद इनको गलती का अहसास नहीं कि एल जी के भाषण को डिस्टर्ब करना सदन की गरीमा का उल्लंघन है। ये गलती का अहसास करने की बजाय ये

गए और एक बार फिर से बाहर जाकर मीडिया के सामने सदन का मजाक उड़ाया। अध्यक्ष महोदय, इस सदन की कार्रवाई को पूरी दिल्ली नहीं पूरे देश के लोग देख रहे हैं। पूरे देश के लोग देख रहे हैं कि कैसे विपक्ष के साथी बार-बार लगातार सदन को बेवजह कपेतनचज करके, सदन के सामने झूठ को सच बनाकर पेश करके, सदन के सदस्यों को गुमराह करके, सदन को चलने से रोक करके दिल्ली के टैक्सपेयर्स का पैसा ये बर्बाद कर रहे हैं। दिल्ली के टैक्सपेयर का पैसा ये बर्बाद करते हैं, सवाल हमसे पूछते हैं कि दिल्ली के लोग, इन मंत्रियों से पूछते हैं दिल्ली के लोग, इन विधायक साथियों से पूछते हैं दिल्ली के लोग कि तुम्हारे सदन के अंदर ये विपक्ष के साथी अपनी राजनीति करें अलग बात है, लेकिन बाकी सदस्यों का समय खराब करके हमारा टैक्स का पैसा क्यों बर्बाद करते हैं ये सवाल हमसे पूछते हैं दिल्ली के लोग। अध्यक्ष महोदय, हम क्या जवाब दें बताइये आप? और आपके संज्ञान में ये बात होगी अध्यक्ष महोदय, ये इनका एक गुनाह नहीं, दो गुनाह नहीं, चार गुनाह नहीं है, सदन में विपक्ष के सदसयों के ऊपर विशेषाधिकार समिति में एक नहीं कई सारे मामले लम्बित पड़े हुए हैं अध्यक्ष महोदय। इन्होंने एक बार नहीं कई बार सदन की मर्यादा तोड़ी है और कल तो इन्होंने प्लानिंग के तहत किया। इसकी भी जांच होनी चाहिए अध्यक्ष महोदय। मैंने खुद देखा, यहां की विडियो रिकोर्डिंग में भी कैद होगा कि नेता विपक्ष महोदय, इनके ऊपर विपक्ष को रचनात्मक तरीके से चलाने की जिम्मेदारी है, इनके इशारे पर एक-एक करके सदस्य उठ रहे हैं, एल जी के भाषण को disrupt कर रहे हैं, बाहर जाकर मार्शल आउट होने के बाद बयान-बाजियॉ कर रहे

हैं सदन के खिलाफ अध्यक्ष महोदय। ऐसा हुआ क्यों ये समझना पड़ेगा, ऐसा हुआ क्यों। लगातार एक के बाद एक मैं आपको बताउं पिछले एक साल की मैं सिर्फ अगर बात करूं तो एक बार नहीं कई दर्जन बार इन्होंने सदन को चलने से रोका है और ये आपकी उदारता, मैं आपको दोष नहीं दे रहा अध्यक्ष महोदय। आपकी उदारिता का ये गलत अर्थ निकाल रहे हैं। इनको मालूम है कि एक के बाद एक लगातार कई मामले विशेषाधिकार समिति में लम्बित होने के बावजूद, चूंकि इनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होगी और आप उदार मन के हैं, आप इस बात का ख्याल रखते हैं कि सदन में, जो सदन की मर्यादा है, ये संसदीय मर्यादा है उसका अनुपालन हो, ये उसका गलत मतलब निकालते हैं अध्यक्ष महोदय। गलत मतलब इस बात का भी निकालते हैं कि सबकुछ करने के बाद भी they can get away with it. अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं, आप अपनी उदारता को पूर्ण विराम दें और एक बात मुझे समझ नहीं आती है, हम लोग को ही बोलना पड़ता है कई बार। एक बात समझ में आती है कि कभी-कभी हो सकता है कि जनता की आवाज बनने के लिए विपक्ष के साथियों को कहीं ऐसा लगे कि उन्हें अनसुना कर दिया गया है, इस वजह से कभी-कभी तो ये बात समझ में आती है कि जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए वो आगे आएं, वेल में आएं, अपनी बात रखें लेकिन एक बार नहीं कई बार ऐसा हुआ है कि ना सिर्फ सदन की गरीमा का मजाक उड़ाया, ये आप तक भी पहुंचे हैं, इस सदन के अंदर कागजात फाड़े गए हैं, ये सदन के सदस्य लगातार आपकी चेयर को भी अप्रोच किया है इन्होंने, आपको भी डिमीन करने की कोशिश

की गई है, आपका भी मजाक उड़ाने की कोशिश की गई है। आप इस सदन की गरीमा को रिप्रजेंट करते हैं अध्यक्ष महोदय। लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की प्रतिष्ठा आपसे जुड़ी हुई है अध्यक्ष महोदय, आपकी कुर्सी से जुड़ी हुई है अध्यक्ष महोदय। इसलिए थोड़ा आवश्यक हो जाता है, बड़ा जरूरी हो जाता है कि बार–बार गलतियॉं करने के बाद अब इनके ऊपर कोई कड़ी कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष महोदय इस सदन के सामने मैं दिल्ली की विधान सभा के संचालन की जो sacrosanct बुक हैं उसके रूल नम्बर 6 को आपके सामने पढ़ना चाहूंगा आपकी अनुमति से।

माननीय अध्यक्षः पेज नम्बर बालिये, पेज नम्बर।

श्री दिलीप पाण्डेः पेज नम्बर है 126, 126 की रूल संख्या 6 को मैं सदन के सामने पढ़ना चाहूंगा। ''यदि कोई सदस्य सदन में माननीय उप राज्यपाल के अभिभाषण को अवरूद्ध करता है या बाधा डालता है, अभिभाषण से पहले या उसके दौरान या अभिभाषण के बाद जब माननीय उप राज्यपाल सदन में उपस्थित हो, किसी भाषण या व्यवस्था के प्रश्न द्वारा बहिगर्मन करके या किसी अन्य तरीके से ऐसी बाधा अवरोद्ध या असम्मान का प्रदर्शन माननीय उप राज्यपाल के प्रति निरादर माना जाएगा तथा संबंधित सदस्य या सदस्यों की ओर से पूर्णतः अमर्यादित व्यवहार माना जाएगा तथा सदन की अवमानना माना जा सकता है जिसपर तदंतर किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव के बाद सदन द्वारा विचार किया जाएगा। मैं अध्यक्ष महोदय इस 126 पृष्ठ संख्या पर जो नियम उल्लेखित है उस नियम के तहत मैं इस सदन के

पटल पर एक प्रस्ताव लाना चाहता हूं आपकी अनुमति से अध्यक्ष महोदय और ये प्रस्ताव इस प्रकार से है 'That this House disapproves the repeated violation of rules, directives of the chair and unruly conduct of hon'ble members श्री ओम प्रकाश शर्मा जी, श्री अनिल कुमार बाजपेयी जी, श्री जितेंद्र महाजन जी, श्री अजय कुमार महावर जी, श्री मोहन सिंह बिष्ट जी, श्री अभय वर्मा जी, श्री विजेंद्र गुप्ता जी as the same are not in conformity with rules to be observed by the members of this House as the same lowers the dignity of the council and as the same are in violation of framework of code of conduct for members of Delhi Legislative Assembly as prescribed by the committee on Ethics and thus approves that this matter be referred to the committee of Privileges and suspension of these members till the committee of Privileges submit its findings on cases of breach of privileges and contempt pending against them. Thank you, अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः नहीं आप क्या कहना चाह रहे हैं, संजीव झा जी।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः झा जी, झा जी बोल रहे थे।

माननीय अध्यक्षः संजीव झा जी।

....व्यवधान....

श्री संजीव झाः मैं आपसे बस यही निवेदन कर रहा था कि।

माननीय अध्यक्षः झा जी, झा जी बोलिये बोलिये।

श्री संजीव झाः कि दिलीप भाई ने जो प्रस्ताव रखा है उस प्रस्ताव का समर्थन में करता हूं और इस प्रस्ताव का समर्थन इसलिये करता हूं, सबसे पहले मैं आपकी उदारता के लिये मैं आपको धन्यवाद करता हूं। कल जिस तरह से प्लैन्ड तरीके से एल.जी. साहब के भाषण का विरोध किया गया इसको ना केवल पूरे हाउस।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः आप झूठ बोल रहे हैं तीन लोगों का है आप झूठ बोल रहे हैं केवल तीन लोगों का है।

....व्यवधान....

श्री संजीव झाः बल्कि ना केवल, ना केवल।

माननीय अध्यक्षः आप झूठ बोल रहे हैं, आप झूठ बोल रहे हैं।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः तीन लोगों का है आपने बोला छः लोगों का। छः लोगों का नहीं कुल तीन लोगों का है। सात लोगों का सत्ता पक्ष का है आप झूठ बोल रहे हैं, असत्य बोल रहे हैं सदन में।

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः हमेशा झूठ बोलते हैं आप।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (नेता प्रतिपक्ष): क्या झूठ बोला है?

माननीय अध्यक्षः तीन लोगों का है केवल आपने बोला अभी छः लोगों का लगा हुआ है। छः लोगों का नहीं केवल तीन लोगों का है।

....व्यवधान....

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः नहीं आप 280 हमारा ले नहीं रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः नहीं मैंने कब मना किया, मैंने कब मना किया।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः क्योंकि 280 है आप, आप।

माननीय अध्यक्षः केवल तीन लोगों का आपका लगा हुआ है। सात लोगों का सत्ता पक्ष का है, बोलिये, झा साहब बोलिये।

....व्यवधान....

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय कल पूरे हाउस ने देखा कि किस तरह से विपक्ष के साथी प्लैन कर करके।

....व्यवधान....

श्री संजीव झाः एल.जी. साहब के अभिभाषण का विरोध कर रहे थे, जितनी भी टॉपिक थी। पहली बात इस बात की जांच हो कि विपक्ष के साथियों के पास एल.जी. साहब के अभिभाषण की प्रति पहुंची कैसे और ये मैं इसलिये कह रहा हूं कि जब एजुकेशन की बात हो ये एक कान ऐसे अड़ाते थे कि एजुकेशन कब बोलेंगे ज्यों ही

एजुकेशन बोले नम्बर–1 खड़ा हो गया, फिर कहा जी कि बिजली का बारी कब आयेगी बिजली तुमको बोलना है वो कान खड़ा किया, ज्यों ही बिजली की बारी आई तो सभी खड़े हो गये। स्वास्थ्य की बारी कब आयेगी, स्वास्थ्य की बारी आई तो सभी खड़े हो गये। जिस जिसकी बारी, हम सब लोग समझ रहे थे कि अब बारी किसकी है चूंकि अब कान अड़ाते थे। ज्यों ही कान अड़ाया, हमने कहा अब बारी इनकी है। इसका मतलब ये है कि एल.जी. साहब के अभिभाषण की प्रति विपक्ष के साथियों के पास थी इसकी जांच होनी चाहिये और फिर जो अभी दिलीप भाई ने प्रस्ताव रखा है उस प्रस्ताव पर कार्यवाही होनी चाहिये अध्यक्ष महोदय चूंकि ये पहला ऐसा वाकया नहीं है, जब–जब सैशन हुआ है हर सैशन में हर दिन मार्शल आउट विपक्ष के साथियों को किया गया है। हर एक चर्चा पर एक ही उद्देश्य केवल विपक्ष साथियों का रहा है कि किस तरह से उस चर्चा को disrupt किया जाये, हाउस के बिजनैस को disrupt किया जाये। हर बिजनैस में सभी साथी केवल शोर शराबा, केवल हंगामा, एक ही काम है विपक्ष के साथियों का। इनके इस व्यवहार से ना केवल ये सदन के साथी बल्कि दिल्लीवासी भी आहत हैं कि जब कभी भी दिल्ली के हित की चर्चा इस सदन में होता है विपक्ष के साथी सदन को disrupt करते हैं, उस चर्चा को रोकने की कोशिश करते हैं। आप बार–बार मौका देते हैं लेकिन बार–बार मौका देने के बावजूद ये विपक्ष के साथी हमेशा इनका एक ही conduct रहा है कि किस तरह से इस सदन को disrupt किया जाये किस तरह से इस सदन की चर्चा को रोका जाये, किस

तरह से इस हाउस के बिजनेस को रोका जाये। तो आज जो दिलीप भाई ने ये प्रस्ताव रखा है इस प्रस्ताव का मैं समर्थन करता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि ये हाउस केवल आपकी उदारता से नहीं चलेगा, इस तरह की उदारता का ये परिणाम है कि एल.जी साहब के अभिभाषण को बार-बार विपक्ष के साथियों ने disrupt किया है। तो मैं दिलीप भाई द्वारा जो प्रस्ताव लाया गया है उस प्रस्ताव के समर्थन में आज खड़ा हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः यह प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव स्वीकार हुआ।

मामला विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाता है और समिति की रिपोर्ट आने तक उपरोक्त सात सदस्यों को सदन की कार्यवाही से निलम्बित किया जाता है।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः सदन की।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः मार्शल्स बिधुड़ी जी को छोड़कर माननीय सात सदस्यों को सदन से बाहर करें।

श्री जितेंद्र महाजनः दिल्ली के भ्रष्टाचार पर चर्चा करो, दिल्ली के भ्रष्टाचार पर चर्चा करो। दिल्ली जल बोर्ड पर चर्चा करो।

माननीय अध्यक्षः महाजन जी, अजय महावर जी, मोहन सिंह बिष्ट जी, ओमप्रकाश जी विजेंद्र गुप्ता जी, अनिल बाजपेयी जी, बिधुड़ी जी को छोड़कर मैं सभी से प्रार्थना कर रहा हूं बाहर जायें, मार्शल्स बाहर करिये, चर्चा कल बहुत कर ली आपने।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः पूरी चर्चा की है।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः चर्चा में कसर छोड़ी है कल करने में।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः चलिये।

....व्यवधान....

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार मार्शल्स द्वारा माननीय नेता, प्रतिपक्ष, श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी जी को छोड़कर विपक्ष के बाकी 7 माननीय सदस्यों को सदन से बाहर ले जाया गया।)

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः मैं 280 ले रहा हूं। मैं बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधुड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस फैसले के विरोध में मैं सदन से walk out कर रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः वो आपकी इच्छा है।

....व्यवधान....

(माननीय नेता, प्रतिपक्ष, श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय के फैसले के विरोध में सदन से वाक आउट किया गया।)

माननीय अध्यक्षः 280 श्री राजेश गुप्ता जी, (अनुपस्थित)। श्री वीरेंद्र सिंह कादियान जी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान पूर्व सैनिकों को जो दिक्कत है उस पर दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय आठ वर्ष पहले दिल्ली सरकार ने स्कूलों में मिनिस्ट्रियल स्टॉफ और स्टेट मैनेजर लगाये थे जो कि बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं अध्यक्ष महोदय और उनकी वजह से शिक्षा प्रणाली में और स्कूलों में काफी सुधार हुआ है। एक तो साफ-सफाई और मेन्टेनेंस दूसरा जो पत्राचार होता है स्कूलों में वो पत्राचार बहुत ही उम्दा माध्यम से उस तरीके से

हो रहा है परन्तु अध्यक्ष महोदय जो उनकी तनख्वाह है जब शुरू में 25 हज़ार रुपये फिक्स हुई थी और आज भी 25 हज़ार रुपये ही है। तो बार-बार ये दिल्ली सरकार से भी गुहार लगा रहे हैं और उन्होंने माननीय मंत्रीजी को पत्र भी लिखा है कि उनकी तनख्वाह कम से कम 40 हज़ार रुपये तो होनी चाहिये अध्यक्ष महोदय क्योंकि पूर्व सैनिक हैं, जब रिटायर होते हैं 15-20 साल की नौकरी करने के बाद तो उनके बच्चे भी बड़े हो जाते हैं और एक सम्मानजनक सैलरी के रूप में 40 हज़ार रुपये कम से कम उनकी सैलरी फिक्स होनी चाहिये ये उनका सुझाव है। दूसरा अध्यक्ष महोदय जो रिटायर होने के बाद एमसीडी में consultant के रूप में लगे थे, एमसीडी ने क्लेरिकल स्टफ में काफी लोगों को भर्ती किया था और वो भी अपना काम अच्छी तरह कर रहे थे परन्तु 1 जनवरी, 2024 से उनको 60 वर्ष की आयु के बाद ही ये कहते हुये निकाल दिया कि भई अब हम बाहर से लोग लेंगे। तो अध्यक्ष महोदय जब वो सही काम कर रहे हैं, एक्सपीरियंस लोग हैं और कानूनन 65 वर्ष की आयु तक consultant को रखा जा सकता है तो उनको पांच वर्ष पहले ही सर्विस से निकालना ये भी न्यायसंगत नहीं है। तो इस सदन के माध्यम से एमसीडी को भी डायरेक्शन दिया जाये, ये वहां पहुंचाया जाये कि उनको दोबारा से नौकरी पर रखा जाये और उनको बीच में ही, चूंकि जिम्मेदारियां भी काफी होती हैं, बीच में ही उनको ना निकाला जाये और रूल के हिसाब से 65 वर्ष की आयु तक पूरा करना चाहिये। एक और महत्वपूर्ण विषय है अध्यक्ष महोदय जी कि दिल्ली में चार जिला सैनिक बोर्ड पहले ही मंजूर हो चुके हैं परन्तु उन

पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। तो चार जिला सैनिक बोर्ड चारों दिशाओं में पूर्व सैनिकों की सुविधाओं के लिये क्योंकि जो बहुत से पेंशनर हैं उनकी विधवा और बच्चों को कई बार सर्टिपिफकेट लेना पड़ता है तो आईएसबीटी एक ही जगह आना पड़ता है। बाकी सभी राज्यों में हर जिले में जिला सैनिक बोर्ड है परन्तु यहां पर राज्य सैनिक बोर्ड है तो चार जिला सैनिक बोर्ड जो दिल्ली सरकार ने मंजूर भी कर रखे हैं, उन चारों का निर्माण कार्य शुरू कराया जाये और उनको जगह या तो किराये पर या नया प्रांगण बनाकर दी जाये ताकि उनको सुविधा हो सके। तो ये पूर्व सैनिकों की मांग मैं इस सदन के माध्यम से सरकार के समक्ष रखना चाहता हूं जो दिल्ली सरकार के समक्ष ये आते हैं अध्यक्ष महोदय और इनको शीघ्रातिशीघ्र किया जाये क्योंकि लाखों पूर्व सैनिक यहां पर रहते हैं दिल्ली में और उनके बच्चों के लिये भी सुविधा होगी, विधवाओं को सुविधा होगी और सभी को सुविधा होगी, बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः ठीक है कादियान जी, धन्यवाद, राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी मेरे यहां पर एक नहर है जिसे हरियाणा सरकार की माना जाता है, है भी हरियाणा सरकार की ही है और मैं आपको ये बात और बताना चाहता हूं कि उस नहर पर काम कराने के लिये बहुत तकलीफें हैं। जहां से भी होते निकलती है और वो शालीमार बाग, बवाना से होते हुये मेरे यहां पर आती है और आखिर में वजीरपुर के अंदर ही वो खत्म हो जाती है।

मैं आपके माध्यम से केजरीवाल जी का, आदरणीय मुख्यमंत्री जी का और सत्येन्द्र जैन जी का धन्यवाद भी करना चाहता हूं कि उन्होंने उस पर घाट बनाने के लिये साढ़े तीन करोड़ रुपये दिये हरियाणा सरकार को और बहुत दुर्भाग्य है कि वो पैसे हरियाणा सरकार ने वापस कर दिये 2020 में कि नही हम इस पर घाट नहीं बनायेंगे और शालीमार बाग में बने भी हैं पहले बने थे 2014 में। अब मैं एक और समस्या की तरफ आपका ध्यान दिला रहा हूं कि वहां पर एक शमशान घाट है बिल्कुल उस नहर से साथ में, उस शमशान घाट पर बिल्कुल लोग आयेंगे, आस-पास की विधानसभाओं से आते हैं, सदर बाजार जो विधानसभा है मेरे साथ की, शास्त्री नगर के लोग आते हैं, त्रीनगर के लोग आते हैं, वज़ीरपुर के तो जाते ही हैं आस-पास वो ही शमशान घाट है उसके ऊपर जो नहर पर पुलिया है वो बहुत छोटी है उस पर गाड़ियां फंस जाती हैं लोग परेशान हो रहे हैं। तो मैं आपसे जो रिक्वेस्ट करना चाहता हूं क्योंकि सरकार ने तो एक बार अपना काम करा है कि उनको पैसे दिये हैं अगर हम पुलिया को चौड़ा कराना चाहते हैं तो दिल्ली सरकार किसी बजट से उसे करा नहीं सकती, विधायक विधायक फंड से उसे करा नहीं सकता, पीडब्ल्यूडी का कुछ लेना-देना नहीं है, कोई नहीं कर सकता। तो मैं चाहता हूं कि अगर संभव हो सके तो विधानसभा से ये बात हो कि शमशान घाट एक ऐसी जगह है जहां सबको जरूरत है, उसके बावजूद लोगों के लिये वहां दिक्कत हो रही है। तो अगर विधानसभा से एक चिट्ठी जाये हरियाणा विधानसभा को या स्पीकर साहब को कि आप इसके लिये ये काम करने की अनुमति दे, या तो

वो खुद कर लें और या अगर हमसे पैसे लेंगे तो हम पैसे दे देंगे या कम से कम वो दिल्ली सरकार को अनुमति दें कि जो सबके काम की चीज़ है उसको करने दिया जाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सुरेंद्र कुमार जी।

श्री सुरेंद्र कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, आपने एक गोकुलपुरी विधानसभा क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषय पर बात रखने का आदेश किया। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपको अपनी गोकुलपुरी विधानसभा क्षेत्र की तरफ ले जाना चाहता हूं। यहां दिल्ली के जल बोर्ड की पानी की बहुत समस्या है। मेरे बार–बार आपके संज्ञान में लाने के बावजूद भी अभी तक इस पर कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। मेरी विधानसभा में करीब 70 परसेंट क्षेत्र में पानी तीसरे दिन आता है और बाकी की जो जिस जिले में जो हमारी विधानसभा है उन सभी में कहीं 8 घंटे कहीं, 10 घंटे पानी आता है और जहां मैं रहता हूं वहां 24 घंटे पानी आता है रोहताश नगर में, तो ऐसा क्यों मेरी विधानसभा के साथ अत्याचार और शोषण किया जा रहा है कि एक आम जन को पानी क्यों नहीं मिल रहा है ये एक गंभीर, विचारणीय मुद्दा है। तो माननीय अध्यक्ष जी आपसे निवेदन करता हूं कि पूरे जिले के पानी को डिवाइड किया जाये जिससे समानता के आधार पर सभी को पानी को सप्लाई दी जा सके। दिल्ली जल बोर्ड से पानी पर सभी का मौलिक अधिकार है। मेरे जिले में पानी का बराबर–बराबर डिवाइड किया जाये जिससे कि गोकुलपुर विधानसभा के साथ पक्षपात ना किया जा सके। मैं माननीय जल मंत्री

से भी निवेदन करना चाहता हूं कि वे इस मुद्दे को संज्ञान में लाकर पूरे जिले के सभी विधानसभाओं को बराबर पानी देने का आदेश-निर्देश दिशानिर्देश करें जिससे कि मेरी विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिये पानी मिल सके और ये कार्य मानव के कल्याण के लिये, जनहित के लिये करने का काम करें। तो मैं आपसे माननीय अध्यक्ष जी यही निवेदन करना चाहता हूं कि पानी सभी को बराबर मिले क्योंकि पानी का सभी का मौलिक अधिकार है क्योंकि मेरे घर में कुंआ है और मेरे क्षेत्र की जनता प्यासी है। मेरे क्षेत्र में भागीरथ प्लांट है जो कि मेरे क्षेत्र की ही जनता को पानी नहीं मिलेगा तो किसको पानी मिलेगा। तो आपसे माननीय अध्यक्ष जी ये कहना चाहता हूं कि पानी डिवाइड किया जाये। मैं मानता हूं कि पानी की समस्या है लेकिन इतना भी पानी नहीं है कि कहीं आठ घंटे, आप घोंडा विधानसभा में देखो 12 घंटे पानी मिलता है, रोहताश नगर में 24-24 घंटे पानी आता है, मेरे यहां तीसरे दिन पानी आता है। ये एक बहुत बड़ी समस्या है, इस समस्या को बार-बार मैंने विधानसभा में रखने का काम किया। तो मैं आपसे यही निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र की जनता की तरफ भी आप देखने का काम करें, धन्यवाद, शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः श्री गुलाब सिंह जी, अनुपस्थित। श्री जय भगवान जी।

श्री जय भगवानः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे 280 पर बोलने का अवसर प्रदान किया। माननीय अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर मैट्रो का जो विस्तार है वो

लगातार हो रहा है और मैट्रो का जो विस्तार है जब 2002 से रिठाला से कश्मीरी गेट तक मैट्रो चलाई गई और इस बात को करीब-करीब 22 साल हो गये। अध्यक्ष महोदय क्योंकि रिठाला से चली थी तो आगे रिठाला से बरवाला तक इसका विस्तार होना था और उस विस्तार को धीरे-धीरे करके पैंडिंग-पैंडिंग करते रहे लेट कर दिया। अध्यक्ष महोदय मैं ये कहना चाहता हूं क्योंकि मैट्रो के कई चरण पूरे हो चुके हैं और पूरी दिल्ली के अंदर मैट्रो का जाल बिछा दिया गया है लेकिन जो हमारा क्षेत्र है बवाना, नरेला वो अभी भी इंतज़ार कर रहा है कि मैट्रो कब आयेगी।

अध्यक्ष महोदय, रिठाला, बवाना, नरेला मेट्रो कोरिडोर पर क्योंकि जो दिल्ली सरकार है उन्होंने अपना काम बखूबी कर दिया और करीब-करीब 3 साल पहले रिपोर्ट बनाकर के भेज दी है और अपने हिस्से का पैसा भी दे दिया लेकिन केन्द्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो को जो दिल्ली देहात का जो क्षेत्र है बवाना, नरेला यहां पर मेट्रो का विस्तार नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि बवाना नरेला में करीब-करीब 30 से 35 हजार औद्योगिक इकाईयां हैं। बवाना नरेला में डीडीए ने करीब-करीब 17 हजार फ्लैट बनाए हैं। करीब 62 गांव हैं, कई अनॉथराइज कालोनियां हैं, कई रिसेटलमेंट कालोनियां हैं जहां पर काफी आबादी है अध्यक्ष महोदय जिसकी वजह से और हरियाणा का जो लगता हुआ एरिया है मैं बात करूं चाहे एचआईडीसी की बात करूं जो अभी जिसका विस्तार हो रहा है, चाहे मैं कुंडली की बात करूं जिसका विस्तार हो रहा है वो जो पूरा एरिया है बहुत ही भीड़भाड़

वाला होता जा रहा है जिसकी वजह से लगातार जाम रहता है और लोग परेशान रहते हैं। प्रदूषण का जो लेवल है वो भी काफी बढ़ गया है जिसकी वजह से काफी दिक्कतें होती हैं। अगर उस क्षेत्र के अंदर मेट्रो लाइन जल्दी से जल्दी आएगी तो वहां पर प्रदूषण में भी कमी आएगी, ईंधन की भी बचत होगी, पर्यावरण के अनुकूल भी होगी और जो लोगों का जो समय लगता है ज्यादा उसमें भी कमी आएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से यह कहना चाहता हूं कि दिल्ली सरकार ने जब अपना काम 3 साल पहले कर दिया कि रिठाला, बवाना, नरेला जो कोरिडोर है उस पर मेट्रो चले लेकिन केन्द्र सरकार बार-बार डीडीए के कहने पर उस रूट पर चेंजिंग करती है जिसकी वजह से समय लगता जा रहा है और लोग वहां परपरेशान हैं। तो मैं सदन के माध्यम से आपसे निवेदन करता हूं कि जो केन्द्र सरकार है वो जल्दी से जल्दी बवाना-नरेला मेट्रो जो कोरिडोर है जो अब कुंडली तक विस्तार करना है उसको जल्दी से जल्दी चालू करें जिससे कि वहां के लोगों को जाम से भी मुक्ति मिले और प्रदूषण से भी मुक्ति मिले। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं, सर नमस्कार, जयहिन्द।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान राजेन्द्र पाल गौतम जी।

श्री राजेन्द्र पाल गौतमः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे नियम-280 के तहत बोलने का अवसर दिया। मैं पूरे सदन का ध्यान और साथ में दिल्ली के उपराज्यपाल जी का भी ध्यान आपके माध्यम से इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली के अंदर पहले

सर्विसेज डिपार्टमेंट दिल्ली सरकार के अधीन होता था लेकिन उसके बाद जिस तरह केन्द्र सरकार ने अवैध तरीके से वो विभाग छीना और दिल्ली सरकार को एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जीतकर सर्विस डिपार्टमेंट वापस मिला लेकिन फिर किस तरह अवैध तरीके से तानाशाही रवैया अपनाते हुए देश के प्रधानमंत्री जी ने संसद के माध्यम से सर्विस डिपार्टमेंट को दिल्ली सरकार से छीन लिया और आज दिल्ली सरकार के अंदर डीएसएसबी की तरफ से जो दिल्ली के अंदर अलग-अलग विभिन्न विभागों में अलग-अलग तरह की वैकेंसीज निकली हैं जिसमें एमटीएस की वैकेंसी है, जिसके अंदर जूनियर असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर, लोवर डिवीजन क्लर्क, सीनियर स्टेनोग्राफर, जूनियर असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर असिस्टेंट ग्रेड, जूनियर स्टेनोग्राफर, जूनियर असिस्टेंट एलडीसी, स्टेनो ग्रेड-2 तो इस तरीके से टोटल दिल्ली सरकार के अलग-अलग विभागों में जिसमें से मुख्य रूप से Woman and Child Development, Social Welfare, Delhi Technical Education, Principal Accounts Office, Legislative Assembly Secretariat, Chief Electoral Officer, Delhi Subordinate Services Selection Board, Directorate of Economics and Statistics, Tourism, DSIIDC, DTC, Land & Building तो इन सभी विभागों में अलग-अलग तरह की टोटल 4800 वैकेंसी निकली हैं माननीय अध्यक्ष जी। ये वो विज्ञापन हैं जो डीएसएसएसबी के माध्यम से ये जो विज्ञापन के माध्यम से ये वैकेंसी निकली हैं और मुझे ये कहते हुए बड़ा दुख हो रहा है कि दिल्ली के अंदर एस.सी./एस.टी और ओबीसी जिसकी जनसंख्या लगभग 85 परसेंट से भी ज्यादा है और उस

85 परसेंट जनसंख्या का जितना हिस्सा बनना चाहिए था वैसे तो 85 परसेंट वैकेंसी उनको मिलनी चाहिए लेकिन सुप्रीम कोर्ट के द्वारा जो व्यवस्था दी गई है उसके हिसाब से एस.सी./एस.टी ओबीसी को 49.5 परसेंट वैकेंसी उनके हिस्से में जानी चाहिए और मैं बड़े दुख के साथ यह कह रहा हूं कि इसमें से जरनल कैटेगरी और ईडब्लूएस दोनों मिलाकर जरनल कैटेगरी के खाते में 4817 में से कानूनी रूप से 50. 5 परसेंट यानी लगभग 2409 वैकेंसीज उनके हिस्से में जानी चाहिए थी लेकिन ये जो डीएसएसएसबी के विज्ञापन में जो वैकेंसीज निकाली गई हैं इसमें उनके हिस्से में 2643 वैकेंसी यानी 235 वैकेंसी फालतू जरनल कैटेगरी को दी जा रही हैं ये एस.सी./एस.टीओबीसी के लोगों के साथ, दिल्ली के लोगों के साथ अन्याय है। ये एस.सी./एस.टीओबीसी के लोगों का हकमारी हो रही है और ये हकमारी मैं मानता हूं कि उप-राज्यपाल के माध्यम से हो रही है क्योंकि जब सर्विस डिपार्टमेंट आज उप-राज्यपाल देख रहे हैं तो ये जिम्मेदारी दिल्ली के उप-राज्यपाल को लेनी पड़ेगी कि उन्होंने टोटल 235 वैकेंसी जिसमें असिस्टेंट ग्रेड, एलडीसी, स्टेनो, एमटीएस इस तरह की अनेक वैकेंसीज में टोटल 235 वैकेंसी जो एस. सी./एस.टीओबीसी के हक की थी उनको चोरी करके जरनल कैटेगरी और ईडब्लूएस को देने का काम इस विज्ञापन के माध्यम से किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करता हूं कि ये बात एलजी साहब के पास तक जानी चाहिए कि वो इसकी जांच कराएं कि ये 235 वैकेंसी की हकमारी जो की जा रही है एस.सी./एस. टीओबीसी की ये रुकनी चाहिए। अगर ये नहीं रुकेगी तो एस.सी./एस. टीओबीसी के लोग दिल्ली के एस.सी./एस.टीओबीसी के विधायकों को

पकड़ेंगे क्योंकि मुझे खुद आकर उन लोगों ने मिलकर कहा है कि आप एस.सी./एस.टीओबीसी का रिप्रजेंट करते हैं दिल्ली की विधानसभा के अंदर हमारे मुद्दे कौन उठाएगा। मैंने उनसे वायदा किया था कि मैं इस मुद्दे को सदन के बीच रखूंगा ताकि स्पीकर साहब के माध्यम से एलजी साहब तक ये बात जानी चाहिए की एस.सी./एस.टीओबीसी के हकों की हकमारी नहीं होनी चाहिए, उनकी जितनी वैकेंसी बनती हैं वो पूरी की पूरी उन्हें मिलनी चाहिए। इसकी जांच कराई जानी चाहिए और उन अधिकारियों की भी जांच होनी चाहिए जिन्होंने इस हकमारी में हिस्सेदारी ली है, आपने मुझे सदन के बीच बोलने का मौका दिया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं बहुत-बहुत धन्यवाद, शुक्रिया।

......व्यवधान......

माननीय अध्यक्षः राजेन्द्र जी ये नोटीपिफकेशन की कापी सदन पटल पर रख दीजिए, ये नोटीपिफकेशन। श्री भूपेन्द्र सिंह जून जी।

श्री बी एस जूनः धन्यवाद सर, सर जो इश्यू मैं आज उठाने जा रहा हूं ये पहले भी इस विधानसभा में उठता रहा है इस सदन में, बहुत महत्वपूर्ण विषय है और ये सिर्फ मेरी विधानसभा का नहीं है पूरी दिल्ली का है पूरी दिल्ली के 2 करोड़ जो निवासी हैं उनके लिए है। सर हम सभी जानते हैं कि 3 एंट्री जो हैं कांस्टीट्यूशन में संविधान में वो रिजर्व कैटेगरी में हैं पब्लिक आर्डर, पुलिस और लैंड इन तीनों कैटेगरीज का जितना मिसयूज दिल्ली में हो रहा है आज के दिन कहीं भी नहीं हो रहा। मैं पुलिस की बात कर रहा हूं कि दिल्ली पुलिस इस

इंप्रेसन में कि हम रिजर्व कैटेगरी से बिलांग करते हैं, विधानसभा के किसी क्वेश्चन का आंसर नहीं देते हैं सर। कमेटी में अगर कोई क्वेश्चन लगाया जाता है उसका यही आता है कि ये रिजर्व सब्जेक्ट है और हम आपके किसी भी क्वेश्चन का जवाब नहीं देंगे। तो 2 करोड़ जो जनता है दिल्ली की वो किसके पास जाएगी? सर आर्गनाइज क्राइम कोई कंट्रोल नहीं है दिल्ली पुलिस का, गैंगवार्स कोई कंट्रोल नहीं दिल्ली पुलिस का, ड्रग मैनर्स कोई कंट्रोल नहीं दिल्ली पुलिस का, आर्म्स सप्लाई कोई कंट्रोल नहीं दिल्ली पुलिस का। पीछे सर 9 तारीख को नजफगढ़ में दो लड़के बार्बर शॉप में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई इसका रिजल्ट क्या हुआ? लोगों में दहशत फैल गई, गैंगवार ओपनली दिल्ली की सड़कों पर हो रहा है जिससे लोगों में बहुत दहशत है और वो लोग अपनी प्रोटेक्शन के लिए कहां जाएंगे? पुलिस के पास जाते हैं, पुलिस का आज के दिन सिर्फ एक ही मकसद है कि पैसा बनाओ। डाटा शो करते हैं सर कि पिछले डेढ़ महीने में सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के 10 आफिशियल्स को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ा है, ये आज लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन है दिल्ली पुलिस में। अब इनकी वर्किंग देखिये सर, गैंगवार्स दिल्ली में जो चल रहे हैं ये अपनी साइट्स पर ये कुछ गैंगसटर्स की ोटो डालकर लिखते हैं इस ्लाने पर 10 लाख का ईनाम है, इस पर 5 लाख का ईनाम है, इस पर 2 लाख का ईनाम है। ये इसलिए करते हैं सर ताकि लोगों को डराया जा सके। बेशक वो लोग जेल में हैं लेकिन जो एंटी शोशल एलिमेंट्स हैं उनका नाम लेकर लोगों से रिकवरी करते हैं, रेनसम कॉल आती है , ट्रेडर्स

को आती है, बिजनस मैन को आती है आम पब्लिक को आती है लेकिन दिल्ली पुलिस उसमें एक्सटोर्सन का कोई केस register नहीं करती और unfortunately and interestingly sir एक केस में जो मेरी नॉलेज में है दिल्ली पुलिस के आफिशियल्स ने कहा जब रेनसम कॉल आई कि तुम्हारा सैटल करा देते हैं, वो मीडिएटर बने हुए हैं, ये नहीं कि उसके खिलाफ केस दर्ज करें, कहते हैं हम तुम्हारा सैटल करा देते हैं। तो ये आज के हालात हैं दिल्ली में और जब विधानसभा में क्वेश्चन उठता है, आंसर यह आता है कि रिजर्व सब्जेक्ट है। तो एलजी साहब को सर इस बारे में सोचना चाहिए कि दिल्ली पुलिस ये तीन–चार बीमारियां, ड्रग्स का ले लीजिए सर आज ड्रग्स का मैनर्स इतना है कि छोटे–छोटे बच्चों ने स्कूलों में ड्रग्स लेनी शुरु कर दी। दिल्ली का कोई भी गली मोहल्ला नहीं है जहां ड्रग्स अवेलेबल नहीं है। कोई भी समझदार इज्जतदार आदमी शाम को 7 बजे पार्क में नहीं जा सकता क्योंकि वहां ड्रग पैडलर्स का कब्जा हो जाता है, तो लोग जाएं तो जाएं कहां? हो सकता है हमारे हाथ में, दिल्ली सरकार के हाथ में कोई पावर नहीं है, ये असेंबली भी हेल्पलेस है लेकिन सर हम एटलिस्ट इतना तो कर सकते हैं एक स्ट्रांग रेज्युलेशन पास करके हम मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर्स में भेज दें कि जो आज दिल्ली में हो रहा है, नहीं तो सर सिचुएशन ऐसी आएगी जैसे मैक्सिको की जो सड़कों में खुलेआम लोगों को गोली मार दी जाती है, लूटखसोट होती है, वो दिल्ली में होने जा रही है। स्टेट कैपिटल, नेशनल कैपिटल है, अगर इस कैपिटल में ऐसा हुआ और कोई कंट्रोल इन पर नहीं लगाया दिल्ली पुलिस ने तो

फिर बैटर यही है कि दिल्ली पुलिस का भी कंट्रोल दिल्ली सरकार को दे देना चाहिए ताकि फिर लोगों को डिफरेंस का पता लगे तो मेरी आपके माध्यम से यही आपसे रिक्वेस्ट है कि इसमें एक रेजुलेशन अडाप्ट किया जाए और उसको मिनिस्ट्री अफ़ होम में भेजा जाए की दिल्ली पुलिस की वर्किंग में सुधार होना चाहिए जो गैंगवार्स चल रहे हैं दिल्ली में जो ड्रग्स की बातें चल रही हैं, जो आर्म्स की बातें चल रही हैं, जो आर्गनाइज क्राइम्स की बातें चल रही हैं, इनको कंट्रोल किया जा सके। मुझे टाइम दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद सर।

माननीय अध्यक्षः श्री महेन्द्र गोयल जी।

श्री महेन्द्र गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मेरे यहां पर एमसीडी के द्वारा स्थापित एक कालोनी है जो बाबा साहब अंबेडकर कालोनी के नाम से है और उसके फ्लैटों के लिए, उसकी रिपेयर के लिए 8 फाइलें मेरी एस.सी./एस.टी डिपार्टमेंट के अंदर जमा हैं। पिछले साल के अंदर तो बजट दिया था लेकिन इस साल के अंदर वो मुझे बजट नहीं मिला एस.सी./एस.टी के तहत वो फाइलें पैंडिंग सिर्फ इस लिए हैं अभी तक कि वो कहते हैं कि एमसीडी के अंदर अब आपकी सरकार आ रही है, आपकी सरकार आ गई है तो आप एमसीडी से ही इसकी रिपेयर करवाएं, ये तो कोई तरीका नहीं हुआ। एस.सी./एस.टी फंड के लिए एक विधायक ने अपनी विधानसभा के सत्र के दौरान आज आपसे भी डिमांड रख रहा हूं कि इस प्रकार की जो भी फाइलें हैं एस.सी./एस.टी डिपार्टमेंट के तहत वो क्लियर करवाई जाएं ताकी लोगों को उचित सुविधा उसके लिए मिल

सकें वर्ना उन फ्लैटों की मैंने माननीय मंत्री राजकुमार आनंद जी का दौरा भी करवाया था और उन्होंने उसको देखा भी था, उसकी बहुत जर्जर हालत है। यदि 6.5 रिक्टर का भूकंप आ गया तो आपको यही खबर मिलेगी कि वहां पर 100–50 आदमी दबकर मर गये हैं। तो ऐसी सूचना न मिले तो मेरा आपसे हाथ जोड़कर अनुरोध है कि एस.सी./एस.टी डिपार्टमेंट को ये माननीय मंत्री जी यदि कहीं पर बाहर हों तो मैं चाहूंगा कि वो भी यहां आ जाएं और आश्वस्त करें की ये फंड जल्दी से आप रिलीज करवा देंगे क्योंकि उसके बाद आचार संहिता भी लग जाएगी। हमें इस चीज का भी बड़ा ध्यान रखना पड़ेगा क्योंकि आगे टाइम नहीं है उनको लोगों को सुविधा देना अरविंद केजरीवाल जी का प्रथम कर्तव्य बनता है और वो दे भी रहे हैं। दिल्ली के नागरिकों के लिए पीने के लिए फ्री में पानी भी दे रहे हैं, माताओं–बहनों के लिए बसों को फ्री कर रखा है, स्वास्थ्य सेवाओं को अच्छी दे रखा है, तो इन फ्लैटों की मरम्मत के लिए हमें वो पैसा चाहिए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद सर।

माननीय अध्यक्षः श्री सहीराम जी बाकी सदस्य जिनके मैं नाम बोल रहा हूं, मैं चाहता हूं जितने मेरी टेबल पर हैं वो पूरे हो जाएं, वो जितना लिखा है उतना कृपया बोलें, श्रीमान सहीराम जी।

श्री सही रामः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मैं माफी चाहूंगा। मैंने 280 में दो तीन को लगा रखा है। अब कौन सा लिया गया है अगर आप बता दें तो।

माननीय अध्यक्षः सीवर, पानी व सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

श्री सही रामः नहीं अध्यक्ष जी ये नहीं है। मेरा तो बीएसईएस से सम्बन्धित हैं दोनों।

माननीय अध्यक्षः आपने अन्तर्गत मोहन को-ओपरेटिव औद्योगिक क्षेत्र में..

श्री सही रामः अच्छा-अच्छा जी। ठीक है जी ठीक। धन्यवाद। कई लगा रखे हैं ना। अध्यक्ष महोदय मेरी विधान सभा में एक सोसाईटी है मोहन को-ओपरेटिव। शायद आपकी जानकारी में भी होगा। वो काफी बड़ा इण्डस्ट्रीयल एरिया है। तकरीबन-तकरीबन ज्यादा नहीं तो उसमें 2000 के करीब बड़ी-बड़ी कम्पनियां है और ये कभी ये डीडीए से सोसाईटी ने लीज पर लेकर यहां इण्डस्ट्रीयल एरिया बनाया था। अध्यक्ष महोदय, तकरीबन 45 से 50 साल पुराना ये इण्डस्ट्रीयल एरिया है। वहां के आरडब्ल्यूए की जो सोसाईटी है वो कई बार मेरे से आकर मिले। मेरी मिटिंग भी हुई और मैंने मुख्यमंत्री जी को और जो सम्बन्धित मंत्री हैं उनको कई बार पत्र भी लिखे। अध्यक्ष महोदय, वहां आज तक इण्डस्ट्रीयल एरिया बसे हुए 50 साल हो गए। एक भी पानी की लाइन नहीं है। एक भी सीवर की लाइन नहीं है और आज तक वहां अध्यक्ष महोदय ना निगम द्वारा ना सरकार द्वारा कोई भी रोड नहीं बनाया गया। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से अब तो निगम में भी हमारी सरकार है। आपके माध्यम से मैं सरकार से भी निवेदन करूंगा या तो उस

इण्डस्ट्रीयल एरिया को दिल्ली सरकार अपने आधीन ले ले या निगम में हमारी सरकार है उस इण्डस्ट्रीयल एरिया को निगम को ट्रांसफर करा दे ताकि वहां के लोगों को जो पानी की, रोड की समस्याओं से निजात मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें एक चीज और जोड़ना चाहूंगा। नगर निगम वहां काम नहीं करता। यहां तक कि सफाई का काम भी नहीं करता। लेकिन वहां से जो पार्किंग शुल्क है, वो पिछले बीस साल से दिल्ली नगर निगम वहां से पार्किंग शुल्क ले रहा है। मेरा ऐसा मानना है कि पार्किंग शुल्क दिल्ली नगर निगम ले रहा है तो उसको दिल्ली नगर निगम को हैंड ओवर ले लेना चाहिए और उसमें जो भी मूलभूत सुविधाएं इण्डस्ट्री वालों की है उन पर काम करना चाहिए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जय हिन्द।

माननीय अध्यक्षः संजीव झा जी।

श्री महेन्द्र गोयलः अध्यक्ष जी माननीय मंत्री जी आ गए हैं।

माननीय अध्यक्षः नहीं इसमें जवाब नहीं होता। मैं बात करूंगा। मैने नोट कर लिया है।

श्री महेन्द्र गोयलः अभी बात हुई थी कि वो डिपार्टमेंट की तरफ से कुछ बात कहना चाहते हैं।

माननीय अध्यक्षः भई वो अगर कुछ कहना चाहेंगे तो कह सकते हैं। माननीय मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं इस विषय में, कहिए।

माननीय अनुजा./जनजाति कल्याण मंत्री (श्री राज कुमार आनन्द): गोयल साहब ये जो स्कीम है एस.सी./एस.टी बस्ती विकास स्कीम है और जो आपके फ्लैट्स हैं वो एमसीडी के फ्लैट्स हैं। एमसीडी के फ्लैट्स में ये पैसा नहीं लगा करता है इसलिए डिपार्टमेंट ने आपको मना कर दिया है। लेकिन हमारे लिए जहां भी एस.सी./एस.टी रहते हैं more than 30 percent हम खुद गए थे वहां।

माननीय अध्यक्षः मंत्री जी उधर मुंह करके नहीं। मेरी और..

माननीय अनुजा/जनजाति कल्याण मंत्रीः वहां तो 80 परसेंट लोग एस.सी./एस.टी रहते हैं। तो हम इनको इसी बजट में, पिछली बार भी हमने दिए थे इनको और इसी बजट में एक जो ब्लॉक है उतने पैसे सैंशन कराके देंगे, ऐसा हमने वादा किया है।

श्री महेन्द्र गोयलः मैं क्षेत्र की जनता की तरफ से आपका धन्यवाद करता हूं।

माननीय अध्यक्षः चलिए। धन्यवाद। संजीव झा जी।

माननीय अनुजा/जनजाति कल्याण मंत्रीः बिल्कुल करा देंगे सर।

माननीय अध्यक्षः संजीव झा जी अनुपस्थित। बन्दना कुमारी जी अनुपस्थित। श्री रोहित कुमार जी। 280 का जल्दी से करिये। 280, नहीं बोलना। क्या हुआ रोहित जी।

श्री रोहित कुमारः हाँ जी। बहुत-बहुत धन्यवाद सर। जो आपने 280 के तहत मुझे अपने क्षेत्र की समस्यायें उठाने का सदन के पटल

पर मौका दिया है। माननीय अध्यक्ष जी हम सभी जानते हैं कि जो एलजी साहब के दबाव में, केन्द्र सरकार के दबाव में लगातार जल बोर्ड का पैसा रोका गया। एक–एक साल से ठेकेदारों की पैमेंट नहीं हो रही है, जिसके चलते जल बोर्ड के बहुत सारे काम नहीं हो पा रहे है। जो स्थिति हमने पहले कभी नहीं देखी थी आज वो स्थिति देखनी पड़ रही है। त्रिलोक पुरी विधान सभा के अंदर जगह–जगह पर जहां पर सीवर की लाइनें सैटल हो गई हैं वहां पर उनको सुधारने का काम नहीं किया जा रहा। नई लाइन डालने का काम नहीं हो पा रहा है। गाडियां जो लगी हुई थी वो गाड़ियों के अंदर कमी कर दी गई है। एक साजिश के तहत मैं कहूंगा त्रिलोक पुरी, पूरी दिल्ली के अंदर ये मैं कहूंगा तमाम विधायक इस बात को, इससे सहमत होयेंगे कि सब जगह स्थिति ये है। सीवर से इतने ज्यादा लोग परेशान हैं। त्रिलोक पुरी ब्लॉक नम्बर–1 में चले जाइये। ब्लॉक नम्बर ग्यारह में चले जाईये। चार में चले जाईये, 32 में, 30 में, ब्लॉक नम्बर–16 में। न्यू अशोक नगर ई ब्लॉक के अंदर। माननीय अध्यक्ष जी, स्थिति ये हो गई है कि मलमूत्र गलियों के अंदर बह रहा है। लोगों का जीवन नर्क हो गया है। लोग बीमार पड़ रहे हैं। लोगों के मेरे पास में फोन आ रहे हैं। मेरे दरवाजे पर लोग पहुंच रहे है अपनी शिकायते ले करके। नाराज हो रहे है। उनकी नाराजगी भी जायज है। मेरे कार्यालय के अंदर लोग इतने नाराज होकर वहां पर पहुंच रहे हैं। सीवर भरे होने की वजह से गंदे पानी की भी शिकायतें आ रही है। लगातार इसके ऊपर हम जूझ रहे हैं। अधिकारियों से मैं बात कर रहा हूं। अधिकारियों ने हाथ खड़े कर दिये हैं कि सर

हम क्या करें। हड़ताल चल रही है। ठेकेदार काम करने को तैयार नहीं है। जो नये टेंडर लगाये जा रहे हैं, नए टेंडर के अंदर कोई भी ठेकेदार अप्लाई नहीं कर रहा। तो ये दिल्ली वासियों के खिलाफ साजिश नहीं है तो और क्या है? तो मैं माननीय अध्यक्ष जी ये कहूंगा कि राजनीति करनी है तो सही तरीके से कीजिए। इस तरह दिल्ली वासियों को परेशान करके, अगर आप उनके पानी रोक कर। अभी पिछले तीन दिन तक मेरे त्रिलोक पुरी विधान सभा के अंदर जो यूजीआर है 23 ब्लॉक में, माननीय अध्यक्ष जी उसके अंदर पानी की कटौती कर दी गई। अधिकारियों से बताया गया, कोई भी उन्होंने सकारात्मक जवाब, कोई सन्तोषजनक जवाब नहीं दिया कि जी किस कारण पानी की कटौती की गई। जगह-जगह से गंदे पानी की शिकायतें वहां पर मिलने लगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से भी आग्रह करना चाहूंगा कि इसमें आप थोडा सा हस्तक्षेप करें। माननीय मंत्री जी, जल मंत्री जी आतिशी जी ब्लॉक नम्बर-36 के अंदर दो महीने पहले पहुंची थी जहां पर सीवर ओवरफ्लो हो रहे थे। तब जाकर एक ब्लॉक के अंदर केवल एक जगह काम किया। अभी आपको मैं बताना चाहूंगा ब्लॉक नम्बर ग्यारह के अंदर हालत ये है कि वहां पर लोग बीमार पड़ रहे है। एक भाई साहब मुझे फोन करके बताते है कि मैने अपने घर में भाई साहब खाना हम बना नहीं पा रहे हैं क्योंकि जहां किचन है अंदर तक टॉयलेट का पानी और वो गंदा मलमूत्र घुस गया है।

माननीय अध्यक्षः रोहित जी हो गया अब हो गया। प्लीज।

श्री रोहित कुमारः तो माननीय अध्यक्ष जी, मैं सदन से आग्रह करूंगा कि हमें ग़लतु में यहां पर खाली बैठने से कोई फायदा नहीं है। खाली तमगा लेकर विधायक का, घूमने से कोई फायदा नहीं है यदि हम अपने लोगों के लिए काम नहीं करा पायें। तो ये बड़े मैं वेदना के साथ में ये बातें कह रहा हूं, बड़े दुख के साथ बात कह रहा हूं कि अधिकारियों से बात की जाए और उनसे जवाब लिया जाये कि आखिर क्यों काम नहीं हो पा रहा है। वो कौन लोग जिम्मेदार हैं जो ठेकेदारों की पेमेंट के ऊपर सांप की कुंडली मार कर बैठे हुए थे जो पेमेंट जिन्होंने रोकी हुई थी एक साल से जिसकी वजह से वो हड़ताल पर जाने को मजबूर हुए हैं। उसकी जांच होनी चाहिए और उसकी एक कमेटी बनकर मैं कह रहा हूं कि जांच होनी चाहिए कि सारे तमाम विधायक साथी भी इस बात से सहमत होंगे कि इसकी एक कमेटी बननी चाहिए। इसकी जांच होनी चाहिए। कौन अधिकारी है और उनको उनके अन्जाम तक पहुंचाया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः अखिलेशपति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने 280 में मेरी विधान सभा का अति महत्वपूर्ण विषय उठाने का मौका दिया है। ये विषय दिल्ली के बहुत सारे शहरी एरिये से सम्बन्धित है। दिल्ली में जो पिछली भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी नगर निगम में, उन्होंने पूरे दिल्ली में जगह-जगह तबेले बनवा दिये। पूरे सड़कों को तबेला बना दिया और कुछ काम नहीं किया। अब हमारी सरकार आई है साफ

सफाई में बहुत सुधार हुआ है दिल्ली नगर निगम में। तो अब लोग उम्मीद करते हैं कि जो गायों की समस्या है आज रोडों पर गायों का कब्जा हो गया है, भैसों का कब्जा हो गया है। जगह-जगह पर रोज लोगों के ऊपर ये जानवर हमलावर हो रहे हैं । कई एक्सीडेंट हो रहे हैं उनकी वजह से और हमारे कई गांवों में स्थिति ये है कि सीवर आये दिन उनके गोबर से भर जाता है और सीवर चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। जैसा अभी रोहित भाई बता रहे थे पूरी दिल्ली की ये हालत है कि सीवर में जानबूझकर एक साजिश के तहत जो है सीवर को साफ नहीं किया जा रहा है। इस पर संज्ञान तो आप ले ही रहे हैं लेकिन ये गाय की समस्या। जैसे ही मैं परसों ये 280 का विषय दिया माननीय विधान सभा के पटल पर, हमारे क्षेत्र में कल आठ गाडियां लगा करके उनको उठा करके आई वॉश करने का काम किया गया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इसी सदन ने आवारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए, आवारा कुत्तों से निजात दिलाने के लिए एक कमेटी भी बनी थी। इस पर समिति का रिपोर्ट भी प्रस्तुत हो और मुझे लगता है कि इस पर संजिदा तरीके से सदन को काम करने की जरूरत है कि पूरी दिल्ली में लोग बहुत परेशान है। मतलब इस तरीके से कालोनियों के अंदर जगह-जगह गोबर कर देते हैं ये और जगह-जगह और इतना बड़ा नैक्सस है इनका अगर कोई बोलने की कोशिश करता है तो उनके ऊपर हमला भी करते हैं ये लोग। मैं समझता हूं कि सारे सदस्य इस बात से सहमत हैं कि एमसीडी के कमिश्नर को बुलाया जाना चाहिए और पूछना चाहिए कि कब तक ये गायों की समस्या जो

शहरी एरिये में गाय हैं उससे निजात कब मिलेगा। शहरी एरिये में जो अवैध डेयरियां चल रही हैं, जो चलनी नहीं चाहिए वो कब तक सील करके, बंद करके जो है दिल्ली के लोगों को इससे निजात दिया जायेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, आपने अति महत्वपूर्ण विषय हमें उठाने का मौका दिया। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अन्तिम श्री नरेश यादव जी।

श्री नरेश यादवः धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे मेरे क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, मेरी महरौली विधान सभा के अंदर शहरी क्षेत्र में वसन्त कुंज एरिया आता है जो काफी बड़ा एरिया है। अध्यक्ष जी, लगभग बीस हजार फ्लैट्स हैं उसमें और लगभग पचास हजार से ज्यादा की आबादी वहां पर है। अध्यक्ष जी, एक प्लांड सिटी है और पानी भी वहां पर बिल्कुल प्लानिंग से ही दिया जाता है। उसके लिए अलग यूजीआर बनाया गया है। अध्यक्ष जी, हाल ही में अचानक सैक्टर-ए, पॉकेट-ए, जहां लगभग ढाई सौ से तीन सौ फ्लैट्स हैं वहां पानी बंद हो गया। और पिछले तीस से चालीस दिनों के अंदर लगातार दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों से मैं बोल चुका हूं, सम्पर्क कर चुका हूं। हर तरह से कम्पलेंट दे चुका हूं। लेकिन अभी तक वो वहां पानी नहीं दे पाये हैं। तो अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं माननीय उपाध्यक्ष जी हमारे सोमनाथ भारती जी जो दिल्ली में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं जल बोर्ड में, उनसे मैं अनुरोध करूंगा कि जो हमारे क्षेत्र के अधिकारी हैं, जो एक्सईन है, एई, जेई हैं वो कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहे हैं इस समस्या के लिए क्योंकि ये समस्या

अचानक आई है। आप सोचिये जी प्लांड सिटी है और वहां फ्लैट्स वाले लोग हैं, कहां से वो पानी अपने चौथी मंजिल पर चढायेंगे। तो आपके माध्यम से ये मैं अर्जेंट बेसिस पर ये मुद्दा उठाया है। सर इसका संज्ञान लें और जल्दी से जल्दी सैक्टर-ए, पॉकेट-ए वसंत कुंज में पानी देने का कष्ट करें। धन्यवाद। जय हिंद।

माननीय अध्यक्षः श्री संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। मेरी विधान सभा में most of the unauthorised colonies से बसा हुआ विधान सभा है। तो अन-ऑथोराईज्ड कालोनी के बीच में अगर कोई कहीं कोई प्लाट्स में लोगों नें फ्लैट्स बना दिये और जब फ्लैट्स बना दिये तो फिर उनको चारों तरफ से घेर लिया ताकि कोई क्राइम ना हो पाये और उसका कुछ नाम रख दिया। अब मान लीजिए किसी को बीस फ्लैट्स को घेर कर आदर्श सोसाईटी रख दिया नाम। अब चूंकि वो कहते हैं कि सोसाईटीज है। सोसाईटीज में फिर हम उसको पानी देने की प्रक्रिया, सीवर देने की प्रक्रिया। तो सोसाईटी में जो प्रक्रिया है उसके तहत होगा। अब चूंकि सोसाईटी के नार्म्स को वो पूरा नहीं करता। जो सोसाईटी के नार्म्स को पूरा नहीं करता तो उसमें ना तो हम उसको पानी दे पा रहे हैं, ना सीवर दे पा रहे हैं, ना उसको सड़क बनवा पा रहे हैं। तो मैं आपके माध्यम से ये ही निवेदन करना चाहता हूं कि उसके लिए भी कोई पॉलिसी बने। क्योंकि वो सोसाईटी नहीं है, लोगों ने अपना दस, बीस, पच्चीस मकान को घेर करके और बाउंड्री करके उसका कुछ नाम रख दिया हुआ है। तो अब चूंकि वो घेर दिया तो वो अन-ऑथोराईज्ड

कॉलोनी के डेव्लपमेंट के बाहर वो हो जाता है। तो ऐसे में वो लोग बहुत परेशान है। अब उसको इंफ्रा चार्ज लग जाता है। इन्फ्रा चार्ज देने की कैपेसिटी में नहीं है वो और वो कई हजार इंफ्रा चार्ज है। तो मुझे लगता है कि अगर उसके लिए जो अन-ऑथोराईज्ड कालोनी की पालिसी है, उसी पॉलिसी के तहत उसको हम बिजली कनैक्शन या बाकी चीजें दे पायें ताकि वर्षो से वो लोग अब कई लोग या तो इलिगल पानी पी रहे है या पानी नहीं पी पा रहे हैं, या खरीद कर पानी पी रहे हैं। तो जितनी भी हमारी अन-ऑथोराईज्ड कालोनी की डेब्ल्पमेंट का जो प्रक्रिया है उस प्रक्रिया से वो वंचित रह जाते हैं। तो जल बोर्ड उसको लेकर एक पॉलिसी बनाये ताकि उन तमाम लोगों को बिजली, पानी व तमाम सुविधाएं जैसे ओथोराईज्ड कालोनी में मिल पाती है, ऐसे ही उनको मिल पाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सदन पटल पर पस्तुत किये जाने वाले कागजात। अब श्री सौरभ भारद्वाज जी माननीय मंत्री अपने विभाग से सम्बन्धित कार्यसूची के बिन्दू क्रमांक दो के उप बिन्दू एक में दर्शाये गए दस्तावेजों की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करेंगे।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री सौरभ भारद्वाज): अध्यक्ष महोदय मैं अपने विभाग इण्डस्ट्रीज और एजूकेशन विभाग शिक्षा विभाग की भी रिपोर्ट जो है यहां पर आपके सामने आपकी इजाजत से प्रस्तुत करूंगा। तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची के बिन्दू क्रमांक दो के उप बिन्दू एक और दो में दर्शाये गए दस्तावेजों को इस सदन के पटल पर प्रस्तुत करता हूं।

माननीय अध्यक्षः दूसरा और अब श्री सौरभ भारद्वाज जी..

माननीय उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष जी दोनों, एक और दो दोनों। शिक्षा विभाग के और इण्डस्ट्रीज डिपार्टमेंट, दोनों के ही मैं प्रस्तुत कर रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः हाँ उसको पढ़ दीजिए। बिन्दू क्रमांक दो के उप बिन्दू दो में दर्शाये गए।

माननीय उद्योग मंत्रीः जी सर। सो अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची के बिन्दू क्रमांक दो के उप बिन्दू एक और उप बिन्दू दो में दर्शाये गए दस्तावेजों की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करता हूं।

1. दस्तावेजों की प्रतियांः-

i) दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वर्ष 2009-10 से 2018-19 हेतु वार्षिक लेखों पर नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन सहित कृत्य कार्रवाई प्रतिवेदन (हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति)[1]

ii) दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का वर्ष 2021-22 हेतु 8वां वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[2]

iii) डॉ बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के वर्ष 2020-21 हेतु वार्षिक लेखे सहित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति)[3]

---

[1] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23256(1-3) पर उपलब्ध।
[2] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23257 पर उपलब्ध।
[3] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23258(1-2) पर उपलब्ध।

iv) गुरू गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 हेतु वार्षिक लेखे सहित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवदेन (हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति)[4]

2. दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 हेतु वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियां (हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति)।[5]

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। यह सदन दिनांक 15 फरवरी, 2024 को सदन में प्रस्तुत कार्यमंत्रणा की कार्यमंत्रणा समिति के छठे प्रतिवेदन से सहमत है। राखी बिरला, दिलीप कुमार पाण्डेय जी प्रस्ताव करेंगे।

श्री दिलीप कुमार पाण्डेयः अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि ये सदन दिनांक 15 फरवरी 2024 को सदन में प्रस्तुत कार्यमंत्रणा समिति के छठे प्रतिवेदन से सहमत है।

माननीय अध्यक्षः यह प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इस के पक्ष में हैं वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं वे न कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता,

प्रस्ताव पास हुआ।

---

[4] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23258(1-4) पर उपलब्ध।

[5] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23260(1-2) पर उपलब्ध।

माननीय अध्यक्षः उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव। अब माननीय मंत्री श्री गोपाल राय जी उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

माननीय पर्यावरण मंत्री (श्री गोपाल राय): माननीय अध्यक्ष महोदय, कल दिल्ली विधान सभा के बजट सत्र की शुरूआत में सदन को संबोधित करते हुए दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें दिल्ली के अंदर दिल्ली के मुख्यमंत्री माननीय अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में सरकार ने जिस तरह से अलग-अलग क्षेत्रों में नये नये कामों के कीर्तिमान को स्थापित किया। माननीय उप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण ने यहां सदन के माध्यम से पूरी दिल्ली के लोगों के समक्ष एक संदेश देने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष महोदय, वैसे तो हर साल जब बजट सत्र होता है दिल्ली के माननीय उप राज्यपाल महोदय अपना अभिभाषण प्रस्तुत करते हैं और हर साल की तरह इस बार भी चाहे वो शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, चाहे अर्थव्यवस्था का क्षेत्र हो, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, चाहे बुनियादी ढांचे का क्षेत्र हो, चाहे महिला सुरक्षा का प्रश्न हो, चाहे बिजली का हो, पानी का हो, सार्वजनिक प्रणाली का हो, प्रदूषण का हो, दिल्ली के जुड़े हुए हर मसले पर सरकार निरंतर जिस तरह से उत्तरोतर अपने काम की गति को आगे बढ़ा रही है उसका एक संक्षिप्त लेखजोखा कल माननीय उप राज्यपाल महोदय ने सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस बार का अभिभाषण और पिछले एक साल के सरकार के कामकाज का महत्व

इसलिये कई गुना बढ़ जाता है कि दिल्ली के अंदर दिल्ली केंद्र शासित राज्य होने के कारण पहले से ही इसके अधिकार क्षेत्र में केंद्र शासित राज्य का जो कौमा था वो पहले से लगा हुआ था। लेकिन अध्यक्ष महोदय, भारतीय राजनीति के इतिहास में दिल्ली की विधान सभा, दिल्ली की चुनी हुई सरकार के अधिकारों को जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के पांच सदस्यीय जजों के फैसले को भी पलटते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के संचालन और काम करने के अधिकार का जिस तरह से अंग्रेजों की हड़प नीति के तहत अतिक्रमण किया, पार्लियामेंट के अंदर कानून पास करके पहले आर्डिनेंस के माध्यम से, फिर कानून बना करके दिल्ली की सरकार को पैरालाईज करने के लिये, ठप्प करने के लिये कानून का भी सहारा लिया गया। अध्यक्ष महोदय, न सिर्फ कानून का बल्कि दिल्ली के अंदर केंद्रीय एजेंसियों, ईडी और सीबीआई के द्वारा जिस तरह से आज दिल्ली के हर काम को ठप्प करने के लिये, सरकार को ठप्प करने के लिये निराधार गिरफ्तारियां की जा रही हैं, जिस तरह से दिल्ली के अंदर हर उस काम को जिसको सारे चक्रव्यूह के बाद रोका नहीं जा सकता, उसको एक जांच के बहाने सीबीआई को भेजा जा रहा है, हर काम को ठप्प किया जा रहा है, पूरे अधिकारियों को डराया जा रहा है, धमकाया जा रहा है, जो भी काम करना चाहता है अधिकारी उसको उसकी जिंदगी पर, उसकी नौकरी पर संकट का नये नये तरह के दबाव बनाये जा रहे हैं। ऐसे दौर में जब केंद्र की सरकार दिल्ली की सरकार को पूरी तरह से घेर करके चक्रव्यूह में ठप्प करना चाहती है, ऐसे दौर में अगर दिल्ली के अंदर काम की गति को आगे

बढ़ाने का पिछले साल अगर नये नये कीर्तिमान स्थापित हुए हैं तो ये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूरी दिल्ली सरकार और लेफ्टिनेंट गवर्नर महोदय के इस अभिभाषण के लिये मैं उनको तहेदिल से धन्यवाद करना चाहता हूं कि सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में काम करने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, पूरे देश के अंदर आज कहीं भी जाईये देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी एक बात जरूर कहते हैं डबल इंजन की सरकार, डबल इंजन की सरकार, डबल इंजन की सरकार। माननीय अध्यक्ष महोदय, हमें जितनी जानकारी है हमारी सरकार तो अब सिंगल इंजन की भी नहीं बची। जो उसका इंजन था उसका एक चक्का इधर छीन के ले गये और एक चक्का उधर छीन के ले गये, आधी भी सरकार नहीं है। लेकिन हमें इस बात का फक्र है कि इस देश के अंदर देश के किसी भी राज्य में डबल इंजन की सरकार जो नहीं कर सकती आज आधा इंजन की सरकार भी अपने हिम्मत के दम पर, अपने विश्वास के दम पर, अपनी कमिटमेंट के दम पर आज दिल्ली के अंदर नया कीर्तिमान स्थापित कर रही है अध्यक्ष महोदय। दिल्ली के अंदर 21 परसेंट शिक्षा का बजट है। कंप्लेंट पर कंप्लेंट, कंप्लेंट पर कंप्लेंट सीबीआई जांच की, एक जांच की, दो जांच की, तीन जांच, उनको भी नहीं पता कितनी जांच करायेंगे तब भी ठप्प होगा ये शिक्षा का जो क्रांति का अभियान है। शिक्षामंत्री जिसको आप सब जानते हैं मनीष सिसोदिया जी को जेल के अंदर बंद किया गया क्योंकि पूरे देश के अंदर जो शिक्षा का चक्र भारत के अंदर ठप्प कर दिया गया था, इस देश के अंदर सरकारी स्कूल में पढ़ाई करने का मतलब

वो परिवार मजबूर है। किसी सर्टिपिफकेट की जरूरत नहीं है। अगर शादी–ब्याह के दौरान सामाजिक तानेबाने में लोग एक दूसरे के यहां जाते हैं, पूछते हैं आपका बच्चा कहां पढ़ता है क्योंकि किसी परिवार में जाओ बच्चे आ जाते हैं, बच्चे से बातचीत बच्चा क्या करते हो, पढ़ते हैं, कहां पढ़ते हो, अगर उस परिवार की जुबान से निकल गया परिवार मां बाप तो छुपाते हैं लेकिन अगर बच्चे की जुबान से निकल गया सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं फिर उस परिवार की सारी मर्यादा, सारी आर्थिक क्षमता, सारी व्यवस्था, सारा तानाबाना सब कुछ उसी बात से नाप लिया जाता है कि अगर इस परिवार का बच्चा सरकारी स्कूल में पढ़ता है इसका मतलब ये है कि इस परिवार की स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि आज देश के किसी भी कोने में सरकारी स्कूल में बच्चे को पढ़ाने का मतलब है कि उसकी जिंदगी, उसके भविष्य को बर्बाद करना यानि बच्चे के भविष्य को भी ठीक करने की क्षमता नहीं है उस परिवार की। अध्यक्ष महोदय, केंद्र के सारे दिल्ली सरकार को नेस्तनाबूद करने के बुलडोजर का मुकाबला करते हुए दिल्ली की सरकार ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया दिल्ली के अंदर, ये फैसला लिया कि दिल्ली के अंदर अगर दिल्ली को आगे बढ़ाना है तो दिल्ली के बच्चों को आगे बढ़ाना है और हमें इस बात का फक्र है कि आज पूरे देश के अंदर सभी सरकारों के सामने एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है कि अगर आज पूरे देश में मजबूरी का नाम सरकारी स्कूल है तो आज दिल्ली के अंदर गर्व और मान–सम्मान का मॉडल आज सरकारी स्कूल बन गया है, आज दिल्ली के अंदर सरकारी स्कूल में बच्चा पढ़ता है

तो लोगों को बताने में फक्र महसूस होता है। और वो ऐसे नहीं हो रहा अध्यक्ष महोदय, इनके सारे तीनतिकड़म के बावजूद हर साल निरंतर दिल्ली के जो सरकारी स्कूलों के जो परीक्षा के परिणाम आ रहे हैं आज वो परिणाम बता रहे हैं कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों का जो रथ निकला था दिल्ली के शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया जी के नेतृत्व में, वो जेल के अंदर उनके जाने के बावजूद भी वो शरीर उनकी जेल के अंदर है आत्मा आज भी दिल्ली के सरकारी स्कूलों को आगे बढ़ाने में बसती है और उनकी उस मनोकामना को ये पूरी सरकार आगे बढ़ा रही है और आगे भी बढ़ाती रहेगी। ये आज जो दिल्ली के अंदर हुआ है शायद आज देश के अंदर कोई भी राज्य करने की स्थिति में नहीं है चाहे डबल इंजन नहीं, ट्रिपल इंजन भी चला लो दिल्ली का जो रथ है सरकारी स्कूलों को ठीक करने का, शिक्षा व्यवस्था को ठीक करने का, आज आधा, अब चौथाई कर दो, तब भी ये रथ रूकने वाला नहीं है अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर स्वास्थ्य सेवाओं को ठप्प करने के लिये, शिक्षा व्यवस्था को ही ठप्प करने के लिये सीबीआई के दौरे गये। पहले उपर से डंडा चलता है फिर अधिकारियों से रोक दो, ठप्प कर दो, जब कुछ भी नहीं होता है तो एक कंप्लेंट भेज दो सीबीआई के यहां, फाईल सारी मंगा लो अधिकारियों से। एक कदम आगे बढ़ाया तो जेल जाना पड़ेगा। शिक्षा व्यवस्था को ठप्प करने की तरह ही स्वास्थ्य व्यवस्था को ठप्प करने के लिये भी लगातार कोशिशें हुईं। दिल्ली की सरकार के मंत्री लगातार कहते रहे कि इन अधिकारियों को हटाओ जो काम नहीं कर रहे। दिल्ली सरकार के अंदर

मोहल्ला क्लिनिक के अंदर दवाईयों को रोक दिया गया, मोहल्ला क्लिनिक के अंदर लगातार ये दबाव बनाया जा रहा है कि किसी तरह से जो हास्पिटल का सिस्टम ठीक हुआ है ये बंद हो लेकिन अध्यक्ष महोदय हमें इस बात की खुशी है कि ना सिर्फ दिल्ली के अंदर 537 मोहल्ला क्लिनिक आज चल रहे हैं। इनके सारे तीन तिकड़म के बावजूद आज दिल्ली देश का पहला राज्य बन चुका है जहां 15 से ज्यादा स्पेशल महिला मोहल्ला क्लीनिक खोले गए हैं ये इनकी सारी बाधाओं को पार करके। दिल्ली के अंदर आज पांच नए अस्पताल बनने जा रहे हैं पिछले साल के दौरान अस्पतालों के रिमॉडलिंग का अभियान आगे बढ़ रहा है इनके सारे तीन तिकड़म के बावजूद 12 हजार से अधिक बिस्तर को दिल्ली के स्वास्थ्य सेवाओं में जोड़ने का अभियान आगे बढ़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, जब भी इस बात को सोचना, जैसे एक सामान्य बच्चा जब खेल के मैदान में जाता है और एक शारीरिक रूप से चैलेंज बच्चा खेल के मैदान में जाता है, दोनों के मापने का पैमाना अलग होता है। आज डबल इंजन की सरकार दिल्ली को ठप्प करने की ताकत लगा रही है और आधी इंजन की सरकार अपने सारे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ताकत लगा रही है। तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आज दिल्ली के अंदर जिस तरह से दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को, आज ये सच्चाई है अध्यक्ष महोदय उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है, हरियाणा में भाजपा की सरकार है लेकिन आज दिल्ली के अस्पतालों में आज की तारिख में भी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अंदर वो स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पाईं, वहां के लोग हरियाणा और उत्तर प्रदेश की

भाजपा की सरकार के अस्पतालों में इलाज कराने से बेहतर समझते हैं कि किसी तरह से दिल्ली सरकार में वहां के अस्पतालों में पहुंच जाओ, जिंदगी बच जाएगी। अगर हमारे जेब में पैसा नहीं है इसलिए जिंदगी से हाथ नहीं छोड़ना पड़ेगा आज दिल्ली के अंदर इस बात की गारंटी है कि आपके जेब में पैसा है या नहीं है अगर आपका बेटा बीमार है, अगर आपकी मां बीमार है तो आपके इलाज करने की गारंटी है और वो दिल्ली के अंदर है। अध्यक्ष महोदय, ये तमाम बाधाओं को पार करके दिल्ली के अंदर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सरकार ने काम किया है। अध्यक्ष महोदय सबसे बड़ी बात है पूरे दुनिया के अंदर बहुत सारी अर्थव्यवस्थाएं हैं जो लगातार चरमरा रही हैं। अब ये लगातार खबर आ रही है कि चाइना के अंदर भी अर्थव्यवस्था में ठहराव की स्थिति पैदा हो रही है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था लगातार रोजाना नई नई चुनौतियों से जूझ रही है। भारत की जो अर्थव्यवस्था को लेकर के लगातार ये बात आ रही है अर्थ शास्त्रियों के माध्यम से कि कई बार आंकड़ों की जालसाजी करके सरकार अपने चेहरे को छुपाने की कोशिश कर रही है लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमें इस बात की खुशी है कि देश के अंदर रेवड़ी बांटने वाला राज्य दिल्ली जिसको लेकर के पूरे देश के अंदर माननीय नरेंद्र मोदी जी उस देश के प्रधानमंत्री हैं पूरे देश में जाकर के भाषण देते हैं ये केजरीवाल रेवड़ियां बांटता है, रेवड़ियां बांटता है, रेवड़ियां बांटता है।ये रेवड़ी बांटो राज ने एक इतिहास बना दिया, जनता को खुले दिल से सबकुछ दिया लेकिन पूरे देश का जो आज की तारीख में सकल घरेलू उत्पादन है 7 परसेंट है अध्यक्ष महोदय। दिल

खोल के जनता के लिये काम करने के बावजूद पूरा देश 7 परसेंट पर अटका है, डबल इंजन की सरकार 7 परसेंट पर अटकी है और ये खुले दिल से जनता के लिये काम करने वाला केजरीवाल की सरकार 9 परसेंट से भी ज्यादा आज अपना सकल घरेलू उत्पादन कर रही है। अध्यक्ष महोदय, ये छोटी बात नहीं है। बात दिल्ली की है लेकिन इसके अंदर भविष्य के भारत का अर्थशास्त्र छिपा हुआ है। अगर दिल्ली के अंदर सब को सारी सुविधायें देने के बावजूद अगर दिल्ली की अर्थव्यवस्था मुनाफे में जा सकती है, अगर दिल्ली का सकल घरेलू उत्पादन राष्ट्रीय पैमाने से दो परसेंट ज्यादा हो सकता है, आप सोचो अगर इसी अर्थव्यवस्था के फार्मूले को देश के स्तर पर लागू कर दिया जाए तो न सिर्फ भारत के लोग खुशहाल होंगे बल्कि दुनिया के अंदर, केवल नारा लगाने से नहीं, दिल्ली का जो इकोनॉमिक मॉडल हैदेश के अंदर लागू करने से दुनिया का नंबर-1 देश भारत बन सकता है, इसके अंदर ये भी ताकत छिपी हुई है जो प्रयोग आज दिल्ली के अंदर किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर महिलाओं की सुरक्षा को लेकरके हम सब जानते हैं दिल्ली पुलिस का क्या रिकार्ड है। दिल्ली के अंदर अपराध के ग्राफ में भारत के अंदर दिल्ली लगातार नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है लेकिन दिल्ली की पुलिस एक नोटिस लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री के यहां रात में बैठती है, सुबह फिर पहुंच जाती है, दोपहर फिर पहुंच जाती है, शाम को फिर पहुंच जाती है लेकिन उसे महिलाओं की सुरक्षा की चिंता नहीं है। अध्यक्ष महोदय, विपरीत परिस्थितियों

में अधिकारों के हनन के बावजूद, अधिकारहीन होने के बावजूद देश का पहला राज्य दिल्ली है जहां पर राज्य सरकार के पास पुलिस नहीं है लेकिन दिल्ली के अंदर ये दिल्ली सरकार के कमिटमेंट, दिल्ली के मुख्यमंत्री के इरादों, उनकी नीतियों की स्पष्टता का परिणाम है कि दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए आज पूरे दुनिया के अंदर जो सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं उसमें आज दिल्ली ने एक रिकार्ड बनाया है, 1 लाख 35 हजार से ज्यादा आज दिल्ली के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। हमें याद है ये वही सीसीटीवी कैमरे हैं जिनके लिए हमें सड़कों पर उतरना पड़ा था। लेकिन हमें इस बात की खुशी है अध्यक्ष महोदय दिल्ली में एक ऐसा मुख्यमंत्री चुना है जिसने एक संकल्प लिया है, 'न रूकेंगे, न झुकेंगे, काम चाहे सदन से हो, चाहे सड़क से हो, जनता के लिए काम करते रहेंगे,' इस कमिटमेंट का परिणाम है कि आज लगातार हमारा सारा विपरीत परिस्थितियों के बाद काम आगे बढ़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर पहले दिन से इस बात का दर्द है केंद्र सरकार को कि दिल्ली के अंदर लोगों को बिजली का बिल जीरो क्यूं आता है अध्यक्ष महोदय, ये छोटी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस पूरे दुनिया में, ब्रह्मांड में सूर्य देवता एक ऐसा अपना आर्शीवाद लेकर आते हैं प्रकाश फैलाने का जिनके लिए अमीर, गरीब, हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, स्त्री, पुरूष, उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम कोई मायने नहीं रखता। सूर्य का प्रकाश सबके लिए बराबर होता है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली देश की एक राजधानी एक ऐसी सरकार के साथ काम

कर रही है, दिल्ली के अंदर आज चाहे कोई अमीर हो, चाहे कोई गरीब हो, चाहे हिंदू हो या मुस्लमान हो, सिख हो या ईसाई हो, एक ऐसा राज्य है, एक तो वो ऊपर वाले सूर्य देवता सबके यहां रोशनी फैलाते हैं लेकिन दिल्ली में एक केजरीवाल हैं जो सबके घरों में रोशनी पहुंचाता है। जहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती वहां पर अगर उजाला होता है तो आज अरविंद केजरीवाल की सरकार के कारण होता है। पैसा नहीं है इसलिए उसके घर में अंधेरा नहीं है। आज अगर दिल्ली के अंदर पैसा आपके अंदर है या नहीं है इस बात से अंधेरा नहीं तय होता। अरविंद केजरीवाल की सरकार है तो आज दिल्ली के हर घर में उजाला था, है और रहेगा, ये छोटी बात नहीं है, अध्यक्ष महोदय।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर परिवहन व्यवस्था में जिस तरह से कई बार मैं सुनता रहता हूं विपक्ष के साथी कहते हैं बसों की कमी हैं, बसों की कमी हैं। पहली बार ऑन रिकार्ड अध्यक्ष महोदय कहना चाहता हूं, दिल्ली के अंदर आज की तारीख में सात हजार एक सौ बसें सड़क पर हैं। दिल्ली में आज तक किसी की भी सरकार रही हो दिल्ली में कभी भी सात हजार से ज्यादा बसें सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में नहीं रहीं, एक नया रिकार्ड बनाया। और उन बसों में से भी 1650, डेढ़ हजार से ज्यादा बसें आज इलेक्ट्रिक बसें हैं। अभी जब सितंबर, अक्टूबर, नवंबर के महीने में जब प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा था, हमने देखा कि आखिर दिल्ली के चारों तरफ जो हॉट-स्पॉट है, आनंद विहार में इतना पॉल्यूशन क्यूं बढता है, जब मैं उसकी तहकीकात में गया तो अध्यक्ष महोदय हमें पता चला कि पूरे उत्तर प्रदेश से, राजस्थान

से, हरियाणा से जितनी बसें आती हैं सारी बीएस-4 की बसें हैं, डीजल की बसें आती हैं। कई बार भारतीय जनता पार्टी के नेता कहते हैं ये जो इलेक्ट्रिक बसें आ रही हैं ये इलेक्ट्रिक बसें केंद्र सरकार के पैसे से आ रही हैं। अरे दिल्ली छोड़ो, दिल्ली में तो अरविंद केजरीवाल की सरकार है, उत्तर प्रदेश में तुम्हारी सरकार है, हरियाणा में तुम्हारी सरकार है, केंद्र सरकार में तुम्हारी सरकार है, वहां 5 सौ तो इलेक्ट्रिक बसें लाकरके दिखा दो, यहां डेढ़ हजार से ज्यादा आज इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर दौड़ रहीं है अध्यक्ष महोदय, ये छोटी बात नहीं है।

आज उसका परिणाम है ये अध्यक्ष महोदय जिस तरह से दिल्ली के अंदर प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में काम हुआ। अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनी, 2015 में इस दिल्ली के अंदर 365 दिनों में से केवल 109 दिन थे जिसमें दिल्ली की हवा अच्छी होती थी। अध्यक्ष महोदय, अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनने के बाद लगातार इस पर काम होना शुरू हुआ। धीरे-धीरे, धीरे-धीरे करते-करते, करते-करते आज पिछला साल जो गुजरा है जबकि साइंटिस्टों का कहना है कि पिछला नवंबर से लेकर जनवरी तक मौसम में जिस तरह का परिवर्तन देखा गया है ये पहली बार नेगेटिव मानदंड स्थापित हुए हैं जिसमें ठंड बढ़ने के साथ-साथ हवा की गति एकदम से ठहर गई। लेकिन उन सारी विपरीत परिस्थितियों के साथ सदन को मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है, 2015 में जो केवल दिल्ली के लोगों को जिंदगी जीने के लिए सांसे, 109 दिन अच्छे थे, धीरे-धीरे काम करते-करते पिछले साल 109 से 206 दिन, लगभग दो गुणा ज्यादा

365 दिनों में से अच्छी हवा दिल्ली के लोगों को मिली है और अध्यक्ष महोदय लगातार उस पर सरकार काम कर रही है।

हमें भरोसा है कि दिल्ली के प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए जिस तरह से यहां पर वृक्षारोपण का अभियान चल रहा है, हम सभी माननीय सदस्यों का भी धन्यवाद करना चाहते हैं, जिस तरह से संजीदगी के साथ सबने कोआपरेट किया, पिछले चुनाव के दौरान अध्यक्ष महोदय 4 साल पहले जब दिल्ली विधान सभा का चुनाव हुआ था, दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली के लोगों को 10 गारंटी दी थी, अब तो आजकल बहुत सारे गारंटी बांटने वाले निकल आयें लेकिन तब केवल हिम्मत थी गारंटी देने की, काम की तो उसका नाम अरविंद केजरीवाल था। अरविंद केजरीवाल ने 10 गारंटियां दी थी उसमें से एक गारंटी थी अगले 5 साल में 2 करोड़ पौधे लगाये जाएंगे दिल्ली के अंदर। अध्यक्ष महोदय, हमें इस बात फक्र है अभी एक साल बाकी है लेकिन 2 करोड़ पौधे लगाने का काम 4 साल में इस सरकार ने पूरा कर लिया है और एक साल में हम और पौधे लगाने के मिशन की तरफ बढ़ रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, उसका परिणाम क्या है, आज दिल्ली के अंदर, देश के अंदर जो सबसे बड़े- बड़े महागनर हैं उनमें सबसे ज्यादा हरित क्षेत्र आज दिल्ली के अंदर विकसित हो चुका है। नेशनल मानक के अनुसार किसी भी राज्य का जिनता क्षेत्रफल है उसका 20 परसेंट ग्रीन होना चाहिए। आज दिल्ली के अंदर हमने धीरे-धीरे करके 20 परसेंट से ज्यादा आज 23.6 परसेंट दिल्ली का ग्रीन क्षेत्र बढ़ाया है। इस ग्रीन क्षेत्र बढ़ाने

का परिणाम हुआ है कि प्रदूषण कम हा रहा है पूरे साल में। दिल्ली के अंदर जो इलेक्ट्रिक बसों का, इलेक्ट्रिक गाड़ियों का जो कारवां बढ़ रहा है उसका परिणाम हो रहा है कि प्रदूषण कम हो रहा है।

अध्यक्ष महोदय, हम कहना चाहते हैं कि इन विपरीत परिस्थितियों में अगर आधे इंजन की सरकार इतना कर सकती है, एक बार सोचकर देखो जिस दिन दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी की सरकार होगी और केंद्र में भी आम आदमी की सरकार होगी, जिस दिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार होगी, अगर आधे इंजन की सरकार इतना कर सकती है तो अरविंद केजरीवाल के डबल इंजन की सरकार इस मुल्क की तकदीर और तस्वीर को कैसे बदलेगी इसका अंदाजा कल जो एक लेखाजोखा संक्षिप्त में माननीय उप–राज्यपाल महोदय ने सदन के सामने रखा उसमें वो छिपा हुआ है। वो कहते हैं बरगद का पेड़ कितना विशालकाय होगा उसका सारा आकार–प्रकार एक छोटे से बीज में छिपा होता है।

अध्यक्ष महोदय, विपरीत परिस्थितियों में नए सृजन और नए संकल्प के साथ नए रिकार्ड बनाने का जो काम अरविंद केजरीवाल की सरकार कर रही है, डबल इंजन सरकार के ड्राइवर महोदय सोचते थे कि अरविंद केजरीवाल के साथी सत्येन्द्र जैन को जेल में डाल देंगे इंजन ठप्प हो जाएगा, मनीष सिसोदिया को जेल में डाल देंगे इंजन ठप्प हो जाएगा, संजय सिंह को जेल में डाल देंगे इंजन ठप्प हो जाएगा, अरविंद केजरीवाल को जेल में डालने की धमकी देंगे इंजन ठप्प हो जाएगा। इंजन ठप्प नहीं हो रहा है अध्यक्ष महोदय, ये इंजन एक नया प्रयोग

करके, तप–करके कुंदन बन रहा है, आज दिल्ली के अंदर विपरीत परिस्थितियों में काम कर रहा है। पूरी दुनिया भी अगर भारत के खिलाफ हो जाए, कल डबल इंजन की सरकार देश में बनती है अरविंद केजरीवाल की तो दुनिया भी मुखालफत में खड़ी हो जाए, तब भी ये भारत दुनिया का नंबर–1 देश बनेगा, उसका ये प्रयोग दिल्ली के अंदर हो रहा है और हमें खुशी है कि हमें उसमें सफलता मिल रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में आपकी अनुमति से यह प्रस्ताव प्रस्तुत करना चाहता हूं कि यह सदन दिनांक 15 फरवरी, 2024 को उप–राज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा को दिए गए भाषण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है। धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय सदस्य भी चर्चा में भाग ले सकेंगे। श्री कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी। माननीय उप–राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपने चर्चा में मुझे भाग लेने का मौका दिया और माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए एक शायरी कहकर अपनी बात शुरू करना चाहता हूं:

‘कि जिस दिन से चला हूं मेरी मंजिल पर नजर है,

कि जिस दिन से चला हूं मेरी मंजिल पर नजर है,

आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा,

और ये फूल मुझे कोई विरासत में नहीं मिले,

तुमने मेरे कांटों भरा ताज का बिस्तर नहीं देखा।'

तो अध्यक्ष जी माननीय मुख्यमंत्री जी का सफर दिल्ली की सुंदर नगरी झुग्गियों से शुरू हुआ और एक सपना, एक ख्वाब लेकर वहां से चलें कि कैसे गरीब, मजलूम लोगों की जो दिक्कतें थी, जो परेशानियां थी उनको दूर करना है। कैसे वहां से निकले कि दिल्ली के लोग जो बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से परेशान थे उन परेशानियों से उन्हें कैसे निकालना है। दिल्ली के लोग जो राशन माफियाओं से परेशान थे उन्हें उससे कैसे निकालना है। और सबने देखा कि आज जब 2024 में हम खड़े हैं तो 2024 में यहां पर आज ये सदन में मुझे कहते हुए गर्व हो रहा है, गर्व महसूस हो रहा है कि मुख्यमंत्री जी ने जो सुंदर नगरी झुग्गियों से शुरूआत की थी, जो वादे किये थे दिल्ली के लोगों को 24 घंटे बिजली देने का, दिल्ली के लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री देने का, दिल्ली के लोगों को पानी फ्री देने का, दिल्ली के गरीब बच्चे को, जो सरकारी स्कूलों की दुर्दशा थी, जहां गरीब का बच्चा पढ़ता था और पढ़ने के बाद उसका ये सपना होता था कि अगर मैं पढ़ लिख लूंगा सरकारी स्कूल में तो आईटीआई में एडमिशन ले लूंगा, कोई छोटा-मोटा कोर्स कर लूंगा, कुछ छोटा-मोटा काम कर लूंगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय 10 साल में परिस्थिति बदल गई। ईमानदार सरकार दिल्ली में आ गई। आम आदमी पार्टी की सरकार आ गई और एक ऐसी सरकार आ गई जिसने उस गरीब के बच्चे का वो सपना पूरा करने का काम किया कि आज वो गरीब का बच्चा जो आईटीआई में

जाने का सपना देखता था, आज वो आईआईटी और आईआईएम में भी जाने का उसका सपना पूरा होने लगा। आज वो आईएएस, पीसीएस बनने का सपना पूरा करने लगा है। आज वो गरीब बच्चा पढ़ाई करके विदेशों में पढ़ाई कर रहा है।

तो अध्यक्ष महोदय, लगातार जिस सपने के साथ, जिस विजन के साथ सरकार आई थी वो सरकार ने वो करके पूरा करने का काम किया। माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में दिल्ली के स्कूल शानदार हुए, जहां स्कूलों की दशा बहुत खराब होती थी, जहां पर हमारे बच्चे टॉयलेट तक यूज नहीं कर पाते थे, हमारी बेटियां टॉयलेट तक यूज नहीं कर पाती थीं, वो स्कूल अब शानदार स्कूल हो गये, शानदार भवन वाले स्कूल हो गये, शानदार पढ़ाई हो गई और वो शानदार पढ़ाई जब शुरू हुई तो सबसे पहला दुनिया में अगर किसी का नाम हुआ वर्ल्ड में तो वो दिल्ली के शिक्षा व्यवस्था का नाम वर्ल्ड के अंदर हुआ। और अभी माननीय मंत्री जी ने बताया कि जब शिक्षा का क्षेत्र आगे बढ़ने लगा, गरीब के बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने लगी तो भाजपा के लोगों को बड़ी टेंशन हो गई। उन्हें लगा कि दिल्ली जो आधा-अधूरा राज्य है उसने कैसे एजुकेशन में इतना काम कर लिया कि आज पूरे विश्व के अंदर उसकी चर्चा हो रही है। तो सबसे पहले जिन्होंने उस एजुकेशन पर काम किया था उन मनीष सिसोदिया जी को जेल में डालने का काम किया ताकि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था आगे न बढ़ पाये, ताकि दिल्ली के बच्चों के स्कूल और शानदार न हो पाए, उनको जेल में डालने का काम किया।

उसके बाद अगर दुनिया में किसी ने नाम कमाया तो मोहल्ला क्लिनिक ने कमाया। विदेशों के लोग भी दिल्ली को देखने के लिए आये कि कैसे दिल्ली के अंदर स्वास्थ्य व्यवस्था शानदार हो गई। कैसे दिल्ली के गली–गली, मोहल्ले–मोहल्ले में जहां दवाइयां नहीं मिल पाती थी, जहां लोगों को इलाज नहीं पाता था, इलाज बहुत महंगा था, कैसे वो आज गली–गली, मोहल्ले–मोहल्ले के अंदर मोहल्ला क्लिनिक खुल गये और उन मोहल्ला क्लिनिक के अंदर उनका इलाज होना शुरू हो गया। कैसे ये संभव हुआ कि दिल्ली के सरकारी अस्पताल शानदार हो गये, कैसे संभव हुआ कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के अंदर दवाइयां मुफ्त मिलने लगी, टेस्ट मुफ्त होने लगे, गरीब आदमी का पैसा बचने लगा और दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था शानदार होनी शुरू हो गयी। तो उन्होंने जिस स्वास्थ्य व्यवस्था का डंका पूरे विश्व में बजा दूसरी बार उन सत्येन्द्र जैन साहब को जेल में डालने का काम किया स्वास्थ्य मंत्री जी को। उनका मिशन था दिल्ली के काम को रोकना और हमारा मिशन था, मुख्यमंत्री जी का मिशन था कि दिल्ली के काम को आगे बढ़ाना, किसी भी परिस्थिति के अंदर कैसी भी परिस्थिति आ जाये, कैसा भी संकट आ जाये, दिल्ली के काम नहीं रूकने देंगे, दिल्ली के काम आगे बढ़ते रहें और दिल्ली के काम आगे बढ़ते रहें और आज दुनिया के अंदर दिल्ली का स्वास्थ्य मॉडल चर्चित है, आज दिल्ली के अंदर, देश के अंदर, दुनिया के अंदर दिल्ली के स्वास्थ्य मॉडल की चर्चायें हो रही हैं। उसके बाद आपने दिल्ली में देखा कि कैसे दिल्ली की जो डीटीसी को खटारा बताते थे, दिल्ली के जो

परिवहन सिस्टम को खटारा बताते थे, कैसे पूरी दुनिया के अंदर तीसरे नंबर पर लिफि्टंग परिवहन के मामले में दिल्ली दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गया। अगर भाजपा शासित कोई राज्य आज तक आया हो, किसी और पार्टी शासित राज्य कोई आया हो, दिल्ली दुनिया में तीसरे नंबर पर आ कर खड़ा हो गया इलैक्ट्रिक व्हीकल के अंदर और दिल्ली के बेड़े में 1650 इलैक्ट्रिक बस शामिल हो गयी। तो परिवहन के क्षेत्र में दिल्ली लगातार बढ़ता जा रहा है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है और यह दर्द इन लोगों का है कि लाख रूकावटों के बाद भी, सब कुछ करने के बाद भी, अध्यादेश लाने के बाद भी, रोज परेशान करने के बाद भी हमें केवल भाजपा से नहीं लड़ना पड़ रहा, हमें तो मोदी जी की सीबीआई और ईडी से भी लड़ना पड़ रहा है, उससे भी संघर्ष करना पड़ रहा है। रोज जिस डिपार्टमेंट का काम रोकना हो वहां पर जांच बैठा दो, उसकी फाईलें मंगा लो और उसके बाद काम ठप्प। कोई काम आगे नहीं बढ़ेगा, कोई काम आगे नहीं बढ़ेगा लेकिन उसके बाद भी मैं तो मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद करता हूं, आभार व्यक्त करता हूं कि इतने तमाम संकटों के बाद भी वो लगातार दिल्ली को विकास की ओर लेकर जा रहे हैं, दिल्ली का विकास लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर के अंदर महंगाई है, पूरे देश के अंदर महंगाई है, देश के हर राज्य के अंदर महंगाई है आज की डेट में लेकिन दिल्ली देश का ऐसा इकलौता शहर है जहां सबसे कम महंगाई है।

(समय की घंटी)

श्री कुलदीप कुमारः आज सबसे कम महंगाई कहीं पे है तो दिल्ली के अंदर है। लगातार महंगाई पे काबू पाया, लगातार शिक्षा के क्षेत्र को शानदार किया और लगातार हम उसी तरह से काम करते जा रहे हैं, आगे बढ़ते जा रहे हैं और दिल्ली की सरकार लगातार दिल्ली वालों के साथ खड़ी हो कर मजबूती के साथ खड़ी हो कर दिल्ली के काम को आगे बढ़ा रही है, उनका काम है दिल्ली के कामों को रोकना और हमारा काम है दिल्ली के काम को आगे बढ़ाना। संकट कैसा भी हो दिल्ली का काम रूकेगा नहीं, दिल्ली का काम ऐसे ही आगे निरंतर बढ़ता रहेगा और मैं धन्यवाद करता हूं आपका कि आपने इतने महत्वपूर्ण विषय पर मुझे चर्चा में भाग लेने का मौका दिया, बहुत बहुत धन्यवाद, बहुत बहुत आभार।

माननीय अध्यक्षः रोहित महरौलिया जी।

श्री रोहित कुमारः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे उप राज्यपाल जी के अभिभाषण पर अपने विचार रखने का मौका दिया। माननीय अध्यक्ष जी, जिस समय माननीय उप राज्यपाल जी अपना अभिभाषण दे रहे थे और दिल्ली सरकार के द्वारा किये गये कामों का उल्लेख कर रहे थे, भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे थे हालांकि सभी लोग जानते हैं कि वो दिल पर पत्थर रखकर ये तमाम तारीफें कर रहे थे और बड़ा ही अशोभनीय और बड़ा ही दुखद रहा कि जिस प्रकार से विपक्ष के साथियों ने अभिभाषण के दौरान बार बार रोक टोक की, बार

बार व्यवधान डालने की कोशिश की। इससे पहले कि मैं माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में जो सरकार काम कर रही है दिल्ली में और जो पिछले गत वर्षों के अंदर क्रांतिकारी बदलाव दिल्ली के अंदर देखने को मिले हैं जनबुनियादी सुविधाओं को और बेहतर से भी बेहतर बनाने का काम किया गया है लगातार उसपे अपने विचार रखूंगा। एक छोटी सी कहानी मैं यहां पे कहना चाहूंगा जो हमारे विपक्ष के साथी हैं बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण हैं कि अभी भी सामने नहीं बैठे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, एक गांव था, गांव में सभी लोग बड़े मेहनती थे, बहुत मेहनतकश लोग हुआ करते थे उस गांव के, केवल एक आदमी ऐसा था कि जो बहुत ही निकम्मा था, नकारा था और वो हमेशा दूसरों के कामों में कमी निकालने का काम करता था। खुद तो कुछ करता नहीं था, उसका काम था हमेशा दूसरों की बातों के उपर टीका-टिप्पणी करना, रोकटोक करना, खुद पूरे दिन घर में पड़ा रहता था। एक दिन हुआ कि शाम को अपनी घरवाली से बोलता है कि अलमारी में से जरा हजार रूपये निकाल कर दे दे। वो कहती है जी क्या करोगे हजार रूपये का। घर में हजार रूपये ही पड़े हैं बस। कि तू दे तो सही। कह रही कि क्या करोगे पहले तो ये बताओ। वो कहता है करना क्या है मेरा पड़ोसी है न रामलाल उसके साथ मैंने शर्त लगायी है। कि शर्त लगायी है, क्या शर्त लगायी है पहले ये बताओ। कि जी मैंने शर्त लगायी है वो तो कह रहा है दूध सफेद होता है, और मैं कह रहा हूं दूध काला होता है। तो कहने लगी पागल हो रहे हो, ये हजार रूपये चले जायेंगे यही पड़े हैं घर में बस। मत लगाओ शर्त। मैं नहीं दूंगी

हजार रूपये। कि तू दे तो सही। ये हारूंगा तो मैं तब जब मैं मानूंगा, कि मैं मानूंगा ही नहीं चाहे पूरा गांव इकट्ठा हो जाये, चाहे पंचायत कर लो, मैं तो यही कहता रहूंगा दूध काला दिख रहा है मुझे तो। वो हालत इनकी है कि जो दिल्ली के अंदर काम हो रहे हैं पूरी दुनिया को नजर आ रहे हैं, पूरे संसार में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार का डंका बज रहा है और ये विपक्ष के साथी हैं कि लगातार उन कामों के अंदर कमी निकालने का काम कर रहे हैं। माननीय मंत्री जी ने भी बात रखी, हमारे साथी कुलदीप जी ने बड़े अच्छे ढंग से बात रखी कि लगातार परेशान करने के बाद, लगातार सरकार के कामों में अड़ंगा डालने के बाद इतने ऐतिहासिक काम हुए जो 75 सालों में किसी सरकार ने नहीं किये थे। माननीय अध्यक्ष जी, अगर मैं बात करूं दिल्लीवासियों की, अपने आप को हर दिल्लीवासी बड़ा ही सौभाग्यशाली समझता है कि न केवल दिल्लीवासियों के जीवन को बेहतर बनाने का काम किया, जनबुनियादी सुविधायें लोगों के दरवाजों तक पहुंचाने का काम अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने किया बल्कि हर व्यक्ति को, हर दिल्लीवासी को सर उठा कर पूरे सम्मान के साथ जीने का अवसर भी अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने दिया है। अगर बात करें दिल्ली की जीडपी की, माननीय मंत्री जी ने उसके उपर अभी अच्छी बात रखी कि जहां पूरे देश के अंदर 7 परसेंट पर अटके हुए हैं वहीं दिल्ली के अंदर 9 परसेंट से भी ज्यादा जीडीपी के अंदर बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। किसी भी राज्य का, किसी भी देश का उसकी समृद्धि का आंकलन जो किया जाता है प्रतिव्यक्ति आय से किया जाता

है माननीय अध्यक्ष जी, आज दिल्ली के अंदर देश से दोगुनी से भी ज्यादा प्रति व्यक्ति आय दिल्ली में हो रही है। ये दर्शाता है कि दिल्लीवासियों का जीवन बेहतर हुआ है, सुगम हुआ है। शिक्षा की जब हम बात करते हैं तो शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया जी को और उनके द्वारा किये गये शिक्षा क्रांति को नहीं भुलाया जा सकता। आज दिल्ली के अंदर पढ़ने वाले बच्चों को शानदार अवसर मिला है, अच्छी शिक्षा व्यवस्था लेने का, अच्छी शिक्षा लेने का। दिल्ली के स्कूल शानदार कर दिये गये, नये नये स्कूल खुल रहे हैं। लगभग पिछले एक महीने के अंदर ही देखें माननीय मुख्यमंत्री जी ने चार विधान सभाओं में जाकर चार नये स्कूलों का शिलान्यास किया, 6 जगह पर 15 से ज्यादा नये स्कूल खोल दिये। आज दिल्ली के अंदर पढ़ने वाले बच्चों को जहां शानदार अवसर मिला है, अच्छी पढ़ाई लिखाई करने का, वहीं उनके माता पिता को भी पूरे सम्मानजनक तरीके से सर उठाकर ये बताने का, कहने का अवसर दिया है कि हमारा बच्चा दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ता है जो किसी भी लिहाज से प्राईवेट स्कूल से कम नहीं है। बच्चों का भी आत्मसम्मान बढ़ा है, उनका आत्मविश्वास बढ़ा है वहीं उनके माता पिता का भी सम्मान बढ़ा है। माननीय अध्यक्ष जी, पहले कभी किसी गरीब आदमी से पूछा जाता था कि आपका बच्चा कहां पढ़ता है, आपका बेटा, आपकी बेटी कहां पढ़ते हैं तो वो बड़ी शर्मिंदगी के साथ में जवाब देता था, सर झुका कर जवाब देता था कि मेरा बच्चा तो सरकारी स्कूल में पढ़ता है। लेकिन आज सूरत ए हाल बिल्कुल बदल चुका है। आज किसी भी आदमी से पूछकर देख लीजिये

आपका बच्चा कहां पढ़ता है तो आपको कॉलर उंची करके पूरे गर्व के साथ सीना ठोककर बोलेगा कि मेरा बच्चा दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़ता है कि जहां हर प्रकार से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये, चहुंमुखी विकास के लिये जो सुविधायें कभी प्राईवेट स्कूल तक सीमित थीं आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों में दी जा रही हैं वो भी बिल्कुल मुफ्त दी जा रही हैं। ये कमाल अरविंद केजरीवाल जी की ईमानदार सरकार ने करके दिखाया है। माननीय अध्यक्ष जी, अगर बात करें खेलों की, खेल के भी जो खिलाड़ी हैं उनके भी आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिये, उनको बेहतर से बेहतर विश्वस्तरीय सुविधायें देने के लिये भी दिल्ली सरकार ने शानदार प्रयास किये। अभी विपक्ष के साथी कल हल्ला मचा रहे थे कि ये तो झूठ का पुलिंदा है। अगर आप इस तमाम जो भी अभिभाषण के दौरान उन्होंने बातें कहीं हैं माननीय एलजी साहब ने तो इसका मतलब आप उन खिलाड़ियों का भी अपमान कर रहे हो कि जो दिन रात मेहनत करके, पसीना बहाकर देश का गौरव और देश की शान विदेशों में जाकर बढ़ाकर आये हैं, उन खिलाड़ियों के द्वारा जीते गये मेडल को भी आप नकार रहे हैं अगर इसको आप झूठ का पुलिंदा बोलते हैं। हमारे दिल्ली के 11 खिलाड़ी जिन्होंने चीन में जाकर एशियाई खेलों के अंदर 11 पदक जीते हैं। हमारे नैशनल स्कूल गेम्स में दिल्ली के 127 पदकों के साथ में दिल्ली नंबर वन रही। ये इसलिये हुआ कि दिल्ली सरकार हर क्षेत्र के अंदर, हर आयु वर्ग के व्यक्ति को, हर व्यक्ति को शानदार से शानदार सुविधायें देने का काम कर रही है। अभी हम बात कर रहे थे महिलाओं की, माननीय मंत्री जी ने बड़े

शानदार तरीके से तमाम बातें रखी हैं। आज हमारी माता बहनों को भी स्वावलंबी बनाने के लिये, उनके जीवन स्तर को उंचा करने के लिये हर तरह से सुविधायें देने का प्रयास दिल्ली सरकार कर रही है। जहां माता बहनों के लिये अलग से मोहल्ला क्लिनिक खोले गये हैं तो वहीं उनके पैसे बचाने के लिये कि जो काम पे जाने वाली हमारी कामगार माता बहनें है उनको निशुल्क यात्रा कराई जाती हैं, बसों के अंदर चाहे डीटीसी की एसी की बस हो वो, चाहे इलेक्ट्रिक बसें हों तमाम बसों के अंदर मुफ्त यात्रा मिल रही है माता बहनों को। आज दिल्ली के अंदर अगर बात करें माता बहनों के लिये, उनकी सुरक्षा के लिये शानदार काम अगर किसी ने किया है तो अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने किया है। एक लाख 35 हजार से ज्यादा सीसीटीवी दिल्ली के चप्पे चप्पे पर लगाये गये हैं। ये काम अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने करा है जो आज तक कोई नहीं करा। दिल्ली को दुनिया का नंबर वन शहर बनाने का काम भी इस दिशा में किया गया है। जहां तक बात करते हैं अभी हम बात कर रहे थे मनीष सिसोदिया जी की, सत्येंद्र जैन जी के नाम की भी चर्चा की गयी है, इन दोनों महान नेताओं ने वो ऐतिहासिक काम करें हैं जिनका खामियाजा आज उनको भुगतना पड़ रहा है। झूठे आरोपों के अंदर उनको जेल में डाल दिया गया। आज मोहल्ला क्लिनिक की चर्चा जगह जगह होती है। अस्पतालों के अंदर जो सुधार किये गये हैं वो शानदार किये गये न केवल दिल्ली सरकार के अस्पतालों में शानदार ईलाज हो रहा है बल्कि जो प्राईवेट अस्पताल हैं उनमें भी दिल्ली आरोग्य कोष के द्वारा उनको चिन्हित् करके

पांच लाख से ज्यादा लोगों का ईलाज किया गया, मुफ्त ईलाज किया गया, 50-50 लाख रूपये की सर्जरी मुफ्त कराई गयी ये काम अरविंद केजरीवाल जी ने सेवा वाला किया है। माननीय अध्यक्ष जी, पहले के मैं अगर हालात आपको बताउं हमने खुद देखा है मैं त्रिलोकपुरी जैसी छोटी कालोनी से ही आता हूं कि जहां पर ज्यादातर सब लोग गरीब ही रहते हैं, सरकारी अस्पतालों पर निर्भर हुआ करते थे। हमारे यहां पर एक सरकारी अस्पताल है एलबीएस। जब कभी वहां दवाई लेने जाते थे सरकारी अस्पतालों की ये सूरत ए हाल थी कि डाक्टर जब दवाई लिखता था दो रूपये वाली दवाई पुड़िया में बांध कर दे दी जाती थी और सौ रूपये वाली दवाई को बोलते थे बाहर से जाके खरीद लो। सेटिंग हुआ करती थी नेताओं के बीच में भी और दुकानदार, प्राइवेट जो केमिस्ट हैं उनके बीच में। उस सेटिंग को भी बंद करा, आज दवाई चाहे दो रूपये की हो, सौ रूपये की हो, हजार रूपये की हो, सारी की सारी दवा दिल्ली के सरकारी अस्पतालों से, दवाखानों से, मोहल्ला क्लिनिक से बिल्कुल फ्री मिलती है, तमाम ढाई सौ से ज्यादा टेस्ट बिल्कुल फ्री किये जाते हैं। ये काम अरविंद केजरीवाल जी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के अंदर ऐतिहासिक काम करके दिखाया है माननीय अध्यक्ष जी। माननीय अध्यक्ष जी, अगर मैं बात करूं पीने के पानी की और मुझे लगता है कि पूरे देश के अंदर अगर सबसे ज्यादा घरों तक टोंटी के द्वारा पानी कहीं पे पहुंच रहा है तो वो केवल दिल्ली है। दिल्ली के अंदर अगर मैं बात करूं जो पहले की जो मांग रही उसके हिसाब से देखें 836 एमजीडी जो पानी वहां पर रहा मांग जो वहां पर

उनकी पूर्ति की जा रही थी जो बढ़कर 995 एमजीडी हो गया है। और दिल्ली के अंदर 93 परसेंट घरों के अंदर टोंटी के द्वारा पानी वहां पर पहुंच रहा है और मुझे लग रहा है कि पूरे देश के अंदर कोई भी ऐसा राज्य नहीं होगा यहां तक कि भाजपा शासित कोई राज्य बता दे कि जहां पर 93 परसेंट घरों के अंदर टोंटी से पानी जा रहा हो और जो नेटवर्क है पानी की पाईपलाईन का वो 15440 किलोमीटर लंबा है। माननीय अध्यक्ष जी, बड़ी हैरानी की बात है जब मैं ये आंकड़े पढ़ रहा था तो मैंने गूगल पे जाकर सर्च किया कि पष्टथ्वी का व्यास कितना है। अगर आप देखेंगे जो पृथ्वी का व्यास है वो 12442 कि.मी. है यानि कि जो दिल्ली जलबोर्ड की पाईपलाईन है अगर वो पूरी पृथ्वी के उपर घुमा दी जाये तो पूरा एक चक्कर लगाके पाईपलाईन घूम के आ जायेगी ये बहुत बड़ा सत्य है जिसको हमें जानने की जरूरत है कि ये काम दिल्ली के अंदर करा है। ये तमाम जो काम हुए ऐतिहासिक काम हुए हैं। माननीय अध्यक्ष जी, ये तमाम तरह के कितने भी पाखंड कर लें,

(समय की घंटी)

श्री रोहित कुमारः कुछ भी कर लें पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तो बात माननीय मंत्री जी ने भी बात रखी है। माननीय अध्यक्ष जी, हर बार जब भी बजट आता है सबकी निगाहें दिल्लीवासियों की दिल्ली सरकार की ओर होती हैं, उनकी उम्मीदें भी बढ़ रही हैं जो काम लगातार हो रहा है उसको देखकर लगातार लोगों की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने वो तमाम सुविधायें लोगों

तक पहुंचाई जिसके लिये लोग अभी तक इंतजार कर रहे थे, तरस रहे थे। माननीय अध्यक्ष जी, मैं इससे पहले अपनी वाणी को विराम दूं कुछ स्वलिखित पंक्तियां मैं अरविंद केजरीवाल जी को समर्पित करना चाहता हूं कि जिस प्रकार से उनकी सरकार के कामों में अड़ंगा लगाने का काम किया जा रहा है अरविंद केजरीवाल जी को रोकने का काम किया जा रहा है क्योंकि उनकी मंदिर मस्जिद की राजनीति के उपर अरविंद केजरीवाल जी की शिक्षा की राजनीति भारी पड़ रही है इसलिये उनके काम को रोका जा रहा है। अरविंद केजरीवाल जी की स्वास्थ्य की राजनीति भारी पड़ रही है इसलिये उनके कामों में अड़ंगा लगाया जा रहा है। तो माननीय अध्यक्ष जी अरविंद केजरीवाल जी को समर्पित कुछ पंक्तियां मैं कहना चाहूंगा, इतनी मुश्किलें जो उनके रास्ते में पैदा करने का काम किया जा रहा है

''ये मुश्किलें अक्सर मेरे हौंसलों का इम्तिहान लेती हैं
मुश्किलें अक्सर मेरे हौंसलों का इम्तिहान लेती हैं
मेरे तेवर से लेकिन वे ये सच जान लेती हैं
कि मैं वो दरियां हूं जो रोके से नहीं रूकने वाला
अरविंद केजरीवाल जी वो दरिया हैं जो रोके से नहीं रूकने वाले
मुश्किलें अक्सर मेरे हौंसलों का इम्तिहान लेती हैं
मेरे तेवर से लेकिन वे ये सच जान लेती हैं
कि मैं वो दरियां हूं जो रोके से नहीं रूकने वाला

कि मैं वो दरियां हूं जो रोके से नहीं रूकने वाला

मुश्किलें इसलिये खुद अपनी हार मान लेती हैं।

मुश्किलें इसलिये खुद अपनी हार मान लेती हैं।''

बहुत बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी। मैं माननीय मंत्री जी के इस धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूं बहुत बहुत धन्यवाद। जय हिंद जय भारत।

माननीय अध्यक्षः लंच ब्रेक हम ठीक दो बजे पुनः मिलेंगे, बहुत बहुत धन्यवाद।

सदन अपराह्न 2.12 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः अब्दुल रहमान जी। अब्दुल रहमान जी हैं नहीं यहां।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अच्छा, नमाज पढ़ने गए हैं। हाजी युनूस जी।

श्री हाजी युनूसः अध्यक्ष जी धन्यवाद। जैसा कि कल 15/2 को एलजी साहब ने जो अभिभाषण दिया था दिल्ली नहीं पूरी दुनिया जानती है दिल्ली के अंदर माननीय अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने जो काम करे हैं चाहे वो शिक्षा के क्षेत्र में हों, जिस तरह से शिक्षा में

हमारे शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया जी जो क्रांति लेकर आये थे आज दिल्ली के अंदर सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा अपने आप में गर्व महसूस करता है। आज उसके पेरेंट्स कहीं जाते हैं रिश्तेदारी में तो उन्हें बताने में कोई शर्म महसूस नहीं होती जिस तरह से पहले हुआ करती थी। 2015 के बाद से अरविंद केजरीवाल जी की आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली के अंदर 10 हजार नये क्लासरूम बनाये। अभी जल्दी में फिलहाल में ही 15 से ज्यादा नये स्कूल खोले हैं वो भी स्कूल इस तरह के कि आज इस तरह के प्राईवेट स्कूल भी दिल्ली में देखने को नहीं मिलते हैं। इसी तरह से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आज हमारे पढ़ाई में ही नहीं खेलकूद में भी इतने आगे हैं डिस्ट्रिक्ट, स्टेट, नेशनल नहीं इंटरनेशनल गेमों में भी मेडल लेकर आते हैं। अभी पीछे 127 मेडल लेकर दिल्ली देश में नंबर वन पर आई। इसके अलावा स्वास्थ्य में दिल्ली ने जो कीर्तिमान अपने आप में एक मिसाल कायम करी है दिल्ली के अंदर लगभग 4 करोड लोगों का ईलाज होता है जबकि दिल्ली की आबादी 2 करोड के आसपास है। तो ये सब दिल्ली से जो लगे स्टेट हैं चाहे वो उत्तर प्रदेश हो, हरियाणा हो वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बिल्कुल ठप्प हैं इसलिये लोग दिल्ली के अंदर ईलाज कराने आते हैं और दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक जो अपने आप में मिसाल हैं वो वर्ल्ड क्लास मोहल्ला क्लिनिक जिनको अमरीका के राष्ट्रपति की पत्नी देखने आती हैं, वो दिल्ली के सरकारी स्कूल जिनको अमरीका के राष्ट्रपति की पत्नी देखने आती हैं। दिल्ली के स्कूलों के अंदर इतनी बेहतरीन पढ़ाई हो रही है कि दिल्ली का सरकारी स्कूलों

का हाई स्कूल और इंटर का रिजल्ट 99 और 98 परसेंट आ रहा है। ये एक अपने आप में देश में ही नहीं पूरी दुनिया के लिये एक मिसाल है अध्यक्ष जी। इसी तरह से आपने देखा होगा कि किस तरह से दिल्ली का प्रति व्यक्ति आय किस तरह से बढ़ रही है और बिजली के क्षेत्र में आम आदमी पार्टी सरकार ने जो वायदे करे वायदे से भी ज्यादा करके दिखाया कि आज आम आदमी को बिजली का बिल नहीं भरना पड़ता है। एक लाख से उपर लोगों का बिजली का बिल जीरो आता है और 24 घंटे बिजली आती है जबकि दिल्ली के अंदर बिजली बनती नहीं और दिल्ली के अंदर बिजली का जो रेट है वो भी पूरे हिंदुस्तान में सबसे कम दर पे दिल्ली के अंदर बिजली दी जाती है। चौबीस घंटे बिजली फ्री बिजली, इसी तरह पानी फ्री पानी दिया जा रहा है। पानी की लाईनें लगभग 96-97 परसेंट पानी की लाईनें बिछ चुकी हैं। इस दस साल के अंदर जो ऐतिहासिक काम दिल्ली के अंदर हुए हैं इसको लेकर आज दिल्ली की सरकार पूरे देश में इन कामों के नाम पर जानी जाती है। अरविंद केजरीवाल जी की ये क्रांति चाहे वो बुजुर्गों की पेंशन हो या तीर्थ यात्रा हो या विकलांगों की पेंशन हो या विधवाओं की पेंशन हो, बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा आज अपने आप में हिंदुस्तान में एक मिसाल है। आज हर बुजुर्ग अपने आप को ये महसूस करता है कि उनका लाल अरविंद केजरीवाल उनको तीर्थ यात्रा कराते हैं। तो अध्यक्ष जी, दिल्ली के अंदर इतने फ्लाईओवर बनाये गये और दिल्ली के अंदर सबवे इस कदर सबवे बनाये गये हैं कि जो अपने आप में एक मिसाल हैं। दिल्ली के काम इतने काम हैं कि इन कामों

की गिनती कराना मुमकिन ही नहीं है। दिल्ली में हमारे सुरक्षा के लिहाज से हमारी मां बहन बेटियों की सुरक्षा के लिये एक लाख 35 हजार 500 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं अध्यक्ष जी। और यही नहीं अगर आसपास कहीं दूसरे यूपी मेरी विधान सभा बार्डर पर है यूपी लगती है, वहां भी कोई चोरी होती है तो वो दिल्ली सरकार के कैमरे देखने आते हैं। लोनी के अंदर से कोई बड़ी चोरी हो जाती है तो वो हमारी विधान सभा में आकर कैमरे चैक करने दिल्ली सरकार के कैमरे चैक करते हैं। तो अपने आप में दिल्ली सरकार ने महिला का हमारी मां बहन बेटियों का सरकारी बसों में किराया फ्री कर दिया, ईवी बसों के उससे आज दिल्ली विश्व में तीसरे नंबर पर है। तो ये सब काम इतने कम टाईम में आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली के अंदर करे ये चीज केंद्र सरकार से पच नहीं रही। एलजी साहब ने जैसा अपने अभिभाषण में मुक्तसर सा जो दिल्ली सरकार का तारूफ करा था आज केंद्र सरकार दिल्ली के हर काम को रोकना चाहती है। अधिकारियों से जब बात होती है कि भई ये पानी का काम क्यूं नहीं हो रहा तो वो कहते हैं कि पैसा रोक दिया है, उपर से पैसा रूका हुआ है। आखिर ये पैसा कौन रोक रहा है, किसके उस पर रोक रहा है, एक साल से ठेकेदारों को पैसा नहीं मिल रहा, ठेकेदार काम छोड़ छोड़ कर जा रहे हैं, टेंडर छोड़ छोड़ कर जा रहे हैं, सारे विकास कार्यों को जानबूझ कर रोका जा रहा है। जिस तरह से इन्होंने दिल्ली के विकास को रोकने के लिये पहले हमारे माननीय सत्येंद्र जैन जी को जेल भेजा लेकिन उसके बाद जब इन्होंने देखा दिल्ली के कार्य नहीं रूक रहे तो इन्होंने हमारे

माननीय उप मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया जी को जेल में भेजा। और तब भी दिल्ली के काम नहीं रूके तो वो शेर जो सड़क से संसद तक मजलूमों की, गरीबों की आवाज उठाता था संसद में, उस शेर माननीय सांसद संजय सिंह जी को भी इन्होंने जेल में भेज दिया। हमारे चार चार, पांच पांच लीडर जेल में हैं और इसके बाद इन्होंने दिल्ली के काम रोकने के लिये हमारे चहेते मुख्यमंत्री, दुनिया के चहेते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को भी ईडी के लगातार नोटिस दिये और अब दिल्ली के कामों की नकल हिंदुस्तान में हर स्टेट, हर पार्टी नकल तो करना चाहती है लेकिन असल में नहीं कर पाती। आज जो गारंटी अरविंद केजरीवाल जी ने दी वो आम आदमी पार्टी जो मात्र 9 साल में देश की राष्ट्रीय पार्टी बनकर उभरी और देश के राष्ट्रीय पार्टी के साथ साथ इस देश की तीसरी पार्टी इतना बड़ा इतिहास जिसने रचा उस पार्टी को खत्म करने की, उस पार्टी के काम रोकने की ये लोग साजिश रच रहे हैं लेकिन ये आवाम सब जानती है कि ये एक महज दिल्ली के कामों को रोकने की साजिश है। आज कोई भी किसी भी डिपार्टमेंट का काम हो, सारे काम फंड की वजह से रूक रहे हैं। तो जिस तरह से एलजी साहब ने दिल्ली सरकार का जो तार्रूफ मुक्तसर सा इस विधान सभा में कराया मैं उनको धन्यवाद देते हुए आपके माध्यम से ये कहना चाहूंगा कि एलजी साहब थोड़ा सा और अपना दिल बड़ा करके ये जो लोग पैसा रोक कर ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं, दिल्ली सरकार के कामों को रोक रहे हैं, दिल्ली की दो करोड़ आवाम को परेशान कर रहे हैं उनको भी थोड़ा सा टाईट करें और वो

जल्द से जल्द दिल्ली के कामों को सुचारू रूप से चलवायें। इसी के साथ मैं अपनी बात को खत्म करता हूं जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः जय भगवान उपकार जी।

श्री जय भगवानः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे उप राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया। अध्यक्ष महोदय, मैं शुरूआत करता हूं पूरे भारत से क्योंकि दिल्ली देश की राजधानी है और पूरे भारत के अंदर अठाईस राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। लेकिन इन 28 राज्यों के अंदर.. जो 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं उन सभी के अंदर पिछली जो सरकारें चाहे वो भाजपा की सरकार रही, चाहे वो कांग्रेस की सरकार रही, उन्होंने इतना विकास नहीं किया जिसकी वजह से हर राज्य का आदमी आज दिल्ली के अंदर आया। और पिछली जो दिल्ली की सरकारें जो भी रही हैं उन सभी सरकारों ने दिल्ली के अंदर कोई भी विकास के कार्य इतने नहीं किये जिसकी वजह से जनता परेशान थी और जब से आम आदमी पार्टी की सरकार आई 2013 से, जब से दिल्ली के अंदर विकास होना शुरू हुआ और आम जनता को राहत मिलनी शुरू हुई। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं क्यूंकि जब 2013 में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनी और अरविंद केजरीवाल जी ने जो मॉडल लेकर आये बिजली पानी शिक्षा और स्वास्थ्य, क्यूंकि बिजली पानी शिक्षा और स्वास्थ्य आदमी की मूलभूत सुविधायें होती हैं चूंकि परम पूज्य बाबा साहब डा. भीम राव अम्बेडकर जी ने भी कहा था कि जिसकी सरकार होगी उसकी जिम्मेदारी बनती है कि बिजली पानी शिक्षा और स्वास्थ्य लोगों को

मुहैया कराये। तो माननीय अरविंद केजरीवाल जी की जब सरकार बनी अध्यक्ष महोदय तो मैं बताना चाहता हूं उनका एक मॉडल था बिजली पानी शिक्षा और स्वास्थ्य। अध्यक्ष जी उन्होंने अपना काम करना शुरू किया। मैं बिजली की बात करूं तो फिर पहले दिल्ली के अंदर लाईट बार बार जाती थी, बहुत दिक्कतें होती थी लेकिन अब लाईट एक भी बार झपका नहीं मारती है अध्यक्ष महोदय, कभी लाईट नहीं जाती दिल्ली के अंदर। अध्यक्ष महोदय दूसरी बात क्यूंकि लगातार दिल्ली के अंदर पिछले 10 सालों के अंदर काफी विस्तार हुआ है और इस विस्तार के अंदर जब नयी नयी कालोनियां बसी हैं, नये नये सेक्टर बसे हैं गांव के अंदर भी काफी विस्तार हुआ है, नये नये फैक्टरी एरिये विस्तार हुए उन सभी के अंदर बिजली की जरूरतें बढ़ी हैं। लेकिन हमारी सरकार ने बखूबी जिम्मेदारी के साथ में बिजली के मामले में मील का पत्थर साबित हुआ है और बड़ी मेहनत के साथ में बिजली की जो पिछले 8-10 सालों से बिजली की दरें भी नहीं बढ़ाई अध्यक्ष महोदय। मैं आपको बताना चाहता हूं कि 1900 इलेक्ट्रिक चार्ज भी लगाये हैं यहां पर पूरी दिल्ली के अंदर। तो अध्यक्ष महोदय ये तो मैं बिजली की बात कर रहा हूं फिर मैं बात करूं पानी की, अध्यक्ष महोदय, पूरी दिल्ली के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने पूरी दिल्ली के अंदर सीवरेज सिस्टम लेकर आये, पूरी दिल्ली के अंदर सीवर सिस्टम लेकर आये, पूरी दिल्ली की चाहे मैं कालोनियों की बात करूं चाहे मैं गांव की बात करूं, हर जगह सीवर सिस्टम बैठाया अध्यक्ष महोदय और उसके बाद मैं बात करूं वाटर बॉडी की,

तो जितनी भी दिल्ली के अंदर जो हमारे गंदे तालाब थे, जो हमारे जोहड़ थे जिनको हम जोहड़ बोलते हैं जिसके अंदर भैंसें नहाती थी अध्यक्ष महोदय, उनको रेनोवेट किया, उनको बहुत सुंदर बनाया, उनके अंदर काफी चेंजिंग की हैं। मैं बात करूं कई सभी पूरी दिल्ली के अंदर मैं बात कर रहा हूं सभी गांव के अंदर सभी गांव की जितनी भी वाटर बॉडियां हैं ज्यादातर दिल्ली सरकार ने रेनोवेट की हैं, बहुत सुंदर बनाये हैं अध्यक्ष महोदय जिससे कि जो पीने का जो पानी है हमारा, तालाबों का जो पानी है वो साफ रहे, गंदा पानी न हो, उसमें बहुत ज्यादा इंप्रूवमेंट किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात करूं तो दिल्ली की हर कालोनी के अंदर, हर गांव के अंदर जहां पर पानी की लाईनें नहीं बिछाई गयी थीं, इन पिछले 10 सालों के अंदर क्यूंकि मैं विस्तार के बारे में बात करूं तो काफी अच्छा विस्तार हुआ है। काफी कालोनियां कटी हैं, काफी गांव बसे हैं, काफी बिल्डिंगें जो एक मंजिल थी वो काफी बढ़ी हैं तो हर चीज की जरूरत पड़ी है अध्यक्ष महोदय। तो हर क्षेत्र के अंदर वहां पर पानी की लाईनें भी बिछाई गयी हैं अध्यक्ष महोदय और सब के पास पानी पहुंचाया गया अध्यक्ष महोदय क्यूंकि पहले लोग टैंकरों से पानी भरते थे, कुओं से पानी भरते थे, हैंड पंपों से पानी भरते थे या जमीन का पानी पीने को मजबूर हुआ करते थे लेकिन आज 93 परसेंट लोगों को जो पानी है वो दिल्ली जल बोर्ड का मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, ये अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने करके दिखाया है लोगों को। क्यूंकि अगर पानी गंदा हुआ अध्यक्ष महोदय तो अनेक प्रकार की बीमारियां होंगी, अनेक प्रकार की जो अगर

बीमारियां होंगी तो आदमी कुछ काम भी नहीं कर पायेगा, परेशान होगा। तो अगर पानी स्वस्थ रहेगा तो मन भी स्वस्थ रहेगा और पानी बेहद जरूरी है अध्यक्ष महोदय। अगर मैं बात करूं पानी के मामले में तो अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने, अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने डीएसटीपी, एसईटीपी, एसटीपी और डीएसटीपी, अध्यक्ष महोदय एसपीएस, डब्ल्यूटीपी अनेक हर क्षेत्र के अंदर नये नये एसपीएस, नये नये डब्ल्यूटीपी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अध्यक्ष महोदय, एसटीपी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट अनेक प्रकार के सर प्लांट अध्यक्ष महोदय पूरे क्षेत्र के अंदर लगाये हैं इन 10 वर्षों के अंदर। अध्यक्ष महोदय, मैं बात करूं पानी को लेकर के यूजीआर। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जगह जगह पानी मुहैया कराने के लिये बड़े बड़े यूजीआर डीडीए से जमीन लेकर के बनाये और लोगों तक पानी पहुंचाने के लिये और यूजीआर भी बनाये अध्यक्ष महोदय। तो पानी को लेकर के भी दिल्ली सरकार ने जो अपना प्रयास है वो भरपूर किया है और पूरी दिल्ली के लोगों को पानी पिलाने की कोशिश की है, टैंकर माफ़िया को भी खत्म करने की कोशिश की है अध्यक्ष महोदय। मैं बात करूं शिक्षा की अध्यक्ष महोदय, तो शिक्षा को लेकर के भी हमने देखा है कि जब हम स्कूलों के अंदर बैठते थे तो बैठने की जगह नहीं हुआ करती थी अध्यक्ष महोदय और आज जब से अरविंद केजरीवाल जी की सरकार आई है अध्यक्ष महोदय, बहुत ही बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आज स्कूल बहुत सुंदर हो गये हैं, बहुत अच्छे हो गये हैं चाहे मैं इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करूं, चाहे मैं उनके साईंस की लैबोरेट्री की बात करूं।

चाहे मैं उसकी लाइब्रेरी की बात करूं अध्यक्ष महोदय हर तरीके से स्कूलों को बहुत अच्छा बनाया। चाहे मैं शिक्षा की मैं बात करूं अध्यक्ष महोदय, हर तरीके से जो एजूकेशन है वो आम आदमी पार्टी की सरकार में, अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने 99 प्रसैंट जो शिक्षा की जो गुणवत्ता है वो बहुत अच्छी की है। आज दिल्ली के स्कूलों के जो बच्चों का जो रिजल्ट है अध्यक्ष महोदय 99 प्रसेंट, 98 प्रसेंट आ रहा है बच्चों का। ये अरविंद केजरीवाल जी सरकार की देन है अध्यक्ष महोदय की आज जो हमारे जो टीचर है, उन्होंने जो क्वालिटी एजूकेशन दी है, आज दिल्ली के अंदर अनेक प्रकार के जो स्कूल है, अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, स्कूल ऑफ स्पेशलाइज एक्सीलेंस, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज एक्सीलेंस। अध्यक्ष महोदय कितने नए-नए स्कूल दिल्ली की सरकार ने खोले हैं। अभी जैसे ये बात कह रहे थे कि हम अभी 15 हजार नए कमरे बच्चों के बैठने के लिए हमारी सरकार ने बनाए अध्यक्ष महोदय। अभी तो बहुत सी जगह डीडीए से जमीनें ली हैं जहां पर स्कूलों का निर्माण होना है अध्यक्ष महोदय और अभी कई जगह पर जो हमारे जो विश्वविद्यालय है उनका निर्माण होना है। अभी हमारे यहां पर कई बड़े-बड़े जो हमारे जैसे मैं डीटीयू की बात करूं अध्यक्ष महोदय वहां पर बॉएज होस्टल, गर्ल्स होस्टल बनाए गए है शिक्षा को लेकर। तो अध्यक्ष महोदय बहुत बड़ा परिवर्तन अरविंद केजरीवाल जी ने शिक्षा को लेकर के किया है अध्यक्ष महोदय और मैं बात करूं स्कूल ऑफ स्पेशलाइज एक्सीलेंस की अध्यक्ष महोदय, जैसा की बजट के अंदर भी

हमारी सरकार ने कहा की हर विधान सभा के अंदर स्कूल खोले जाएंगे तो हर विधान सभा के अंदर स्कूल खोले जा रहे हैं अध्यक्ष महोदय। धीरे–धीरे, धीरे–धीरे स्कूल खोले जा रहे हैं, मेरी विधान सभा के अंदर भी तीन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस है, स्पेशलाइज एक्सीलेंस खोले गए और भी कई स्कूल बनने हैं जिसके लिए हमने जगह ली है। अभी मैडिकल यूनिवर्सिटी भी खोली जाएगी अध्यक्ष महोदय उसके लिए भी हम लोगों ने जगह ली है। मैं बात करूं बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य। स्वास्थ्य की मैं बात करूं अध्यक्ष महोदय तो पहले हम लोग जब अस्पतालों में जाते थे तो बहुत बदबू आती थी।

माननीय अध्यक्षः कन्कलूड करिए जय भगवान जी, कन्कलूड करिए प्लीज।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष महोदय तो बहुत बदबू आती थी बहुत बुरा हाल हुआ करता था। लेकिन 2013 के बाद जब हमारी सरकार आई और हमारी सरकार ने स्वास्थ्य के मामले में जब अस्पतालों के अंदर बहुत बड़ा परिवर्तन करके दिखाया अध्यक्ष महोदय। आज आप अस्पतालों के अंदर जाओगे तो आपको सफाई के मामले में, दवाई के मामले में हर तरीके से जो अस्पताल है बहुत सुंदर दिखाई देंगे अध्यक्ष महोदय और बहुत अच्छे हैं और सभी लोगों को अस्पतालों के अंदर दवाइयॉं नहीं मिलती थी लेकिन आज सभी लोगों को अस्पतालों के अंदर दवाइयॉं मिल रही है अध्यक्ष महोदय और अध्यक्ष महोदय मैं बात करूं पोली–क्लीनिक की तो पूरी दिल्ली के अंदर पोली–क्लीनिक को भी रेनोवेट किया गया है जैसे की बताया गया कि 30 किए गए।

अध्यक्ष महोदय मेरे इलाके के अंदर 4 पोली–क्लीनिक की हम लोगों ने लैंड ली है और वहां पर भी एक बनकर के हमारा तैयार है दूसरा भी बनने वाला है। तो अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर के बहुत बड़ा काम किया है जैसे मैं मोहल्ला क्लीनिक की बात कर रहे थे अभी हम 537 की। अध्यक्ष महोदय लगातार दिल्ली के हर चाहे वो गांव है, चाहे वो कॉलोनी है सभी के अंदर मोहल्ला क्लीनिक की आम आदमी पार्टी की सरकार ने भरमार कर दी है कि जो आम आदमी जिसको परेशानी होती थी जो लम्बे–लम्बे अस्पतालों के अंदर जाकर के लम्बी–लम्बी कतारों के अंदर लगता था, अपना समय बर्बाद करता था आज बस दो मिनट में जाना है और आपको तुरंत दवाईयॉं मिल जाएंगी अध्यक्ष महोदय। तो आज हमने जो आदमी की जरूरत की जो चीजें हैं आम आदमी पार्टी की सरकार ने वो घर तक पहुंचाने का प्रयास किया अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय मैं बात करूं स्ट्रीटस कैपिंग की।

माननीय अध्यक्षः अब कन्कलूड करिए जय भगवान जी कन्कलूड करिए प्लीज।

श्री जय भगवानः कन्कलूड ही कर रहा हूं सर। सर स्ट्रीटस कैपिंग परियोजना लाकर के दिल्ली के अंदर आपने देखा होगा कि जगह–जगह जो रोड है बहुत सुंदर बनाए है अध्यक्ष महोदय। आज ऐसा लगता है कि हम लोग यूरोप के तर्ज पर जो रोड बनाए गए हैं कि हम यूरोप में आ गए हैं, जब रात को लाइटें जलती हैं सुंदर–सुंदर जो पौधे–पेड़ दिखाई देते हैं अध्यक्ष महोदय बहुत अच्छा वातावरण देखने को

मिलता है अध्यक्ष महोदय। मैं बात करूं महिला सुरक्षा को लेकर के अध्यक्ष महोदय तो हमारी सरकार ने करीब–करीब एक लाख 37 हजार जो कैमरे लगाए पूरी दिल्ली के अंदर। अध्यक्ष महोदय बसों के अंदर महिला सुरक्षा को लेकर के पैनिक बटन लगाया।

माननीय अध्यक्षः जयभगवान जी अब हो गया, जय भगवान जी हो गया।

श्री जय भगवानः अध्यक्ष जी दो ही मिनट का है, बस अब थोड़ा सा समय और दे दें। अध्यक्ष जी मैं बात करूं महिला सुरक्षा को लेकर के तो पैनिक बटन भी लगाए, मार्शल भी लगाए, महिला सुरक्षा को लेकर के मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट योजना के तहत पूरी दिल्ली के अंदर माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्ट्रीट लाइट लगवाई और पूरी दिल्ली के अंदर मुख्यमंत्री सड़क निर्माण योजना के तहत, पूरी दिल्ली के अंदर मुख्यमंत्री परियोजना के तहत अध्यक्ष महोदय सड़कें बनवाई गई। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पूरी दिल्ली के कई लाख लोगों को मुफ्त में यात्रा, माता–पिता को मुफ्त में यात्रा कराई अध्यक्ष महोदय। तो ऐसी सरकार जब माननीय एल जी साहब बोल रहे थे तो लग रहा था कि हॉं जो दिल्ली की सरकार का जो बखान ऐसे ही नहीं कर रहे। दिल्ली की सरकार ने करके दिखाया है अध्यक्ष महोदय। क्योंकि ना लोग चाहते थे लोगों को विकास की जरूरत थी और विकास जो करके दिखाया है वो आम आदमी पार्टी की सरकार ने करके दिखाया, दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने करके दिखाया, उनकी पूरी टीम ने करके दिखाया। तो आज हम जो बिजली, पानी और शिक्षा और स्वास्थ्य

की बात कर रहे हैं ये ऐसे ही नहीं है। आज जब एल जी साहब पढ़ रहे थे, जो माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रशंसा कर रहे थे,

माननीय अध्यक्षः जय भगवान जी, अब बैठिये, प्लीज बैठिये।

श्री जय भगवानः दिल्ली की सरकार की जो प्रशंसा कर रहे थे वो जरूरी थी अध्यक्ष महोदय तो मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं, धन्यवाद थैंक्यू।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान अब्दुल रहमान जी।

श्री अब्दुल रहमानः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इसपर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय दिल्ली 2013 से पहले और 2024 में जमीन और आसमान का फर्क दिल्ली के अंदर आया है, तो वो आया है श्री अरविंद केजरीवाल जी की बदौलत। अब उसमें अगर बात करें अध्यक्ष महोदय मैं पानी की बात कर रहा हूं जो 2013 में 836 एमजीडी पानी था दिल्ली के अंदर और हरियाणा और उत्तर प्रदेश दोनों पड़ोसी राज्यों से एक बूंद पानी की नहीं बढ़ाई गई उसके बावजूद दिल्ली ने अपनी सूझबूझ से दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 995 एमजीडी पानी दिल्ली में बढ़ाकर कर दिया, जिससे दिल्ली के लोगों को काफी राहत मिली है। अध्यक्ष महोदय तीर्थ यात्रा की बात करें तो तीर्थ यात्रा में मैं क्योंकि सभी विधायक के ऑफिस से फॉर्म साइन होते हैं और मैंने भी अब तक मेरे ख्याल से हजार से ऊपर लोगों को तीर्थ पर भेजा है। लेकिन जो लोग तीर्थ पर जाते हैं और वो, मैं उन्हें बस में बैठाता हूं तो उनकी आंखों में एक अजीब सा वो होता है और वो कहते हैं कि

हम सपना देखा करते थे कि हम कब वैष्णोदेवी जाएंगे, हम कब जो है दूसरे तीर्थ स्थलों पर जाएंगे, तीर्थयात्रा पर कब निकलेंगे। लेकिन हमारा इंतजाम नहीं हो पाता था या कोई पैसे का इंतजाम नहीं था या बच्चे इस काबिल नहीं थे। लेकिन माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी बदौलत ये सम्भव हो पाया की हम पूरे बेहतरीन इंतजाम के साथ अपना तीर्थ मुकम्मल करके आ रहे हैं। तो मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अरविंद केजरीवाल जी को और दिल्ली की सरकार को कि उन्होंने इतनी बेहतरीन योजना दिल्ली में लागू की कि दिल्ली के तमाम बुजुर्ग आज गुणगान करते नहीं थकते हैं। अध्यक्ष महोदय दिल्ली में एक स्कीम लागू हुई थी फरिश्ता स्कीम के नाम से। अगर दिल्ली में किसी भी जगह पर कहीं भी किसी का एक्सीडेंट हो जाता था, तो अध्यक्ष महोदय कोई भी सख्श उठाकर उसको नजदीक के अस्पताल में एडमिट करा दिया करता था और उसका पूरा इलाज चाहे वो प्राइवेट होस्पिटल हो या सरकारी होस्पिटल हो वो दिल्ली की सरकार की तरफ से होता था। अध्यक्ष महोदय अभी कुछ दिनों से उसपर कुछ रोक लगा दी गई है, वो हो नहीं पा रहा लेकिन उससे इतना लाभ हुआ था कि अध्यक्ष महोदय उस योजना के चलते 24 हजार ऐसे लोग जो सड़कों पर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जिनको बचाना बहुत मुश्किल था उनकी जान दिल्ली सरकार की इस योजना के तहत बच गई और अब वो आज अपने बच्चों का पालन पोषण भलीभांति कर रहे हैं, ठीक होकर। अध्यक्ष महोदय, हम बात करें दिल्ली में सुरक्षा की तो लोग कहते तो बहुत हैं अध्यक्ष महोदय की दिल्ली सुरक्षित है, दिल्ली ये है, दिल्ली वो

है, दिल्ली में अभी 280 में हमारे बी. एस. जून साहब ने दिल्ली पुलिस के हालात बताए थे। लेकिन जो एक लाख 35 हजार 500 सीसीटीवी कैमरा माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी और आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की गलियों और सड़कों पर लगाए हैं। अध्यक्ष महोदय अगर वो ना लगे होते तो आज दिल्ली में हर गली, हर कूंचे में वारदात घट रही होती। उनकी वजह से काफी भय उन बदमाशों में चोरों में रहता है के एक आंख ऊपर से देख रही है और पुलिस भी आज सबसे ज्यादा आप देख लीजिए की जगह-जगह आती है इसका पासवर्ड बता दो और बताया और चोर के घर तक पहुंच गई। तो अध्यक्ष महोदय मैं धन्यवाद करना चाहूंगा अरविंद केजरीवाल जी का मुख्यमंत्री जी का और दिल्ली की सरकार का की उन्होंने सीसीटीवी लगाकर दिल्ली को सुरक्षित किया। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के अंदर एक वाईफाई स्कीम लाई गई थी। जगह-जगह वाईफाई लगे थे, पढ़ने वाले बच्चे और दूसरे लोग आने-जाने वाले लागे उसका बड़ा लाभ उठा रहे थे, ना जाने किस कारणवश और किसकी मेहरबानी से उसको सेवा को अभी रोका हुआ है। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि उसे तुरंत चालू किया जाए। अध्यक्ष महोदय आपसे एक बात और कहना चाहूंगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरवाल जी की सूझबूझ से दिल्ली के उन इलाकों में जैसे कच्ची कालोनियॉ हैं, आज तक काम नहीं होता था। कच्ची कॉलोनियों में कहीं लोग अजीब सा जीवन जी रहे थे, ना सड़कें बनती थी, ना वहां कोई सुविधा थी लेकिन मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत उन इलाकों में भी भरपूर काम हुआ है और एक एमएलए का बजट 4

करोड़ रुपए मिलता था, उस 4 करोड़ रुपए में छोटे-मोटे काम होते थे लेकिन आज मुख्यमंत्री सड़क योजना से और दूसरे मदों से बजट मिल-मिलकर और डीवीडीबी के माध्यम से अध्यक्ष महोदय आज पूरी दिल्ली में मैं समझता हूं कि 90 प्रसैंट गलियॉं बिल्कुल ऐसी होंगी चकाचक जहां गड्ढ़ा नहीं मिलेगा आपको देखने को, 10 पर्सेंट की मैं गारंटी नहीं देता। उनपर भी काम की तैयारी है या होने वाला होगा। आज अल्लाह का शुक्र है कि दिल्ली के अंदर हर नागरिक दिल्ली के कामों से, दिल्ली के मुख्यमंत्री की वजह से बहुत खुश है और दिल्ली में जब 2013 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो मैं आपके माध्यम से उन भाइयों को भी बताना चाहता हूं जो लोग दिल्ली की सरकार की तरफ उंगलियाँ उठाते हैं और दिल्ली की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा करते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि सैंटर में एक गवर्नमेंट चल रही है हमारी और उस सैंटर की गवर्नमेंट पर जो है 2014 से पहले जो 55 लाख करोड़ रुपए का कर्जा था वो बढ़कर 205 लाख करोड़ रुपए का हो चुका है और दूसरी तरफ एक दिल्ली की सरकार जो बिल्कुल छोटी सी सरकार है और छोटा सा राज्य है। अध्यक्ष महोदय जब 2014-15 में दिल्ली में सरकार बनी तो उस वक्त 30 हजार करोड़ रुपए का बजट दिल्ली सरकार का होता था। अध्यक्ष महोदय आज 2023-24 में 80 हजार करोड़ रुपए पर पहुंचाने का दम माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का ही है दूसरे किसी शख्स का हुआ नहीं, वर्ना किसी भी राज्य में देख लो जहां देखोगे सरकार घाटे में मिलेगी, ये पहली सरकार है और वो सच कहते हैं कि अगर

अरविंद केजरीवाल जी ने कहा की ये ईमानदार सरकार तो ये ईमानदार ही नहीं वाकई में कट्टर ईमानदार सरकार है और अध्यक्ष महोदय जो कल एल जी महोदय ने अपने अभिभाषण में जो भी कुछ कहा-पढ़ा मैं उनका धन्यवाद करता हूं और सराहना करता हूं कि उन्होंने बड़े सलीके से पढ़ा और जिन लोगों ने उसमें विरोध उत्पन्न किया मैं उनके लिए बस कुछ कहना नहीं चाहता इतना कहना चाहता हूं भगवान उनको सदबुद्धि दे, बहुत-बहुत धन्यवाद शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी को मैं इससे पहले बुलाउं उनको 21वीं शादी की वर्षगांठ की दिल्ली विधान सभा अपनी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं। श्री अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः अध्यक्ष जी आपने मुझे एल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया और जो हमारे मंत्री साहब है उन्होंने एल जी साहब के भाषण पर जो प्रस्ताव रखा है धन्यवाद प्रस्ताव उसमें मैं कुछ जोड़ना चाहता हूं। अध्यक्ष जी कल ये सारा एल जी साहब का भाषण चल रहा था और बीजेपी के लोग बार-बार उनको टोक रहे थे, तो पहले हमें लगा वो एल जी साहब क्योंकि दिल्ली में एक बहुत महत्वपूर्ण पोजिशन पर बैठे हैं उनके सम्मान में और ये हमारे कॉंस्टियूशन में भी है, हमारे रूलबुक में भी लिखा है कि एल जी साहब के भाषण को कोई रोका-टोकी ना करे। तो हम लोग भी इधर से उनको कह रहे थे भई आप सुनिए बात, उनको सुनने दीजिए और क्योंकि वो साल में एक बार आकर अरविंद केजरीवाल जी की हमारे माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की सरकार की उपलब्धियॉं गिनाते हैं तो उनको

सुन लेने दीजिए। क्योंकि बाकी पूरी साल तो वो हमारे कामों को रोकने का टोकने का काम करते हैं कम से कम एक दिन तो उनको सुनने का मौका मिले और ये सब चल रहा था फिर पता चला कि एक पहले एक व्यक्ति ने एक प्वांइट पर बात की फिर दूसरे ने दूसरे पर बात की बीजेपी वाले ने तीसरे ने रोकने का प्रयास किया तो मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि ये सब कुछ एक साजिश के तहत हुआ और ये अरविंद केजरीवाल जी की जो सफलतायें जो दिल्ली के अंदर काम किये हैं उनको ना सुने जनता, इसकी साजिश करने की पूरी कोशिश कल की गई और उसके बाद आज सदन ने जो निर्णय लिया है वो बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है कि ये दिल्ली की सरकार ये सिर्फ किसी व्यक्ति विशेष की नहीं है, दिल्ली के उन दो करोड़ लोगों की सरकार है जिन्होंने हम सबको और हमारे माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को चुनकर उनकी सेवा के लिये भेजा है। हमारी सरकार को जब एल.जी. साहब बार-बार कह रहे थे मेरी सरकार तो अच्छा तो लग रहा था लेकिन अटपटा भी था और अच्छा इसलिये लग रहा था क्योंकि वो हमारी सरकार हमें सुनने का बार-बार आदत है तो इसीलिये यहां पर मैं एक शेर आपके सामने कहना चाहूंगा।

“अपना कहकर मुझे क्यों बेगाना कर दिया
अपना कहकर मुझे क्यों बेगाना कर दिया
मैं भी तो इसी मिट्टी से जन्मा हूं
क्या मेरी मिट्टी में कोई कमी है

या सिर्फ तेरी नज़र देखने का फेर है।''

इसका मतलब ये है कि हम सभी दिल्ली के वासी हैं। ये चुनी हुई सरकार है लोकतांत्रिक सरकार है जिसने भारत की जो अर्थव्यवस्था है जो जीडीपी है वो ये बताते हैं 7.2 है और दिल्ली की जीडीपी 9.18 है जो कि पूरे भारत की जीडीपी से सबसे ज्यादा है और मुझे लगता है जब हम विश्व का पूरा डेटा देखते हैं तो अमेरिका, लदंन, जापान सब slowdown की तरफ जा रहे हैं। भारत के अंदर ये पहली सरकार है जो 9.18 परसेंट की जीडीपी से साल दर साल बढ़ती जा रही है और दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय लगभग ढाई गुना अधिक हो गई है और ये अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है।.. राष्ट्रीय स्तर पर और जैसा मेरे साथी मेरे साथी ने कहा कि दिल्ली का बजट आज से 9 साल पहले 30 हज़ार करोड़ से शुरू हुआ था आज 80 हज़ार करोड़ रुपये आ गया है और इसमें सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की चुनी हुई सरकार अरविंद केजरीवाल जी की मेहनत और उनके जितने भी मंत्री हैं उनकी मेहनत और पारदर्शिता की वजह से ही ये हुआ है। चालू वित्त वर्ष में शिक्षा पर 21 परसेंट इस समय खर्च किया गया उससे पहले 25 परसेंट जो भारत या पूरे विश्व में पहली एक ऐसी सरकार है जिसने 25 परसेंट तक शिक्षा पर अपना विजन के साथ पैसा खर्च किया और उसका रिजल्ट भी देखिये अध्यक्ष जी, ये शिक्षा स्तर में पूरे भारत के अंदर जितने सरकारी स्कूल हैं उनको छोड़ दीजिये उनका तो रिजल्ट किसी का 70 परसेंट है किसी का 80 है, प्राइवेट स्कूलों का रिजल्ट 88 परसेंट, 10वीं-12वीं का और दिल्ली के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट

10वीं का 99.68 which means close to 100 percent जो पूरे भारत में अपने आप में एक ऐतिहासिक एक कदम है और 12वीं का रिजल्ट 98.96 परसेंट वो भी close to 100 percent वो भी अपने आप में एक बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित करता है ये दर्शाता है शिक्षा का बजट शिक्षा पर लगाया गया, शिक्षा का विस्तार हुआ, जब-जब शिक्षा का विस्तार होगा तब-तब उस देश का भविष्य अपने आप आगे बढ़ेगा क्योंकि शिक्षा शेरनी का वो दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा और ये बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी कहते थे और उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर अरविंद केजरीवाल जी इस सदन में बार-बार बोल चुके हैं कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी से वो बहुत प्रभावित रहे। उनकी नीतियों को लागू कर रहे हैं, उनके संविधान को लागू कर रहे हैं, उनकी शिक्षा की नीतियों को लागू कर रहे हैं और उनके पीछे आप देखिये घर में भी बहुत बड़ा बाबा साहब का स्ट्रेचर है और ये याद दिलाता है कि जो बाबा साहब की नीतियों पर चलेगा, जो इक्वेलिटी की बात करेगा, जो समानता की बात करेगा, जो मूल अधिकारों की बात करेगा, जो शिक्षा में आरटीआई एक्ट की बात करेगा, जो महिलाओं के लिये प्रेगनेंसी के समय 6 महीने की पेड लीव की बात करेगा, जो मज़दूरों को उनके हिसाब से equal pay वित equal work की बात करेगा वो इस देश का निर्माण करेगा और वो ही आम आदमी पार्टी कर रही है जो हमारी शिक्षा मंत्री जी उनका मैं स्पेशल धन्यवाद देना चाहता हूं वो शिक्षा मंत्री बनने से पहले भी बहुत मेहनत से शिक्षा में काम कर रहीं थीं और शिक्षा मंत्री बनने के बाद भी और बहुत मेहनत

से काम कर रहीं हैं। इसके साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य मंत्री जिन्होंने बहुत सारे हॉस्पिटलों में अच्छे काम किये और हमारे स्वास्थ्य का 17 परसेंट बजट पूरे स्वास्थ्य का 17 परसेंट बजट स्वास्थ्य के लिये लगाया गया और उससे फायदा क्या हुआ कि दिल्ली के अंदर जितने भी सरकारी हॉस्पिटल हैं उनका विकास हुआ, 537 मोहल्ला क्लीनिक चल रहे हैं, 5 महिला मोहल्ला क्लीनिक चल रहे हैं, 172 एलोपैथिक औषधालय, 60 प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केन्द्र, 30 पॉली क्लीनिक ऐसे तमाम और कई सारे सुपर स्पेशेलिटी अस्पताल का नेटवर्क बनाकर 14 हज़ार 2 सौ 44 बिस्तरों की संयुक्त क्षमता के साथ एक नई और बिस्तरों को जोड़ा गया और 4 करोड़ से अधिक रोगी एक साल में इसकी सेवा ले चुके हैं। ये डेटा अपने आप में एक बहुत महत्वपूर्ण डेटा है क्योंकि दिल्ली एक ऐसा शहर है जहां पूरे देश के लोग आते हैं और दिल्ली के ऊपर स्वास्थ्य का बहुत बड़ा भारी बोझ है क्योंकि हरियाणा से पंजाब से बिहार से यू.पी. से तमाम देश के तमाम शहरों से लोग यहां आते हैं क्योंकि यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था पर अरविंद केजरीवाल जी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लोग विश्वास करते हैं इसलिये यहां आते हैं और यहां उनका इलाज भी होता है दिल्ली के लोगों का तो इलाज हमेशा होता ही रहता है। इसके अलावा 5 लाख से अधिक नागरिकों ने दिल्ली आरोग्य कोष के तहत जो सुविधायें ली हैं अस्पतालों के माध्यम से फ्री उपचार सर्जरी आदि जो भी लाभ लिये हैं वो अपने आप में एक कीर्तिमान हैं और नये अस्पतालों का निर्माण करके 19 मौजूदा अस्पताल में से 94 औषधालयों की रिमॉडलिंग भी की जा रही है और ये

रिमॉडलिंग से क्या होने जा रहा है इसमें 12 हज़ार नये बिस्तरों को बैड़ों को जोड़ा जायेगा जिससे की दिल्ली और दिल्ली के आसपास के जितने भी लोग हैं उनको भी स्वास्थ्य सुविधायें मिल सकें। अध्यक्ष जी पूरे देश के अंदर ऐसा कोई राज्य नहीं है जहां पर दिल्ली से ज्यादा दिल्ली के अंदर जो पेंशन व्यवस्था है उससे ज्यादा कहीं मिल रही हो। दिल्ली के अंदर लगभग 9 लाख पेंशनधारी लोगों को दो हज़ार से लेकर ढाई हज़ार रुपये तक की पेंशन मिलती है इसमें गरीब विधवा महिलायें हैं, दिव्यांग हैं, हमारे बुजुर्ग हैं और इनके लिये जब ये दो ढाई हज़ार रुपये की पेंशन मिलती है तो उनके जीवन में एक अलग तरीके का विकास देखा गया है इसमें राशन के विषय में बात कर लें करीबन 72 लाख लोगों को राशन का लाभ मिल रहा है और वन नेशन वन कार्ड यानि की आप किसी भी दुकान पर जाइये कार्ड दिखाईये और अपना राशन ले जाईये ये व्यवस्था पहली बार दिल्ली में लागू हुई दूसरी बार अब इस तरीके की व्यवस्था पंजाब में लागू हुई और एक और व्यवस्था हम करने जा रहे थे कि दिल्ली में डोर स्टैप डिलीवरी जिसमें राशन उनके घर दिया जाये। मैं जब एल.जी. साहब को सुन रहा था तो मुझे बार-बार ये बात याद आ रही थी, ''एल.जी. साहब क्या आप डोर स्टैप डिलीवरी को लागू दिल्ली में करा देंगे प्लीज़'', लेकिन मुझे आंसर नहीं मिल पा रहा था और ना ही हुआ लेकिन ये व्यवस्था पंजाब में लागू हुई क्योंकि पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है। अध्यक्ष जी, इसके अलावा 715 करोड़ रुपये का जो अनुदान दिल्ली सरकार ने न्यायालयों को जिला न्यायालयों के भवन के लिये दिया और

एक बहुत बड़ा revolutionary changes दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था में हुआ जिसमें 1 लाख 35 हज़ार 5 सौ सीसीटीवी कैमरे लगाये गये जिससे लोगों की और स्पेशली महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने का कार्य किया गया। पिछले 10 वर्षों में पीने की पाइप लाइन को 13 परसेंट बढ़ाया गया और दिल्ली का जो जल था वो पहले आंका जाता था 836 एमजीडी और अब आकर उसको बढ़ाकर 995 एमजीडी कर दिया गया हमारे सोमनाथ जी यहां बैठे हुये हैं। जल बोर्ड के उपाध्यक्ष उनके लिये बहुत-बहुत शुभकामनायें और हमारी जो जल मंत्री हैं आतिशी जी उनके लिये भी बहुत-बहुत शुभकामना का विषय है कि ये जल का जो आपने उत्सर्जन किया है वो बहुत महत्वपूर्ण है और दिल्लीवासियों को इनकी सुविधा मिल रही है लेकिन मैं एक बात ये जरूर कहना चाहूंगा क्योंकि पिछले एक साल से जो जल बोर्ड है उसकी व्यवस्था को चरमराने का काम कुछ अधिकारी कर रहे हैं। एल. जी. साहब को पता है जब एल.जी. साहब कह रहे थे बार-बार ये मेरी सरकार हैं एल.जी. साहब ये दिल्ली की सरकार है आपको यहां का मुखिया बनाया है तो आप कम से कम दिल्ली के लोगों को जल की जो सुविधायें हैं उसमें जो भी बाधित वो जो भी बाधा दे रहे हैं अधिकारी उनको आपको समझाना चाहिये उनके खिलाफ एक्शन लेना चाहिये क्योंकि जल ही जीवन है अगर दिल्ली की जनता को जल नहीं मिला तो वो आपको और दिल्ली के जितने भी अधिकारी हैं उनके घर तक पहुंच सकती है तो आप इस चीज़ को सुनिश्चित करें और अध्यक्ष जी अरविंद केजरीवाल जी की ये सरकार ने फ्री बिजली, फ्री पानी,

फ्री बस सुविधा ऐसे तमाम कार्य किये और इन कार्यों से आज दिल्ली की जनता, आप सर्वे करा लें कि दिल्ली की जनता किसे चाहती है तो सब ये कहते हैं कि दिल्ली में तीन बार अरविंद केजरीवाल जी की सरकार बनी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी थे, हैं और रहेंगे और ये वो क्यों कह रहे हैं? ये इसलिये कह रहे हैं कि दिल्ली के अंदर उन लोगों को जो सुविधायें मिली हैं पिछले 9 साल में आज तक किसी सरकार ने ऐसा काम नहीं किया ऐसी सुविधायें नहीं दीं और ना कोई दे पायेगा क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी का एक ही मुद्दा है एक ही विजन है एक ही मिशन है कि दिल्ली के लोगों को दिल्ली के लोगों का टैक्स का पैसा दिल्ली के लोगों के ऊपर लगे, दिल्ली के लोगों की जो बेसिक समस्यायें हैं उनको हल किया जाये। दिल्ली के लोगों को लगना चाहिये कि हमने अगर वोट दिया है तो वो उसकी कीमत के रूप में अरविंद केजरीवाल जी हमें सुविधा दे रहे हैं हमारे मंत्री साहब जो हमारे पर्यावरण मंत्री हैं उनका भी बहुत अभूतपूर्व काम पीछे देखने को मिला दिल्ली में 20 परसेंट पिछले कुछ सालों से 20 परसेंट हरियाली थी अब आप अगर आंकड़ा देंखे तो 23.6 परसेंट हरियाली यानि की 3 परसेंट यानि की ऑलमोस्ट साढे तीन परसेंट हरियाली बढ़ाना अपने आप में एक बहुत बड़ी व्यवस्था है और मैं आखिर में यही कहना चाहता हूं कि अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की सरकार इतना अच्छा काम कर रही है हमारे मंत्री इतने अच्छे काम कर रहे हैं, आप इतने अच्छे काम कर रहे हैं जब-जब आपके पास आते हैं आप उन सभी समस्याओं का संज्ञान लेते हैं और काम

करते हैं तो ये पूरे देश में मॉडल दिल्ली का फैलता जा रहा है। एल. जी. साहब ने यहां पर जो भाषण दिया तो बार–बार मेरी सरकार कह रहे थे जरूर कहना चाहिये। मैं ये कहना चाहता हूं कि अगर आपके अंदर इस सरकार के प्रति सहानुभूति है, दिल्ली के लोगों के प्रति सहानुभूति है तो आप इन कार्यों को करने दें क्योंकि राजनीति अपने स्तर पर चलती रहेगी लेकिन हम सबका पहला दायित्व है कि हम दिल्ली के लोगों को उनकी सुविधायें दें जिनके लिये हम यहां पर बैठे हैं जिन्होंने हमें चुनकर भेजा है जिन्होंने और लोगों को केन्द्र में चुनकर भेजा है हमारा काम उनको सुविधा देना है तभी ये दिल्ली तभी ये देश पूरे विश्व में जाना जायेगा और अंत में मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं अरविंद केजरीवाल जी काम करते जा रहे हैं उनको रोका जा रहा है। कभी ईडी के माध्यम से, कभी सीबीआई के माध्यम से, कभी हमारे मंत्रियों को जेल में डाला जा रहा है इससे क्या मिलना है, भला किसका होना है? तो मैं सिर्फ एक ये शेर कहकर अपनी वाणी को विराम दूंगाः

‘मेरे दर्द से तू इतना खुश क्यों है जालिम,
मेरे दर्द से तू इतना खुश क्यों है जालिम,
जीना तो मुझे भी आता है,
गम और दर्द पीना मुझे भी आता है।’
फिर अरविंद केजरीवाल जी दोबारा कह रहे हैं
‘उठकर खड़ा होऊँगा और करूंगा प्रहार
क्योंकि जीना अभी भी मुझे बखूबी आता है।’

तो मैं आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया और मंत्री जी के इस प्रस्ताव से धन्यवाद प्रस्ताव से मैं सहमत हूं। धन्यवाद। जय हिन्द। जय भारत। जय भीम।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी की ये शिकायत रहती थी कि मुझे बीच में टोक देते हैं। कम समय मिलता है आज तो भरपूर समय मिल गया है।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः श्रीमती बंदना कुमारी जी।

श्रीमती बन्दना कुमारीः अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद जो उप-राज्यपाल जी के भाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, उप-राज्यपाल जी जब बोल रहे थे तो दिल्ली सरकार की हर तारीफों को उन्होंने सराहा और उस तारीफ़ को लोगों के सामने रखने की बहुत भरपूर कोशिश की लेकिन दुर्भाग्य रहा जो हमारे कुछ विपक्ष के साथी और एलजी साहब का भाषण पहले लीक होना और प्वाइंट वाईज लोगों के हाथ में पर्ची होना विपक्ष के सभी साथियों के हाथ में प्वाइंट वाईज पर्ची जो इस प्वाइंट पर आप खड़ा होना, इस प्वाइंट पर आप खड़ा होना, इस प्वाइंट पर आप खड़ा होना। ये बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण था। शायद अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में जो काम चल रहे हैं दिल्ली के विकास का और दिल्ली के अरविन्द केजरीवाल जी की गारंटी जो उन्होंने ली थी और वो सभी काम एक-एक करके उन्होंने खुद गिनाया। शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, महिलाओं की सुरक्षा शायद हमारी गारंटी

दिल्ली सरकार की गारंटी, अरविन्द केजरीवाल जी की गारंटी। उस अरविन्द केजरीवाल जी की गारंटी को भी आज कल बहुत सारे साथी चुराए फिर रहे हैं, अपनी गारंटी बता रहे हैं। उस गारंटी का एक–एक काम बड़ी मुश्तैदी के साथ बहुत ही ताकत के साथ, बहुत ईमानदारी के साथ सभी कैबिनेट के साथ मिलकर अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार ने किया है। ये शायद आज विपक्ष के साथी भी जगह–जगह चुनाव में जगह–जगह अपने भाषण में इस बात को कहने को मजबूर हो गए हैं जो शायद पहले उनके भाषण की स्क्रिप्ट खोली जाये तो किसी के भाषण में शिक्षा, स्वास्थ्य आज से दस साल पहले नहीं दिखता था। ना शिक्षा स्वास्थ्य की बात दिखती थी ना पानी बिजली की बात दिखती थी, ना ही महिलाओं की सुरक्षा की बात कोई करता था। लेकिन आज अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार से सीख लेकर सभी पार्टियां अपने–अपने भाषण में बिजली, पानी, शिक्षा स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा और प्रदूषण की बात बोलने लगी है। ये बहुत बड़ी एचीवमेंट है अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार की। दिल्ली की कैबिनेट की, दिल्ली के लोगों की जो दिल्ली की चुनी हुई सरकार जिसको आपने चुना और उन्होंने एक ऐसा काम किया जिस काम की चर्चा हर राज्य में पूरे देश में, विदेशों में इसकी चर्चा हो रही है और इस सभी कामों को लेकर दिल्ली के लोग बहुत खुश है लेकिन शायद उनके कामों की तारीफ सुनकर चाहे लोगों की एक हर घर से जो आवाज आ रही है जो कम से कम हर घर में जब मैं अभी एक छोटी सी मिटिंग करी थी। छोटा–छोटा मिटिंग हम लोगों ने मुहल्ले वाईज किया था तो मुहल्ले में

जब हम हिसाब लगा रहे थे जो आपके एक परिवार का कितना बचता है अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार में, तो उन्होंने सब ने खुद ही अपने आप मैंने पूछा बिजली का बिल पहले कितना आता था तो किसी ने दो हजार, किसी ने ढाई हजार, किसी ने डेढ हजार, किसी ने एक हजार से नीचे किसी ने नहीं कहा। सीधा-सीधा एक परिवार के एक महीने का सारा बजट जब मिलाया तो तीन से लेकर पांच हजार का बचत एक परिवार का बचत है। ये अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार ने काम किया है और उस काम की चर्चा हर गली, हर मुहल्ले में हो रही है। और इसको लेकर तीर्थ यात्रा योजना है। आज हमारी ये बुजुर्ग साथी जो जाकर आती है उन्होंने कहा शायद अपना बेटा भी इतना सुविधा नहीं दे पायेगा जो अरविन्द केजरीवाल जी की तीर्थ यात्रा योजना ने हमें सुविधा दी। हमें वो मेहमान-नवाजी हमारी हुई वैसा शायद कोई नहीं कर सकता। लेकिन शायद इन सभी एचीवमेंट को लेकर जिस तरह से ये ईडी, सीबीआई और एक आजकल हमारी विजिलेंस को छोड दिया गया है और इससे सभी अधिकारी को परेशान किया जा रहा है। जैसे मोहल्ला क्लीनिक में जांच होती थी पहले। सभी जांचें मुफ्त होती थी, सभी लोग इसका लाभ उठा रहे थे, दिल्ली के लोग लाभ उठा रहे थे। लेकिन दो महीने, तीन महीने से लगभग ये सारी जांचें बन्द हैं। उस जांच बन्द होने की वजह से लोग समझ नहीं पा रहे हैं ये कैसे हुआ क्यों हुआ। तो मैं इस सदन के माध्यम से मैं चाहती हूं अध्यक्ष जी आपके माध्यम से भी ये जैसे भी क्यों बंद हुआ है और किस कारण से ये जांच बंद हुई है क्योंकि एक रातोंरात जो अध्यादेश आया था उस

अध्यादेश ने केन्द्र सरकार ने दिल्ली को भी अब हमारे मंत्री महोदय जी अभी बता भी रहे थे जो कि दिल्ली को आधी इंजन नहीं पूरा खत्म करने की कोशिश की जा रही है उस अध्यादेश के माध्यम से। आज मोहल्ला क्लीनिक के एक-एक डाक्टर को बुलाकर विजिलेंस कमेटी एक-एक घंटा बैठाकर, दो-दो घंटा बैठा कर कभी-कभी तो छः घंटा बैठाकर पूछ रही है कि जी क्यों तुमने टैस्ट किया, टैस्ट की जरूरत थी? आज आपको पता है एक फीवर भी होती है तो नाडी वाला जमाना गया, अब वो भी टैस्ट कराने के बाद ही पता चलता है कि जो ये फीवर कैसा है। लेकिन वो सारे टैस्ट बंद कर दिये गए। तो उप-राज्यपाल जी तक ये मैसेज जरूर जाना चाहिए जो ये काम पर ध्यान दें, उन अधिकारियों से पूछे भाई जो जांच करनी है करो लेकिन ये सारे सिस्टम को रोकिये तो नहीं। दिल्ली को जो रोकने का काम कर रहे है, दिल्ली के काम को रोकने का काम कर रहे हैं वो काम को ना रोकें। उसी तरह से विजिलेंस कमेटी जो राशन वितरण में विजिलेंस कमेटी बनी हुई थी, उस विजिलेंस कमेटी को बंद कर दिया गया। आज हमारी एक्सीटेंड पॉलिसी पर जो सुविधा देने की बात थी वो सारी सुविधा को बंद कर दिया गया। तो इस तरह की बहुत सारी चीजें जो अध्यादेश के माध्यम से ऑफिसरों पर शिकंजा कसके बंद की गई है। मैं आपसे ये ही गुजारिश करना चाहती हूं आज जो कि एक आदेश जारी हो, ये विधान सभा से आदेश जारी हो, नहीं तो कोई ठोस कदम उठाया जाये कि जो ये ऑफिसर अपनी मनमानी कर रहे हैं। आज तक लगभग नौ साल हमें अपनी सरकार को देखते हो गया लेकिन आज

तक जल बोर्ड में इस तरह की ठेकेदारों पर जो अंकुश करने का काम कर रहे हैं अध्यादेश के माध्यम से, जल बोर्ड में इस तरह की स्थिति कभी नहीं आई जो अब आ रही है। अध्यक्ष जी, मैं इन सब चीजों पर थोडा सा आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगी जो उप–राज्यपाल जी के भाषण में दिल्ली सरकार की सभी कामों को अच्छा मान रहे हैं लेकिन वो दिल्ली सरकार के कामों को क्यों रोकने की कोशिश कर रहे हैं इस पर भी हम सबको ध्यान देने की जरूरत है और इस सदन के माध्यम से ये अधिकारियों से पूछना पड़ेगा कि ये क्यों रोका जा रहा है। जिस तरह से आज दिल्ली में उप–राज्यपाल जी डायरेक्ट उस पर सारे कमिशनर, लॉ एंड आर्डर के अधिकार क्षेत्र में आता है और लॉ एंड आर्डर की स्थिति दिल्ली के अंदर हर घर में जो शराब की दुकान जो शराब की दुकान खोलने की वजह से क्राइम हो गया भ्रष्टाचार हो गया, ये हो गया वो आज जगह–जगह गलियों में झुग्गियों के अंदर अन–ऑथोराईज्ड एरिया के अंदर घरों के अंदर नकली दारू शराब बिक रही है उस पर एलजी साहब कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। नकली शराब जगह–जगह बिक रही है, पुलिस की नजरों में बिक रही है, पुलिस को बताया जा रहा है, जो ये शराब बिक रही है, नकली शराब बिक रही है जिसको पीकर लोग बीमार पड रहे हैं। छोटे–छोटे बच्चे बीस–बीस रूपये की पाउच खरीद कर पी रहे हैं उस पर एलजी साहब की कोई कार्रवाई नहीं चल रही है। एलजी साहब जी दिल्ली सरकार के सभी कामों का उद्घाटन करना चाहते हैं। चाहते हैं क्योंकि अच्छा काम हो रहा है, हर आदमी चाहता है हम उद्घाटन करें। लेकिन जो उनकी

जिम्मेदारी है, जो उनकी डायरेक्ट जिम्मेदारी है दिल्ली के प्रति वो वो एक भी नहीं निभा पा रहे हैं। आज दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर एक भी ग्रिल रूक नहीं रही है। सारी ग्रिल रातों रात काट ली जा रही है। दिन में कट रहे हैं, पुलिस की नजरों में कट रहे हैं। पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। सारी टाईलें लगती है जो पाथवे पर टाईलें पीडब्ल्यूडी की रोड पर लगती है, रातों रात टाईल उखड़ जा रही है। दिल्ली पुलिस कुछ नहीं कर पा रही है। रोड पर ऐसे गाय घूम रही है जो आये दिन दुर्घटना हो रही है। आये दिन दुर्घटना हो रही है लेकिन दिल्ली पुलिस कुछ नहीं कर पा रही क्योंकि एमसीडी बार-बार कहती है हमें पुलिस की सुरक्षा मिलेगी तभी तो हम कुछ कर पायेंगे। पुलिस हमें सुरक्षा नहीं देती क्योंकि गाय माफिया और जितने भी जानवरों के माफिया हैं वो इस तरह से हावी हो जाते हैं एमसीडी पर जो वो कुछ नहीं कर पाते। तो आज दिल्ली की जो लॉ एंड आर्डर है वो बहुत चरमराई स्थिति में है और सही बात है जो हमारी सरकार ने ये सीसीटीवी लगाये। सीसीटीवी में सब कुछ दिख रहा है जो यहां क्राइम हो रहा है लेकिन उस क्राइम पर कंट्रोल नहीं है किसी का। तो आज मैं इस सदन के माध्यम से एलजी साहब से ये कहना चाहती हूं एलजी साहब जी आप इन सब कामों पर ध्यान दीजिए। जिस तरीके से दिल्ली में अन-ओथोराईज्ड इनलीगल काम चारों तरफ चल रहे हैं उसको रोकने का काम एलजी साहब करें और तरीके से करें। अपनी जिम्मेदारी को समझें। दिल्ली की सरकार की सारी जिम्मेदारी है, हक को छीनने का काम तो कर लिया आपने। हक ले लिया लेकिन कुछ दिल्ली वालों के

लिए भी सोचिए। आज दिल्ली वाले हर चीज के आतंक से परेशान है। 280 में भी हमारे कुछ साथियों ने उठाया, जो ये गायों का आतंक। आज एक कोई भी महिला एक सब्जी लेकर जाये तो उनके पीछे गाय इतनी तेजी से दौडती है जो कितने एक्सीडेंट हो रखे हैं। कितने एक्सीडेंट आये दिन होते रहते हैं। एक भी एक्सीडेंट की एफआईआर दर्ज नहीं होती। तो उन चीजों पर एलजी साहब का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। जिस तरह से हम हमारी दिल्ली अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार बहुत तेजी के साथ काम कर रही है और उन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है जो एलजी साहब नहीं कर पा रहे हैं। मैं फिर से अध्यक्ष जी आपसे गुजारिश करना चाहती हूं जो लॉ एंड आर्डर का मामला है और जो काम ऑफिसर्स की लापरवाही की वजह से नहीं हो पा रहे हैं, सारे काम ठप्प पड़े हैं, चाहे जो टेंडर का काम हो। एक टाइम लिमिट में टेंडर का काम कोई भी नहीं हो रहा है। तीन महीने की जगह पर आज नौ–नौ महीने, दस–दस महीने कोई काम ही नहीं हो रहा है। तो इसी लिए अध्यादेश दिया था क्या? एक–एक फाइल लेकर पूछिये उनसे ऑफिसर्स से जो वो टाइम पर काम क्यों नहीं कर रहे हैं। जब सारी चीजें दिल्ली गवर्नमेंट काम करना चाहती है, हमारी सरकारें काम करना चाहती हैं, हमारे मंत्रालय ने फंड अलॉट कर दिया है। सारी हमारी पीडब्ल्यूडी विभाग पिछले क्वेश्चन भी हमने उठाया था। एक रोटरी का मामला था और वो रोटरी का मामला हमारे एरिये में फंड अलॉट हो चुका है, सब कुछ हो चुका। एक अधिकारी है कह रहे हैं कौन इस पर साईन करेगा। मैं ये साईन करूंगा, कल हमें

विजिलेंस बुला लेगी। मतलब ये क्या दहशत है। हर अधिकारी में दहशत है। ये फाइल हम इस लिए नहीं कर रहे हैं जो कल हमें विजिलेंस बुला लेगा। कल हमें विजिलेंस बुला लेगा। ये कौन सी चुनी हुई सरकार है। हम चुने हुए लोग हैं। आज तक अधिकारी इस तरह से जंजीर में फंसे हुए हैं। तो ये जंजीरों से मुक्त कराने का काम इस सदन को करना पड़ेगा चाहे हमें जैसे भी करना पड़े। अध्यक्ष जी, मैं आज आपके माध्यम से चाहती हूं जो इन अधिकारियों से पूछा जाये ये क्यों डरे पड़े हैं। बस विकास का काम, मेरे घर का विकास का काम नहीं है। किसी भी मंत्री के घर का नहीं है, ना आपके घर का है, ना किसी विधायक के घर का है। आज हमारा दुर्भाग्य है जो ये लॉबी पूरी खाली पड़ी है। ऑफिसर्स की लॉबी पूरी खाली पड़ी है। एक भी ऑफिसर्स नहीं बैठे हुए हैं। तो किस तरह से हम लोग दिल्ली में काम कर पायेंगे। इतना चाहते हुए, इतनी विपरीत परिस्थितियों में भी हमारी सरकार जिस तरह से काम कर रही है ये सराहनीय है और हम सब के लिए भी बहुत गर्व की बात है जो दिल्ली सरकार इस तरह के चारों तरफ से शिकंजा कसे रहने पर भी इतना अच्छा काम कर रही है। अध्यक्ष जी मैं आपका तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं जो आपने हमें बोलने का मौका दिया। जय हिंद। जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री पवन शर्मा जी। पवन शर्मा जी।(अनुपस्थित)। वीरेन्द्र कादियान जी।

श्री वीरेंद्र सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, कल माननीय उप-राज्यपाल जी ने दिल्ली की सरकार द्वारा वित्त वर्ष में किये हुए

कार्यो का जो लेखा जोखा और उनके बारे में जो बताया। दिल्ली की शिक्षा प्रणाली, दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था के बारे में बताया और सराहना की। वाकई में ही दिल्ली की सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल जी जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को बहुत ही सुदृढ़, बहुत ही बेहतरीन बनाया पिछले नौ वर्षो में हर बजट में शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान किया इस 2023-24 के वित्त वर्ष में भी 21 प्रतिशत धनराशि बजट की वो शिक्षा के लिए रखी। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा सबसे जरूरी चीज है और अगर हमारे बच्चे शिक्षित हो जाएं, उनको अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर दिया जाए, अच्छे टीचर्स, नए नए अध्यन के तरीके लेबोरेट्री, लायब्रेरी और हमारी सरकार ने नए नए तरीके भी ईजाद किए entrepreneurship बसें शुरू की skill development के नए नए कोर्स स्टार्ट किए। मैं भी अभी हाल ही में सभी स्कूलों का ऐनवल डे फंक्शन मनाया जा रहा है अध्यक्ष महोदय और उनमें जब गए तो वाकई में ही जो उन्होंने जो स्टॉल लगा रखे थे स्कूल में घुसते ही जो टैक्नोलोजी का प्रयोग उन्होंने कर रखा था, जो नए नए उद्यमी जो काम करते हैं वो चीजें उन्होंने बना कर रखी थीं, तो निश्चित तौर पर हमारे बच्चों मे टैलेंट का अभाव नहीं है परंतु उनको सही संसाधन मुहैया नहीं कराए गए जिसकी वजह से सरकारी स्कूलों का जो स्तर बहुत गिरता चला गया। परंतु दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के पश्चात् इस पर ध्यान दिया गया और 9 वर्षो में दिल्ली के लगभग सभी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर का जो निर्माण किया गया सारे स्कूलों का पुनर्निर्माण किया गया, स्कूलों में अच्छे बैंचीस, जो संसाधन दिए गए

उसका माननीय उपराज्यपाल महोदय जी ने जिक्र किया और सराहा परंतु हमारे विपक्ष के साथियों ने उसका भी विरोध किया जो कि एक बहुत ही खेद का विषय है क्योंकि जब से दिल्ली की शिक्षा प्रणाली सुदृष्ट्ढ़ हुई है सभी राज्यों ने लगभग शिक्षा पर ध्यान देना शुरू किया है। हम अनेकों राज्यों में जाते हैं चाहे वो पार्टी के कार्यक्रम हों या वैसे जाना हो तो देखने को मिलता है कि दिल्ली सरकार की शिक्षा व्यवस्था को देखते हुए सभी सरकारों ने ये मान लिया कि भई शिक्षा के बिना कोई तरक्की संभव नहीं है और शिक्षा पे उन्होंने हमारी तरह ध्यान देना शुरू किया है। तो इस अग्रिम शुरूआत के लिये माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी का, दिल्ली की सरकार का सभी का आभार प्रकट करना चाहिये कि उनकी आंखें खोल दी। मैं अध्यक्ष महोदय जब सरकारी स्कूल में मैं पढ़ता था दसवीं ग्यारहवीं क्लास में, ग्यारहवीं, बारहवीं तो वो सरकारी स्कूल आज से लगभग 40 वर्ष पहले 35-40 वर्ष पहले हरियाणा में है वो बेरी जोकि कस्बा है और तहसील भी है तो उस सरकारी स्कूल की हालत उस समय से आज जर्जर हो गयी है। बारहवीं क्लास तक का स्कूल है और आसपास के बच्चे पढ़ते हैं, डेढ दो फीट मिट्टी के नीचे दब गया है और बहुत बुरा हाल हो गया है। उसी प्रकार से हम पड़ोस के ही राज्य का हरियाणा का अगर पीजीआई की बात करें रोहतक में एक पीजीआई है जो लगभग आधा हरियाणा वहां पर आता है, उस स्कूल का भी इतना बुरा हाल है, अस्पताल का भी इतना बुरा हाल है कि वो छतें चू रही हैं और बदबू आ रही है, कोई देखरेख नहीं होती। जब उन चीजों को पड़ोस के राज्य में देखते हैं

और दिल्ली की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था देखते हैं तो दिन रात का फर्क है। वहां पर भी 10 वर्षों से सरकार है जो आज हमारे विपक्ष के साथी बैठे हैं इनकी और यहां पे आम आदमी पार्टी की सरकार है। ये सिर्फ सोच का फर्क है अध्यक्ष महोदय कि बीस तीस कि.मी. में बॉर्डर पार करते ही सड़कों का अलग हाल है, स्कूलों का अलग हाल है और अस्पतालों का बहुत बुरा हाल है। तो ये देख के भी ये मानने को तैयार नहीं हैं कि एलजी महोदय जो कह रहे हैं और इनको दिख रहा है वो सराहना को भी इनको सहन नहीं हो पा रहा है जोकि बहुत बड़े दुख की बात है। अध्यक्ष महोदय, जो काम अच्छा है जिसको पूरी दिल्ली सराह रही है कि शिक्षा में माननीय अरविंद केजरीवाल जी ने जो बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पहले का भी हाल देखा और आज का भी हाल देख रहे हैं। दिल्ली कैंट विधान सभा की मैं बात करूं अध्यक्ष महोदय तो लगभग सभी स्कूलों का निर्माण और पुनर्निर्माण हुआ है और बेहतरी की तरफ है। बल्कि मैं तो ये कहता हूं वहां पे, मैं एनडीएमसी का भी मेंबर हूं, कैंटोनमेंट बोर्ड का भी सदस्य हूं तो मैं उनको ये कहता हूं कि आप दिल्ली के सरकारी स्कूल देख लो, आपके पास भी संसाधनों की कमी नहीं है पर आप उनको देख के कम से कम ऐसा स्कूल कर दो और वैसा अस्पताल कर दो तो यहां के लोगों को कम से कम दो चीजों की दिक्कत महसूस नहीं होगी और वो मानते हैं इस बात को। एनडीएमसी के चेयरमैन और एजुकेशन डिपार्टमेंट के लोग, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ और एजुकेशन डिपार्टमेंट के लोग मानते हैं कि दिल्ली सरकार के स्कूल उनके स्कूलों

से भी बेहतर हैं। दिल्ली में होते हुए भी दिल्ली के स्कूलों से बेहतर हैं। तो ये सोच, ये मैनेजमेंट और ये नजरिया तभी संभव है जब आपकी नीयत और कार्य करने का जज्बा मन में हो। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात को बड़े याद करता हूं कि एक बार माननीय शिक्षामंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी और पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर श्री सत्येंद्र जैन जी इनका दौरा था दिल्ली कैंट के स्कूल में। इन्होंने हमें टाईम दे रखा था 7 बजे का सुबह। तो लोग मानते हैं कि भई मंत्री महोदय 7 बजे का टाईम दे रहे हैं तो सवा 7, साढे 7 तक आयेंगे तो तब तक हम पहुंच जायेंगे उससे पहले। लेकिन हमें आश्चर्य हुआ कि पौने सात बजे दोनों मंत्री महोदय वहां पहुंच गये और मैंने पूछा जी आप तो जल्दी आ गये, आपका टाईम तो 15 मिनट बाद का था हम भी तैयारी नहीं कर पाये अच्छी तरह से। तो उन्होंने कहा भाई कादियान भाई कि ये हमारा तीसरा स्कूल है दौरे का। तो जिन लोगों ने इतनी मेहनत करके दिल्ली की स्कूल व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक किया उन लोगों को रतन जैसे कोई अवार्ड देने की बजाए,उनका नाम को बढ़ावा देने की बजए, ऐसे व्यक्तियों को इन्होंने जेल में डाल दिया जिसपे बड़ा खेद होना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, प्रति व्यक्ति आय जब ये बात करते हैं फ्री की रेवड़ियां बंट रही हैं और उन फ्री की रेवड़ियों में आम लोगों को जो एक प्रकार से व्यंग्य कसा जाता है कि गरीबों के साथ एक प्रकार का मजाक कि उनको उनका हक देने का जो काम दिल्ली की सरकार ने किया, फ्री पानी अगर दे रहे हैं तो उनका अधिकार है। अच्छी शिक्षा दे रहे हैं तो जनता का अधिकार है अध्यक्ष महोदय।

स्वास्थ्य की सुविधायें देना भी उनका अधिकार है क्यूंकि हम लोकतंत्र में हैं, आजाद भारत के निवासी हैं और गरीब अमीर ये कोई जान के नहीं होता, किसी को संसाधन मिल जाते हैं, किसी को रास्ते मिल जाते हैं, बहुत से लोग इससे वंचित रह जाते हैं और वो वंचित रहने की वजह से ही अगर हम हमारी सरकार जिसका कि दायित्व है उनको बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य मुफ्त देती है तो उनको रेवड़ियां कह कर उनका मजाक बनाया जाता है। फिर भी दिल्ली की सरकार ने 78800 करोड़ का जो बजट पिछले वर्ष पास किया था और उसमें अधिकतर इन्हीं चीजों पर खर्च किये चाहे महिलाओं को बस यात्रा फ्री हो, और फिर भी प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू आय में वृद्धि इस बात को दर्शाती है कि दिल्ली की सरकार ने अच्छी नीयत, अच्छी सोच के साथ काम किया, लोगों की भलाई के लिये काम किया। एक बात का और जिक्र आता है अध्यक्ष महोदय कि हम जहां भी जाते हैं तो यही लोग कहते हैं कि भई जब से आम आदमी पार्टी की सरकार आई है, आम आदमी पार्टी के विधायक, आम आदमी पार्टी के जो कार्यकर्ता हैं, आम आदमी पार्टी की सरकार के नुमाइंदे बिल्कुल आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, उनके पास कभी चले जाओ कभी कुछ काम बोल दो वो दिल लगा के, मेहनत लगा के कार्य करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आम नागरिकों को जो चीज चाहिये वो माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी पहले ही सोच लेते हैं। कोरोना काल में मजदूरों को फ्री राशन देना हो, लोगों को पका हुआ सूखा सब प्रकार का राशन दिया, समय पर वैक्सीनेशन कराया और 5-5 हजार रूपये उनके खाते में डाले, लेबर

कार्ड बनाये, अनेकों ऐसे ही उदाहरण है जो एक आम आदमी को दिल्ली में बाहर से आये हुए लोगों को चाहिये, उपलब्ध कराये। तो इन सब कामों की जो एलजी साहब ने भी प्रशंसा की 15 नये स्कूलों का निर्माण, 19 नए स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना, खेल, विश्वविद्यालय और जिसपे शिक्षा प्राप्त करके हमारे खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल लेकर आये उसकी भी उन्होंने प्रशंसा की। लेकिन ये बात जो है जो माननीय उप राज्यपाल महोदय ने दिल्ली की सरकार के अच्छे कामों का बखान किया हमारे विपक्ष के साथियों को ये बिल्कुल पसंद नहीं आई और जानते हुए भी इनको पता है क्यूंकि इनके क्षेत्र में भी कार्य हो रहे हैं ऐसा नहीं है कि जिस विधान सभा क्षेत्र से ये आते हैं वहां पे दिल्ली की सरकार कुछ काम नहीं करती। सारे काम वहां भी करती है कैमरे वहां भी लगा रखे हैं, बिजली फ्री, उनकी महिलाओं के लिये भी, क्षेत्र की महिलाओं के लिये भी है। किराया फ्री उनके लिये भी है, सबके लिये शिक्षा व्यवस्था अच्छी है। परन्तु फिर भी इन चीजों को सहन न कर पाने की इनकी जो क्षमता है उसके लिये बड़ा खेद है और माननीय उपराज्यपाल महोदय ने जो कहा हम इस बात के लिये उनका शुक्रगुजार करते हैं और जो बातें, जो काम पूरी दिल्ली देख रही है, यहां के लोग मान रहे हैं उन लोगों की भावनाओं को समझते हुए और दिल्ली सरकार के कार्यों का जो लेखाजोखा बताया उनके लिये धन्यवाद, आभार और माननीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे इस विषय पे बोलने का अवसर दिया इसके लिये आपका आभार, बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद। श्री शिव चरण गोयल जी।

श्री शिव चरण गोयलः अध्यक्ष जी, नमस्कार। मुझे उप राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। कल जिस समय अभिभाषण शुरू हुआ तो हमारे विपक्ष के साथी एक एक करके खड़े हुए। मैंने बचपन में एक स्टोरी पढ़ी थी कि किसी को लूटना हो तो पहले उसकी प्लानिंग कर लो। एक बार एक ब्राहम्ण अपने कंधे पर गाय की बछिया लेकर जा रहा होता है तो पहला ठग खड़ा हो जाता है कि हांजी ये आप सूअर का बच्चा लेकर जा रहे हो। तो जैसे ही एक काम अच्छा गिनवाया एक विपक्ष का साथी खड़ा हुआ।.. तो जैसे ही कहा हमने पानी ठीक किया है पहले पानी 840 एमजीडी था अब 995 एमजीडी कर दिया, 93 परसेंट पानी की पाईपलाईन घर घर में पहुंच गयी तो उनको बर्दाश्त नहीं हुआ एक खड़ा हुआ। फिर दूसरे हमने कहा जी लाईट दिल्ली में पूरे देश में सबसे बेहतर हो गयी है। पहले लाईट की खपत थी देश में आती थी दिल्ली में 5500 मेगावाट। अब इस देश के अंदर वो क्षमता को बढ़ के कर दिया 7500 मेगावाट। कभी लाईट नहीं गयी, बिजली फ्री हो गयी, 75 परसेंट परिवारों के बिजली के बिल जीरो आ रहे हैं, 16 परसेंट लोगों के बिल 7-8 सौ रूपये आ रहे हैं तो ये भी इनको बर्दाश्त नहीं हुआ, दूसरा खड़ा हो गया। फिर तीसरा कहा कि दिल्ली के अंदर स्कूल अच्छे हो गये हैं, आज दिल्ली के स्कूल्स पूरे इंडिया के अंदर, पूरे वर्ल्ड के अंदर एक नाम है और ये मैं नहीं कह रहा, अभी 6 महीने पहले सेंटर गवर्मेंट से एक पब्लिश हुआ है कि पूरे देश में 12 स्कूल कौन से टॉप में हैं, तो उसमें फर्स्ट,

सेकंड, थर्ड, ऐटथ, नाइंथ ये 5 स्कूल दिल्ली के थे और सेंटर गवर्मेंट कह रही है कि भई दिल्ली के स्कूल अच्छे हो गये हैं। रिजल्ट कह रहा है कि 99.9 परसेंट जो है दिल्ली के बच्चे पास हो रहे हैं। अब इनको बर्दाश्त नहीं हुआ तो इन्होंने तीसरे ने हल्ला मचाया। अब हल्ला मचाने से क्या होगा। कल मैं एक न्यूज पढ़ रहा था, एबीपी न्यूज के अंदर आया हुआ था कि गुजरात मॉडल 1609 स्कूल और उसमें एक टीचर, 1609 स्कूल में हर स्कूल में एक टीचर, क्या कभी इन्होंने अपने गिरेबान में झांककर देखा, ये बात करते हैं दिल्ली की, ये कल, एबीपी न्यूज पर आया था कल या परसों में। तो दिल्ली का एजुकेशन मॉडल, एक फिल्म अभी मैंने देखी थी, अभी करीब 15-20 दिन पहले टवेल्थ फेल, देखी होगी आपने भी।.. बहुत शानदार फिल्म। काफी समय बाद बनी थी। एक गरीब बच्चा जिसकी जेब में खाने को पैसे नहीं थे और वो 12 वीं में फेल हुआ और आज ऐसी स्थितियां है कि जब 12 वीं का एग्जाम आता है तो ब्लैक बोर्ड पर उसके आंसर लिख दिये जाते है ताकि बच्चे पास हो जाएं। तब उसको एक ने कहा कि चीटिंग मत करना बहुत ऊंचाइयों को छुओगे। चीटिंग नहीं की थर्ड में आ गया, जेब में पैसे नहीं और उसने सत्य को छोड़ा नहीं और वो आईपीएस बना। जब वो आईपीएस बना तो उसने एक ही बात कही थी कि देश के युवाओं को, बच्चों को, अनपढ़ रखा जा रहा है ताकि वो लीडरों की नौकरी कर सके, उनके झंडे उठा सके। यदि बच्चे पढ़ लिख गये तो देश अपने आप तरक्की कर जायेगा, ये कथन है उस आईपीएस का। और हमने एक ही बात कही है पूरे देश के अंदर, दिल्ली में एक-एक

बच्चे को पढ़ाकर जायेंगे, चाहे वो आईपीएस बने, चाहे आईएएस बने, जो मर्जी बने, बच्चे को अपने पैरों पर खड़े कर जाए, ये बात भी उनको पसंद नहीं आई, तो भी खड़ा हो गया।

फिर चौथी बात आ गई हॉस्पिटल की। मैं जब हॉस्पिटल में चेयरमैन बना आचार्य भिक्षु का, पहली बार गये बदबू आती थी वहां पर, स्मेल आती थी, मैंने कहा जी बड़े फंसे है इसके अंदर, और इलाज करने लोग नहीं आते थे। आज दिल्ली के अंदर नंबर-1 पर हॉस्पिटल है आचार्य भिक्षु, अभी इसको 15 लाख रुपये का ईनाम भी मिला है। पहले सौ बेड का हॉस्पिटल था, आज वो 180 बेड का हॉस्पिटल है, उसकी बिल्डिंग बन चुकी है 272 बेड की। ये 2-3 महीने के बाद ये 452 बेड का हॉस्पिटल बन जायेगा। कल मेरे पास एक पेशेंट का फोन आया कि ये मुझे दिखाना है आचार्य भिक्षु में, मैंने कहा ले आओ भई। मैंने उससे पूछ लिया क्या बीमारी है इसको, कहता है इसके लीवर में पस पड़ गई है। मैंने कहा भई ये छोटा हॉस्पिटल है यहां पर लीवर का इलाज नहीं होता, आप सेंट्रल गवर्मेंट या दिल्ली के जो बड़े हॉस्पिटल ले जाओ, उसका लिटरली ये ही बात थी कि सेंट्रल गवर्मेंट के हॉस्पिटल में लेकर नहीं जाऊंगा, आचार्य भिक्षु में हो तो मुझे बता दें, नहीं तो मैं कुछ और इंतजाम देखता हूं। तो आज माननीय मुख्यमंत्री ने वो इलाज कर दिया है जिसको हर दिल्लीवासी को और आसपास के क्षेत्रवासियों को बड़ा गर्व है कि दिल्ली में जाएंगे तो इलाज जरूर मिलेगा।

चौथा खड़ा हुआ, फिर पांचवा खड़ा हुआ कि सर दिल्ली में पॉल्यूशन बहुत बढ़ रहा है, पॉल्यूशन-पॉल्यूशन। 2014 में जब लोग चौराहे पर खड़े होते थे न सफ़ेद कमीज पहनकर, 2 घंटे के बाद वो सफेद कमीज भी काली और चेहरा भी काला। और आज आप चौराहे पर खड़े हो जाओ दिल्ली के किसी भी, न तो चेहरा काला होगा, न शर्ट काली होगी। दिल्ली में पहले ग्रीन एरिया था 19 परसेंट और आज है साढ़े तेईस परसेंट। पॉल्यूशन जिस स्पीड से दिल्ली में कम हुआ सभी जानते हैं। सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें, पूरे वर्ल्ड में थर्ड नंबर पर है जो दिल्ली में है। अब ये इनको बर्दाश्त थोड़ी होगा। दो करोड़ पौधे लगाये, ये इनको बर्दाश्त थोड़ी होगा।

उसके बाद जी पांचवा खड़ा हुआ, यानि की इस तरह से ये सोच रहे थे कि जैसे वो हमने बछिया जीत ली थी गाय की सुअर को फेंककर। एक कहानी और मुझे याद आती है, एक बारी लकड़हारा जंगल में गया और उसने चिल्लाकर बोला शेर आ गया, शेर आ गया जंगल में, पहली बार लोग गये, नहीं था, दूसरी बार गये लोग, शेर नहीं था, तीसरी बारी में एक्चुअली में शेर आ गया। 2014 में भी लोगों ने ये कहा कि शेर आ गया है, बचाने आ गये, 2019 में भी कहा शेर, बचाने आ गये, अब 2024 है, ये झूठ का पुलिंदा चलेगा नहीं। समय बड़ा बलवान है और ऊपर वाला भी देख रहा है, नीचे वाले भी देख रहे हैं। ये जितना मर्जी झूठ का परचम बुलंद कर लें आने वाला समय सच्चाई का है और सच्चाई सारी दुनिया देख रही है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत शुक्रिया, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः बहुत–बहुत धन्यवाद। श्री बी.एस.जून जी।

श्री बी.एस. जूनः धन्यवाद सर। सर, हम सभी जानते हैं कि हिंदुस्तान एक वेलफेयर स्टेट है और किसी भी वेलफेयर स्टेट की ड्यूटी बनती है कि वो अपने नागरिकों को एक अच्छी जिंदगी, नाइस जिंदगी दे। नाइस जिंदगी से क्या मतलब है सर, रोटी खाई सो गये अगले दिन फिर उठकर चल दिये, नहीं सर, उसमें आपको जो बेसिक अमेनिटीस, पफैसिलिटिस, ऐसे कि एक आदमी गर्व करे कि मैं इस देश में पैदा हुआ, ऐसी फैसलिटी इस सरकार की देने की जिम्मेवारी है। सुप्रीम कोर्ट ने सर बार–बार कहा 'राइट टू एजुकेशन' और 'राइट टू हेल्थ', दोनों फंडामेंटल राइट्स हैं और हर नागरिक का अधिकार है कि उनको एक क्वालिटी एजुकेशन मिले और अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिले। ये काम पिछले 10 साल में किसने किया, आम आदमी पार्टी की सरकार ने, माननीय अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में। जो स्कूलों की पहले हालत थी और आज हालत है, सर, ये इसी बात से साबित हो जाता है कि प्राइवेट स्कूल से बच्चे विदड्रॉ होकर सरकारी स्कूल में एडमिशन ले रहे हैं, इससे बड़ा फ्रू और क्या चाहिए। अगर प्राइवेट स्कूल से लड़के विदड्रॉ होकर मां–बाप उनको अब सरकारी स्कूल में डाल रहे हैं तो ये तो हालात, एजुकेशन के जो स्टैंडर्ड है, स्तर है दिल्ली में बहुत ऊंचा हुआ है। स्कूल अफ़ एक्सीलेंस, एडमिशन मिलना मुश्किल हो जाता है। प्राइवेट स्कूल में इतनी अपलीकेशन नहीं आती जितनी उस स्कूल में अपलीकेशन आती हैं एडमिशन के लिए। माननीय शिक्षा मंत्री जी बैठी हैं इनको पता नहीं कितना दबाव रहता होगा एडमिशन के लिए इन

स्कूल्स में। तो एक अच्छा एटमॉस्फियर, एक अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, एक अच्छे टीचर्स, एक अच्छे स्टूडेंट्स और अच्छी फैसिलिटी स्कूल में मिली तो स्टैंडर्ड जो है अपने आप ऊपर हुआ। सर टीचर वो ही हैं जो पहले थे, आज बेटर रिजल्ट्स कैसे हो गये, क्योंकि इंसेंटिव मिला बच्चों को भी और टीचर्स को भी, शिक्षकों को भी। 25 परसेंट के करीब टोटल बजट का एजुकेशन पर हर साल लगता है तो अपने आप एजुकेशन का स्टैंडर्ड जो है ऊपर गया। विजन किसका था, माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का।

दूसरा सर टीचर्स की ट्रेनिंग अब्रॉड, देश-विदेश में कराई, आज से पहले कभी नहीं होता था। लेबोरेटरिस बनावाई। स्कूल्स एक्टिविटिस बढ़ाई, ओवरआल डेवलपमेंट हो बच्चे की इस पर पूरा ध्यान दिया गया। एंटरप्रेन्योरशिप जो है प्रोग्राम चालू किये गये। बिजनेस ब्लास्टर्स के प्रोग्राम चालू किये गये। जो आज तक मुझे लगता है किसी ने सोचे भी नहीं होंगे 10 साल पहले स्कूलों में। तो स्कूलों का जो ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है वो शायद रिमार्केबल है और शायद किसी भी स्टेट में ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री आयें, उन्होंने कहा कि हम दिल्ली का शिक्षा मॉडल अपनायेंगे, तो एक बहुत बड़ी बात है।

उसके बाद सर हॉस्पिटल्स, मेडिकल फैसिलिटिस, खुद मेरी एक कांस्टीटयूएंसी में इंदिरा गांधी हॉस्पिटल है सर, अगर आप उसको देखेंगे तो आप ये नहीं कहेंगे कि ये सरकारी अस्पताल है, आप ये कहेंगे कि ये प्राइवेट हॉस्पिटल है। इतना बढ़िया हॉस्पिटल, इतनी बढ़िया सफाई, इतनी बढ़िया सर्विसेज, लेटेस्ट इक्विपमेंट्स, गैजेट्स उस हॉस्पिटल में

अवेलेबल हैं कि कहीं आपको जाने की जरूरत नहीं है, 1700 बेड का है, अभी fully commissioning नहीं हुई है लेकिन अभी चल रहा है हॉस्पिटल। तो इतनी बढ़िया मेडिकल फैसिलिटिस जो हैं दिल्ली सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री के, अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दी हैं।

फिर सर पानी, खुद द्वारका, पालम कांस्टीटयूएंसी में, भावना जी नहीं हैं, एक-एक आदमी उन दो कांस्टीटयूएंसिस में कहेगा कि अगर दिल्ली, इन कांस्टीटयूएंसिस में किसी ने पानी दिया है तो वो अरविंद केजरीवाल जी ने दिया है। मर्डर तक हो जाते थे सर पानी के ऊपर और आज वहां पानी गया हुआ है। अपोजिशन के लोग शोर मचाते हैं जी गंदा पानी आता है, बिल ज्यादा आता है। सर, गंदा पानी क्यूं आता है, जब जंदा से पानी चलता है तब तो गंदा नहीं होता, उस वक्त तो लोग कहते हैं कि आरओ से भी बेटर पानी है। बीच में गड़बड़, जहां डिस्ट्रिब्यूशन हो रहा है गलियों में, इलीगल कनेक्शंस, उनमें पुराने कनेक्शन खुले छोड़ दिये, लगातार मोटरें चल रही हैं उससे वो मिक्सअप पानी होकर, एमसीडी पहले नालियों की सफाई नहीं कराती थी वो पानी उनमें मिक्सअप होता था, तो गंदे पानी का सोर्स ये था। अब धीरे-धीरे दिल्ली जल बोर्ड विपरीत परिस्थितियों में भी उसको overcome कर रहा है, धीरे-धीरे उस प्रॉब्लम को दूर कर रहा है।

सर, सीवर लाईन, ऑलमोस्ट इतनी सीवर लाईन आज तक कभी नहीं बिछी होंगी जितनी इस regime में अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में सरकार में सीवर लाईनें पड़ी हैं।

उसके बाद सर नेक्स्ट इशू आया बिजली। सर, पहले लोग बनियान पहनकर रात को एक-दो बजे सड़कों पर घूमते थे, हम टीवी में देखते थे, अखबारों में पढ़ते थे कि बिजली चली गई और लोग, 10-20 लोग इकट्ठा होकर पावर हाउस के बाहर खड़े हुए हैं, वो लाईट नहीं है 2-3 घंटे से और गर्मी का मौसम है। मिनिमम पावर कट चल रहा है सर आज तो और वो भी कब है जब ब्रेकडाउन हो, रेगुलर पावर कट कहीं भी नहीं है। बिजली जैसे पहले, बहुत पहले लोग कहा करते थे दिल्ली में बिजली नहीं जाती, आज वो सिचुएशन फिर है। दिल्ली में बिजली का संकट बिल्कुल नहीं है और चौबीसों घंटे लोगों को बिजली मिलती है। और 200 यूनिट वालों को फ्री मिलती है सर, मैं तो बड़े फक्र के साथ कहता हूं एक मेरा भी मीटर है जिसमें जीरो बिल आता है। तो इतनी बड़ी फैसिलिटी इस बिजली की दी सरकार ने, अरविंद केजरीवाल जी ने, और जिसको सिर्फ हमारे कार्यकर्ता, हमारे वोटर सपोटर नहीं मानतेसर, बीजेपी के लोग भी इस बात को एडमिट करते हैं और सबसे पहले सब्सिडी भी वो ही लेते हैं कि हमें सब्सिडी दे दो बिजली पर। सबसे ज्यादा बेनेफिट सर बीजेपी के लोग ही हमारी सरकार में ले रहे हैं।

सर, तीर्थयात्रा। हमारे रहमान भाई ने कहा बुजुर्ग औरतों के सर आंसू आ जाते हैं जब गाड़ी में बैठती हैं। आर्शीवाद पर आर्शीवाद अरविंद केजरीवाल जी को, हालांकि वो स्टेडियम में जाते हैं त्यागराज स्टेडियम में लेकिन जहां से चलती है वहां से, बस में ही उन्होंने नारे लगाने शुरू कर देती हैं कि अरविंद केजरीवाल जिंदाबाद। और ओपनली बोलती

हैं कि शायद हमारे अपने बेटे भी इतनी फैसिलिटी नहीं देते जो अरविंद केजरीवाल ने हमें दीं। तो जब दिल से दुआएं निकलती हैं सर तो अरविंद केजरीवाल जी का कौन क्या बिगाड़ लेगा। वो इतनी बुजुर्ग महिलाओं का, आदमियों का जब आर्शीवाद प्राप्त है तो ये ईडी, सीबीआई, विजिलेंस डिपार्टमेंट, ये टाइम्ली है, इलेक्शन प्रोपेगैंडा है, उसमें कुछ होने जाने वाला नहीं।

उसके बाद सर इशू है माननीय उप-राज्यपाल के अभिभाषण का। सर, मन से या बेमन से माननीय उप-राज्यपाल जी ने कल दिल्ली सरकार की उपलब्धियां गिनाई, बड़ा अच्छा लगा, बहुत अच्छा लगा हमें और हमें एप्रिशीऐट भी करना चाहिए। चाहे बाहर जाकर वो बिल्कुल रिवर्स करते हों लेकिन हाउस में उन्होंने बिल्कुल सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की और ये एक बहुत वेलकम स्टेप था और हम सब उसको एप्रिशीऐट करते हैं। एक थोड़ी सी कमी ये रही कि जो दूसरे पक्ष के लोग थे वो प्री-प्लान करके एक-एक करके उनको डिस्टर्ब करते रहें, इंटरप्ट करते रहें और वो बहुत गलत बात थी, आपने इस हाउस के सामने एक प्रस्ताव रखा जो सर्वसम्मति से पास हुआ और उनको निलंबित किया, ये बहुत अच्छा कदम था सर। कहीं न कहीं थोड़ा बहुत सर सख्ती से भी काम करना पड़ता है और जो आपने डिसीजन लिया हम सब उसके साथ हैं और उसको एप्रिशीऐट करते हैं।

सर, चाहे इकॉनोमी हो, हमारे साथियों ने बताया, जैसे उप-राज्यपाल जी ने भी बताया कि हमारी इकॉनोमी जो है बेटर देन नेशनल एवरेज के है तो इससे बड़ी बात और क्या होगी। अभी मोदी जी कहते हैं कि

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बहुत जल्द हिंदुस्तान बनने वाला है। सर, टोटल जीडीपी कितनी है हिंदुस्तान की आज के दिन, दो पाइंट समथिंग और जो तीन पहली टॉप की वर्ड में जो टॉप की जीडीपी वाली कंट्रीज हैं उनकी किसी की 26 परसेंट है किसी की 24 परसेंट है किसी की 28 परसेंट है उस लेवल तक पहुंचने में हमें कितना टाइम लगेगा। तो ये सारे जुमले हैं लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश है रिकार्ड फर्ज किया जाता है और उसके बाद कहा जाता है कि हमारी इकॉनमी इतनी बैटर हो गई। पर कैपिटा इनकम नो डाउट दिल्ली में सबसे ज्यादा हो गई ये बहुत गर्व की बात है और ये सारा वीजन किसका था माननीय अरविंद केजरीवाल जी का। सर इनफ्रास्ट्रक्चर आज हर जगह फ्लाईओवर बन रहे हैं, अंडरपास बन रहे हैं, ब्यूटीफिकेशन आफ रोड्स हो रहा है, पीडब्लूडी की सड़कें ऐसी हो गई हैं कि लोग सोचते हैं की भई जैस हम लंदन में क्रास कर रहे हैं कुछ सड़कें इतनी बढ़िया तरीके से ब्यूटीफाई की गई हैं। तो दिल्ली सरकार ने जो इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम किया है सर वो बहुत ही महत्वपूर्ण रहा, सराहनीय रहा और हर व्यक्ति जो दिल्ली –कैपिटल में बसा हुआ है वो इस बात की सराहना करता है कि दिल्ली सरकार ने बहुत काम किया है इस क्षेत्र में भी। सर फ्री बस यात्रा मजदूर लोग जो मेड सर्वेंट्स है वो जाती हैं घरों में दूर–दूर काम करने उन लोगों को बस में फ्री यात्रा करने का मिलता है तो उनके घर में दो पैसे बचते हैं और वो दिल से दुआएं देती हैं अरविंद केजरीवाल जी को की हमें ये फेसिलिटी ऐसी दी है कि हमारे घर वालों पर अब प्रेशर नहीं है और हम आराम से ट्रैवल कर सकते हैं।

'फरिश्ते स्कीम' सर, इससे बढ़िया स्कीम हो ही नहीं सकती थी जिसमें बाद में टांग अड़ा दी गई फंड रुके या जो भी कुछ हुआ लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है की उस स्कीम को रोक दिया गया नहीं तो उस स्कीम में इतने लोगों की जान बची सर की बहुत सा एप्रिसिएबल स्टैप्स था दिल्ली सरकार का माननीय मुख्यमंत्री जी का और उसको रोकना एक पाप के बराबर है सर अगर आप किसी को जीवनदान दे रहे हैं तो उस स्कीम को रोकना इससे बड़ा गलत काम हो नहीं सकता फिर दैन सर हास्पिटल्स के अलावा मोहल्ला क्लीनिक, महिला मोहल्ला क्लीनिक, फ्री टैस्ट, फ्री मेडीसियन, फ्री इलाज ये सर कुछ ऐसी स्कीमें हैं जो दिल्ली सरकार ने शुरु की और वीजन वही माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का मैं जो अभिभाषण में उप-राज्यपाल जी ने दिल्ली सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की उसका समर्थन करता हूं और उनके जो भी उन्होंने फिर मैं कहूंगा मन से या बेमन से अपने उद्‌गार व्यक्त किये उनका मैं समर्थन करता हूं बोलने के लिए समय दिया सर बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री पवन शर्मा जी।

श्री पवन शर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। अध्यक्ष महोदय दिल्ली सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल एक ऐसा नाम हो गये हैं पूरे देश नहीं विश्व में की अरविंद केजरीवाल जी का नाम जहां पर आ जाता है वो अपने आप में ही गारंटी हो जाती है किसी भी बात के लिए। जबसे दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी बने हैं आम आदमी पार्टी की

सरकार दिल्ली में बनी है तबसे दिल्ली के लोगों के लिए इतने काम कर दिये हैं कि हम सभी साथी या कोई भी व्यक्ति अगर दिल्ली सरकार के माननीय मुख्यमंत्री जी के काम गिनवाने बैठें तो सुबह से शाम हो जाती है काम खत्म नहीं हो पाते हैं चाहे वो शिक्षा का क्षेत्र हो पहले सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को बड़ी हीनभावना से लोग भी देखते थे और बच्चे भी अपने आप में हीन भावना से ग्रसित रहते थे लेकिन पिछले 9-10 साल से दिल्ली के सरकारी स्कूल के बच्चे अपनी कॉलर ऊंची करके बताते हैं कि हम दिल्ली के फ्लां सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं और मैं अपना भी पर्सनल अनुभव आपको बताना चाहता हूं। जब 2015 में पहली बार मैं विधायक बना तो मेरे पास पब्लिक स्कूल में एडमीशन लेने वालों की लाइन लग गई थी लोगों ने प्रार्थना की विधायक जी फ्लां पब्लिक स्कूल में हमारे बच्चे का एडमीशन करवा दीजिए वहां पर मोटी डोनेशन लगती है, डोनेशन हम दे नहीं सकते हैं, सरकारी स्कूलों में पढ़ाई होती नहीं है। लेकिन आज उसका विपरीत है अध्यक्ष महोदय। आज हर साल 50-100-200 बच्चे पब्लिक स्कूल से नाम कटवाकर सरकारी स्कूल में एडमीशन के लिए अप्रोच के लिए हमारे पास आते हैं ये काम है आम आदमी पार्टी की सरकार का, ये काम है माननीय मुख्यमंत्री साहब का। ऐसे ही अध्यक्ष महोदय, मोहल्ला क्लीनिक का निर्माण किया गया। मोहल्ला क्लीनिक में लोगों को इतनी सुविधाएं मिलीं, इतने टैस्ट फ्री मिले, सरकारी हास्पिटल्स में भीड़ कम हुई, छोटी-छोटी बीमारियों के लिए लोग सरकारी हास्पिटल्स में जाते थे जो मोहल्ला क्लीनिक में उनका इलाज

होने लगा लेकिन अध्यक्ष महोदय केन्द्र की सरकार हमारे एलजी साहब आए दिन नई–नई रुकावटें दिल्ली के लोगों के हित में जो कार्य माननीय मुख्यमंत्री साहब कर रहे हैं उसमें नई–नई रुकावटें डाल रहे हैं, ये मैं एक पाप कहूंगा इसको क्योंकि जिस प्रकार से माननीय श्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों को फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री शिक्षा, फ्री चिकित्सा दिया तो अध्यक्ष महोदय हमारे देश में हमारी संस्कृति रही है आपको भी ध्यान होगा की लोग अपने पिताजी के नाम पर अपनी माताजी के नाम पर धमार्थ प्याउ लगवाते रहे हैं अब भी लगवाते हैं और वो काम माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली में प्रत्येक घर के लिए किया है। ऐसे ही अध्यक्ष महोदय, हमारे बुजुर्गों के लिए फ्री तीर्थ यात्रा। अध्यक्ष महोदय, एक श्रवण कुमार हुए हैं जिन्होंने अपने माता–पिता को कंधे पर बिठाकर पूरे देश, पूरे भारतवर्ष में तीर्थ स्थलों पर यात्रा करवाई ऐसे ही तो हमारे सभी धर्मों में सनातन धर्म में ये है कि बुजुर्ग जब रिटायर हो जाते हैं तो बच्चों के द्वारा या परिवार के लोगों के द्वारा उनको तीर्थ स्थानों पर यात्रा करवाई जाती है और वो जाना भी चाहते हैं। तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने फ्री तीर्थ यात्रा बुजुर्गों के लिए करवाई यानी दिल्ली के बुजुर्गों के श्रवण कुमार बने और उन बुजुर्गों का इतना आर्शीवाद मिला, हमें भी मिलता है कहीं गली–कूंचे में कहीं पर भी हम अपने क्षेत्र में जाते हैं तो वृद्ध माताएं, बूढ़े लोग मिलते हैं और इतने खुश होते हैं, इतना आर्शीवाद देते हैं कि ये कार्य धर्म का कार्य अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के बुजुर्गों के लिए किया। महिला शक्ति को बढ़ाने के लिए महिलाओं को आगे लाने के

लिए अध्यक्ष महोदय दिल्ली में बसों में महिलाओं की फ्री यात्रा माननीय मुख्यमत्री जी द्वारा की गई इससे अध्यक्ष महोदय कई घर कई आदमी ऐसे होते हैं जो महिलाओं को घर से बाहर निकालने में संकोच करते हैं उनकी भी मजबूरी हो गई क्योंकि महिलाएं अगर कहीं पर घर से बाहर जाएंगी बस में बैठेंगी उनका किराया नहीं लगेगा पुरुष अगर जाएगा तो किराया लगेगा तो इस सोच के साथ हमारी बहन बेटियों को जो है घर से बाहर निकलने का मौका मिला, काम करने का मौका मिला, हुनर दिखाने का मौका मिला। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में क्राइम का इतना बुरा हाल है कि चोर जो है गाड़ियों की बैटरी चोरना और अपनी पानी की मोटर खोल ले जाना ये आम बात हो गई है। पुलिस के द्वारा इस पर कंप्लेंट भी नहीं लिखी जाती, ये चोरों का जन्मसिद्ध अधिकार हो गया है। तो दिल्ली सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिल्ली में 135500 सीसीटीवी कैमरा लगवाए गए जिससे क्राइमों में चोरियों में काफी कमी आई। तो चोर के दिमाग में ये आ जाता है की सीसीटीवी कैमरा लगा है, तू पकड़ा जाएगा उससे 50 परसेंट चोरी कम हुई और 50 परसेंट अगर चोरी कर भी ली तो पुलिस को जो है चोर को पकड़ने में सीसीटीवी कैमरे द्वारा देखकर आसानी रहती है, बहुत फर्क पड़ा है लेकिन फिर भी दिल्ली में जो है पुलिस का रवैया बहुत ही लचर है तो एलजी साहब को दिल्ली के लोगों के दिल्ली सरकार के काम दिल्ली के लोगों के भले के लिए जो सरकार काम कर रही है उन कामों को रोकने की बजाय अगर दिल्ली में पुलिस प्रशासन पर भी थोड़ी सी अगर नजर सीधी कर लें तो दिल्ली के लोगों को बहुत

राहत मिलेगी। तो अध्यक्ष महोदय इतने सारे काम दिल्ली सरकार में किये गये माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी द्वारा तो ये सारे राम राज्य के लक्षण हैं। राम राज्य दिल्ली में चल रहा है और जो हमारे विरोधी भाई कल एलजी साहब के अभिभाषण में बीच-बीच में पाइंट बना-बनाकर एक-एक करके बोलते रहे उनका मकसद केवल और केवल ये था कि सेशन में जो एलजी साहब का भाषण लाइव चल रहा है दिल्ली के लोग जो दिल्ली सरकार द्वारा जो दिल्ली के लोगों के लिए जो काम किये गये हैं उन कामों को सुन न पाएं लेकिन आप मैं अपने विरोधी पार्टी के जो भाई हैं विपक्ष के जो भाई हैं उनको कहना चाहता हूं कि आप जितना मर्जी अड़ंगे अड़ा लीजिए ये आम आदमी पार्टी आंदोलन की कोख से निकली हुई पार्टी है सारे साथी हमारे आंदोलन की भट्टी में तपकर निकले हैं और माननीय श्री अरविंद केजरीवाल हमारे नेता हैं आप जितनी मर्जी अड़ंगी लगा लीजिए दिल्ली के लोगों के लिए दिल्ली के लोगों का कोई भी काम हम नहीं रुकने देंगे प्रत्येक काम हम कराएंगे। अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने का अवसर दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः टी ब्रेक आधे घंटे बाद हम पुनः यहां मिलेंगे बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 04.29 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः मुझे माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी से एक प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है अब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा की अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्री अरविंद केजरीवाल (माननीय मुख्यमंत्री): अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले मेरे पास दो एमएलए आए अलग-अलग एक एक दिन आया एक दूसरे दिन आया और आकर दोनों ने एक ही बात कही, उन्होंने कहा कि ये बीजेपी वाले आए थे हमारे पास और उन्होंने हमें कहा कि देखो भई अब थोड़े दिन बाद तुम्हारे मुख्यमंत्री को हम गिरफ्तार कर लेंगे उसके बाद हमने आलरेडी 21 एमएलऐज को संपर्क कर लिया है और 21 एमएलए मान गये हैं पार्टी छोड़ने के लिए, औरों से संपर्क कर रहे हैं तो तुमको 25 करोड़ रुपये देंगे और तुम भी आ जाओ पार्टी में और हम अपनी टिकट से तुमको बाद में चुनाव लड़ा देंगे और अगर कुछ और चाहिए हो तो बता दो। तो उन दोनों ने आकर बताया जी हमने तो इसको स्वीकार नहीं किया उनको मना कर दिया। फिर हमने एक-एक एमएलए से बात करके फोन करके संपर्क किया तो पता चला कि 21 तो नहीं 7 एमएलऐज को इन्होंने संपर्क किया था बीजेपी वालों ने। तो पिछले इतने सालों में कई आपरेशन लोटस कर चुके हैं, एक और आपरेशन लोटस इन्होंने कोशिश की लेकिन सभी 21 एमएलऐज ने मना कर दिया हमारी जानकारी के हिसाब से। तो जाहिर तौर पर ये पूरा जो तथाकथित शराब घोटाला, ये कोई शराब घोटाला

नहीं है, इन्होंने कोई जांचवांच नहीं करनी, इन्होंने जैसे अन्य प्रदेशों में हम देख रहे हैं एक के बाद एक पार्टियां तोड़ रहे हैं, सरकारें गिरा रहे हैं, केवल झूठे-झूठे केस करके इनका मकसद यहां पर दिल्ली के अंदर शराब घोटाले की आड़ में गिरफ्तार करके, आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं को इन्होंने गिरफ्तार कर रखा है। गिरफ्तार करके और इनका मकसद दिल्ली के अंदर सरकार गिराना है क्योंकि इन्हें पता है कि दिल्ली में ये चुनाव तो जीत नहीं सकते, पूरी जिंदगी में भी नहीं जीत सकते, ये दिल्ली में चुनाव तो नहीं जीत सकते, तो किसी भी तरह से येन-केन-प्रकारेण सरकार गिराकर और सरकार बना लो यहां पर। तो लेकिन ये भी इनका, ऊपर वाले की दया है, हमारे ऊपर जनता का विश्वास है ये प्रयास इनका सफल नहीं रहा। तो ये देखने के लिए और जनता को दिखाने के लिए कि हमारा एक भी एमएलए नहीं टूटा, हमारे सारे के सारे एमएलए आज भी हमारे साथ हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि:

''यह सदन मंत्री परिषद में विश्वास व्यक्त करता है।''

माननीय अध्यक्ष: माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्ताव पर कल चर्चा होगी। कल 17.02.24 शनिवार को प्रातः 11 बजे सदन बैठेगा उस पर तब हम चर्चा करेंगे। लिहाजा दिनांक 17 फरवरी, 2024 को पूर्वाहन् 11 बजे तक के लिए सदन स्थगित किया जाता है।

(सदन की कार्यवाही दिनांक 17 फरवरी, 2024 को पूर्वाहन् 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।